दैनिक
सत्ता सुधार
जनता के साथ जनता की आवाज
सागर ■ मंगलवार 20 मई 2025 ■ वर्ष -02 ■ अंक-202 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य-₹04

सुविचार
वसंत अपने आप नहीं आता, उसे लाना पड़ता है। सहज आने वाला तो पतझड़ होता है, वसंत नहीं।
-हरिशंकर परसाई

गिरफ्तारी से तो बच गए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री को खूब सुनाई खरी-खोटी, कहा

पूरा देश शर्मिंदा! ये मगरमच्छ के आंसू विजय शाह की माफी अस्वीकार

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान पड़ा भारी

भावना अच्छी होती तो माफी में अगर-मगर नहीं लगाते...

अब निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी का गठन किया, एसआईटी में एक महिला अधिकारी भी होगी

पहली स्टेटस रिपोर्ट 28 मई को जमा करनी होगी

सत्ता सुधार ■ भोपाल/ नई दिल्ली

मंत्री विजय शाह ने कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान दिया था। हाईकोर्ट के निर्देश पर मंत्री के खिलाफ केस दर्ज हुआ। इसके बाद मंत्री विजय शाह ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया। जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच मामले में सुनवाई की है। इस दौरान मंत्री विजय शाह को जमकर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई।

वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने कोर्ट को बताया कि शाह की ओर से 15 मई के आदेश के खिलाफ एक और एसएलपी दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने माफी मांगी है। इस पर जस्टिस सूर्य कांत ने पूछा कि वह माफी क्या है और कहां है। जस्टिस ने कहा कि यहां एक मामला है। हम वीडियो क्लिप दिखा रहे हैं। हम देखना चाहते हैं कि मंत्री विजय शाह ने कैसी माफी मांगी है। माफी शब्द का एक मतलब होता है। कभी-कभी लोग सिर्फ मुसीबत से बचने के लिए माफी मांगते हैं। लोग दिखावटी मगरमच्छ की आंसू बहाते हैं। मंत्री की माफी कैसी है। सुप्रीम कोर्ट ने मंत्री विजय शाह के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आपने बिना सोचे समझे ऐसी बातें कैसे कीं। आप माफी पर इतना जोर क्यों दे रहे हैं।

मंत्री ने ईमानदारी से माफी क्यों नहीं मांगी...

कोर्ट ने पूछा कि आपने ईमानदारी से माफी मांगने की कोशिश क्यों नहीं की। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह कोर्ट की अवमानना नहीं है। आप यहां आ रहे हैं और इसलिए माफी मांग रहे हैं। क्या यही आपका रवैया है। एक वीडियो में, किसी व्यक्ति को अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए देखा गया। लेकिन उसने खुद को रोक लिया। इस घटना पर ध्यान देना जरूरी है। खासकर सशस्त्र बल के लिए। हमें बहुत जिम्मेदारी से काम लेना चाहिए।

सुप्रीम आदेश

- जांच के लिए 3 आईपीएस वाली एसआईटी गठित
- डीजीपी को एसआईटी गठित करने के आदेश
- सुबह 10 बजे तक एसआईटी गठित होगी
- एसआईटी में एक महिला अधिकारी भी रहेंगी
- नेतृत्व आईजी रैंक के अधिकारी करेंगे
- पहली स्टेटस रिपोर्ट 28 मई को देनी होगी
- शाह की गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक रहेगी

आज कैबिनेट पर नजर

इधर, मंगलवार को इंदौर के राजवाड़ा में मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्रियों की बैठक होने वाली है। अब देखना होगा कि क्या मंत्री विजय शाह इसमें शामिल होंगे या नहीं।

सुप्रीम टिप्पणी-भारत धर्मशाला नहीं, जो सबको शरण दे

श्रीलंकाई नागरिक की याचिका खारिज

भारत छोड़ने के आदेश को दी थी चुनौती

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई शरणार्थी से जुड़े एक मामले में सोमवार को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दुनियाभर से आए शरणार्थियों को भारत में शरण क्यों दें। हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। हम हर जगह से आए शरणार्थियों को शरण नहीं दे सकते। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने यह टिप्पणी श्रीलंकाई तमिल नागरिक की शरण याचिका खारिज करते हुए की। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने श्रीलंकाई नागरिक को यूएपीए मामले में 7 साल की सजा पूरी होते ही तुरंत भारत छोड़ देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ उसने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर हस्तक्षेप करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की तरफ से आर सुधाकरन, एस प्रभु रामसुब्रमण्यम और वैरावन एएस ने कोर्ट में दलील दी।

न्यायाधीश पूर्वाग्रह नहीं रखते

जस्टिस कांत ने वकील मनिंदर सिंह से कहा कि इस बीच, आप सोचते हैं कि आप खुद को कैसे बचाएंगे। पूरा देश शर्मिंदा है। हमारा एक ऐसा देश है, जो कानून के शासन में दृढ़ता से विश्वास करता है। न्यायाधीश कभी किसी के खिलाफ पूर्वाग्रह नहीं रखते हैं। न्यायालय के आदेश से किसी को नुकसान नहीं होता। यह एक स्थापित सिद्धांत है।

एफआईआर की जांच करेगी एसआईटी

कोर्ट ने कहा कि एफआईआर की जांच एसआईटी को सौंपी जाएगी। याचिकाकर्ता को जांच में शामिल होने और पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया जाता है। इसके अधीन, अभी तक, उसकी गिरफ्तारी पर रोक रहेगी। हालांकि स्थापित कानून का पालन करते हुए, हम जांच की निगरानी नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन विशेष तथ्यों के आधार पर, हम एसआईटी को एक स्थिति रिपोर्ट के माध्यम से अपनी जांच के परिणाम पेश करने का निर्देश देते हैं। अगली सुनवाई 28 मई को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने तीन आईपीएस अफसरों की एसआईटी का गठन किया है, जो पूरे मामले की जांच करेगी। कोर्ट ने अपने आदेश में डीजीपी को एसआईटी का गठन करने का आदेश दिया। एसआईटी का नेतृत्व आईजी रैंक के अधिकारी करेंगे। इसमें एक महिला भी शामिल होगी।

ब्रीफ न्यूज

पाकिस्तान ने गोल्डन टेंपल को निशाना बनाया था

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान ने अमृतसर के गोल्डन टेंपल पर निशाना बनाकर मिसाइल दागी थी। इसे भारतीय एयर डिफेंस ने नाकाम कर दिया था। सेना के जवानों ने पंजाब में मार गिराए गए पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइल का मलबा भी दिखाया। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना ने एक और नया वीडियो जारी किया।

नेतन्याहू ने की गाजा पर पूर्ण नियंत्रण की घोषणा

इजरायल। इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ सैन्य अभियानों के बीच गाजा पट्टी पर पूरी तरह से नियंत्रण की घोषणा कर दी है। एक वीडियो में नेतन्याहू ने कहा कि लड़ाई तीव्र है। हम प्रगति कर रहे हैं। हम गाजा के पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण करेंगे। हम हार नहीं मानेंगे। उनके बयान ऐसे समय में आए हैं। गाजा में सैन्य हमलों के बीच मानवीय स्थिति चिंताजनक हो गई है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर

नई दिल्ली। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर डिटेक्ट हुआ है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करके बाइडेन के स्वास्थ्य को लेकर गहरी चिंता जताई है। पीएम मोदी यह टिप्पणी तब आई जब बाइडेन के कार्यालय ने इस बात की जानकारी दी है। इसमें जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर का आक्रामक रूप है।

जज कैश केस पर कल होगी सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली। घर से कैश बरामद होने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लिस्टेड करने के लिए कहा है। सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने सोमवार को कहा कि याचिका की खामियां दूर होने पर बुधवार को सुनवाई की जाएगी।

मुंबई-गोवा हाईवे पर कार हादसे में पांच की मौत

मुंबई। मुंबई-गोवा हाईवे पर एक कार जगबुडी नदी में जा गिरी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। कार चालक गंभीर रूप से घायल है। ये लोग मुंबई से देवरुख जा रहे थे। कार की स्पीड काफी ज्यादा थी। चालक ने कंट्रोल खो दिया, जिससे हादसा हुआ।

हैदराबाद में आईएसआई के दो आतंकी गिरफ्तार

दोनों बम धमाके की बना रहे थे योजना, बड़ी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद

एजेंसी ■ हैदराबाद

हैदराबाद में आतंकी संगठन आईएसआई से जुड़े दो आतंकवादी गिरफ्तार किए गए हैं। इन पर बम धमाके की साजिश रचने का आरोप है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना पुलिस ने दोनों को पकड़ा और बम ब्लास्ट होने से बचा लिया। आतंकियों की पहचान सिराज उर रहमान (29) और सैयद समीर (28) के रूप में हुई है। दोनों को सऊदी अरब में एक्टिव आईएसआईएस मॉड्यूल से निर्देश मिल रहे थे, जो हैदराबाद में हमला करवाना चाहता था। पुलिस को इनके पास से अमोनिया, सल्फर और एल्युमिनियम पाउडर जैसे विस्फोटक सामान मिले हैं। सिराज ने विस्फोटक सामग्री विजयनगरम से जुटाई थी। आतंकियों से पूछताछ जारी है। सबसे पहले सिराज को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सिराज ने समीर का नाम बताया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हैदराबाद से पकड़ा।

अब आतंकी कनेक्शन में पूछताछ होगी

एनआईए की हिरासत में पाक की जासूस ज्योति

इधर, पाक के लिए जासूसी के आरोप में अरेस्ट यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को एनआईए ने हिरासत में ले लिया है। एनआईए की टीम सोमवार को ज्योति से पूछताछ करने हिसार पहुंची थी। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर चंडीगढ़ ले गई। अब ज्योति से टेरर लिंक को लेकर पूछताछ की जाएगी। इससे पहले यूट्यूबर ज्योति का इंस्टाग्राम अकाउंट बैन कर दिया गया। पुलिस की जांच में यह भी पता चला है कि ज्योति पहलगाम हमले से पहले कश्मीर गई थी। वह पहलगाम, गुलमर्ग, डल लेक, लद्दाख की पैंगॉन्ग लेक तक गई थी।

भगोड़े नीरव मोदी की 10वीं बार जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। देश के पंजाब नेशनल बैंक में एक अरब डॉलर का फर्जीवाड़ा कर फरार होने वाले नीरव मोदी की जमानत याचिका यूके के हाई कोर्ट ने 10वीं बाद खारिज कर दी है। नीरव मोदी को ब्रिटेन में साल 2019 में हिरासत में लिया गया था। तब से लेकर अब तक वह 10 बार जमानत हासिल करने के लिए कोर्ट में याचिका दाखिल कर चुका है। ईडी ने एक आधिकारिक पोस्ट में बताया कि यूके हाई कोर्ट ने नीरव मोदी की याचिका पर सुनवाई करते हुए धोखाधड़ी के मास्टरमाइंड नीरव मोदी को जमानत देने से एक बार फिर इंकार कर दिया है। इस सप्ताह की शुरुआत में सीबीआई ने भी अदालत के फैसले की पुष्टि करते हुए एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की थी। इसमें बताया गया था कि नीरव मोदी की जमानत याचिका को लंदन के किंग्स बेंच डिवीजन ने खारिज कर दिया है।

एक बार फिर ब्रिटिश कोर्ट से लगा झटका

मुरादाबाद में डेढ़ करोड़ के बंद हो चुके पुराने नोट बरामद

सिपाही समेत तीन अरेस्ट, इसमें एक दिव्यांग भी

एजेंसी ■ मुरादाबाद

डिलारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार तड़के चेकिंग के दौरान डेढ़ करोड़ के पुराने और बंद नोटों के साथ तीन को गिरफ्तार किया। यह रकम कार की डिग्गी में दो बोरियों में भरकर ले जाई जा रही थी। तीन आरोपी फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों में यूपी पुलिस का एक सिपाही भी शामिल है। वह लंबे समय से ड्यूटी से गैरहाजिर था। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि तड़के तीन बजे वाहनों की चेकिंग के दौरान हमने एक कार को रोका। तलाशी में कार की डिग्गी से

दो बोरियों में बंद 500 और 1000 के कुल 22,017 नोट बरामद हुए। उनकी कीमत एक करोड़ 49 लाख 99 हजार रुपए है। मौके से पुलिस ने मोहम्मद यासीन पुत्र फिरासत अली और मोहम्मद रियाज पुत्र रफीक अहमद (निवासी अहमदनगर अहमदाबाद, मदारी की मंडैया, थाना टांडा, जिला रामपुर) और विक्की गौतम पुत्र जगदीश सिंह (निवासी जलीलपुर बैटल, अमरोहा देहात, जनपद अमरोहा) को गिरफ्तार किया है।

भोपाल आएंगे नमो...अहिल्याबाई पर जारी करेंगे डाक टिकट और सिक्का

सीएम बोले- पीएम 31 मई को महिला सम्मेलन को करेंगे संबोधित

- खास: मंच से लेकर ट्रैफिक और सुरक्षा तक का जिम्मा महिलाएं ही संभालेंगी
- लोकमाता अहिल्या बाई के 300वें जयंती वर्ष को समर्पित होगा सम्मेलन
- महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित सम्मेलन में एक लाख महिलाएं होंगी शामिल

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पीएम नरेंद्र मोदी 31 मई को भोपाल आएंगे। महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती के मौके पर जंबूरी मैदान में महिला सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में एक लाख महिलाएं शामिल होंगी। सम्मेलन में पीएम मोदी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित एक विशेष डाक टिकट और सिक्के का विमोचन करेंगे। पीएम के भोपाल दौरे को देखते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में बैठक की। सम्मेलन की खास बात यह होगी कि पूरी व्यवस्था महिलाओं के हाथों में होगी। मंच संचालन से लेकर भीड़ प्रबंधन, ट्रैफिक और सुरक्षा तक का जिम्मा महिलाएं ही संभालेंगी। सीएम ने कहा कि यह कदम महिला सशक्तिकरण की एक मजबूत मिसाल बनेगा।

सम्मेलन में ये होगा

- महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं और उपलब्धियों की झलक सम्मेलन में दिखाई जाएगी।
- स्व सहायता समूहों की ओर से स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें स्टार्टअप, उद्योग, नवाचार, सेव सिटी की पहल दिखाई जाएंगी।

बेंगलुरु में आफत की बारिश-डूब गईं गाड़ियां और घरों में घुस गया पानी

मौसम विभाग ने बेंगलुरु में जारी किया बारिश का यलो अलर्ट

- महादेवपुरा इलाके में दीवार गिरने से एक महिला की मौत
- जयपुर में आईपीएल देखने पहुंचे दर्शक गर्मी के चलते लौटे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बेंगलुरु में रविवार देर रात को तेज बारिश हुई। यहां 110 मिमी से ज्यादा बारिश होने से सड़कों और घरों में पानी भर गया। कई इलाकों में गाड़ियां डूब गईं और वाटर लॉगिंग वाले इलाकों से लोगों को रेस्क्यू करना पड़ा। बेंगलुरु के महादेवपुरा इलाके में दीवार गिरने से 35 साल की महिला की मौत हो गई है। रेस्क्यू टीम ने बताया कि बीती रात की भारी बारिश के बाद दीवार की नींव कमजोर हो गई, जिससे हादसा हुआ। मौसम विभाग ने बेंगलुरु में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

एमपी में लू का अलर्ट

राजस्थान में तेज गर्मी का दौर जारी है। जयपुर आईपीएल मैच देखने पहुंचे दर्शक गर्मी की वजह से लौट गए। वहीं, मध्य प्रदेश में लू का अलर्ट जारी किया गया है।

चिंता

बढ़ा कोरोना, सिंगापुर में 14 हजार-हांगकांग में 30 गुना बढ़ा संक्रमण, चीन, हॉन्गकॉन्ग-थाइलैंड में अलर्ट, महाराष्ट्र में भी एक केस मिला

कोरोना रिटर्न! हांगकांग-सिंगापुर से लेकर थाईलैंड तक हड़कंप

एजेंसी ■ सिंगापुर

एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इन देशों में नए मामलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं। अप्रैल के आखिरी हफ्ते तक ये संख्या 11,100 थी। यहां मामलों में 28 फीसदी इजाफा हुआ है। हॉन्गकॉन्ग में जनवरी से अब तक 81 केस सामने आए हैं। इनमें से 30 की मौत हो चुकी है। चीन और थाईलैंड में भी अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, यहां मरीजों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस बार संक्रमण के लिए ओमिक्रोन के नए वेरिएंट जेएन 1 और उसके सब-वेरिएंट्स एलएफ 7 और एनबी1.8 को जिम्मेदार माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह लगे कि ये नए वेरिएंट पहले से ज्यादा खतरनाक या तेजी से फैलने वाले हैं। हालांकि, उनका मानना है कि यह लहर कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों पर अपना असर दिखा सकती है।

वायरस के मामले दोगुने

चीन-थाईलैंड में भी कोविड को लेकर सरकार अलर्ट पर हैं। चीन में बीमारियों की जांच करवाने जा रहे मरीजों में कोरोना वायरस पाए जाने के मामले दोगुने हो गए हैं। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज हो सकती है। वहीं, थाइलैंड में दो अलग-अलग इलाकों मे तेजी से कोविड केस बढ़ने का मामले आए हैं।

मुंबई: वैक्सिनेशन लेने वाली पहली अभिनेत्री शिल्पा कोरोना संक्रमित

इधर, मुंबई में अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर कोरोना संक्रमित हो गई हैं। उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी। शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर लिखा-मेरा कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है। आप सभी सुरक्षित रहें और मास्क पहने। इस पोस्ट के बाद फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं। गौरतलब है कि शिल्पा शिरोडकर वैक्सिनेशन लेने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई थीं। इसकी जानकारी शिल्पा ने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर दी थी।

ब्रीफ न्यूज

नाना साहेब पेशवा का संघर्ष इतिहास का स्वर्णिम अध्याय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और कुशल नेतृत्वकर्ता पेशवा बालाजी बाजीराव नाना साहेब की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा कि नाना साहेब पेशवा शौर्य और साहस के पर्याय थे। 1857 के पहले स्वाधीनता संग्राम में ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध उनका अदम्य साहस से ओतप्रोत संघर्ष भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। नाना साहेब पेशवा ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अगाध देशभक्ति, वीरता एवं संघर्ष का परिचय दिया था। उनके जीवनकाल से मिली प्रेरणा हर भारतवासी के हृदय में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना का संचार करती है।

सीएम ने पूर्व राष्ट्रपति रेड्डी की जयंती पर किया पुण्य स्मरण

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. संजीव रेड्डी एक कुशल राजनेता थे, जिन्होंने भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्होंने अपने जीवनकाल में विभिन्न पदों पर रहते हुए राष्ट्र के पुनर्निर्माण और जनसेवा के प्रति समर्पण भाव से उल्लेखनीय योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुचिता, सादगी और कर्तव्य-निष्ठा के मूल्य और आदर्श स्थापित करने वाले स्व. संजीव रेड्डी सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

सीएम ने जमशेदजी टाटा की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत में औद्योगिक क्रांति के अग्रदूत एवं टाटा समूह के संस्थापक स्व. जमशेदजी टाटा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा कि वह न सिर्फ एक सफल उद्यमी थे, बल्कि वह महान स्वप्नद्रष्टा और राष्ट्र-निर्माता भी थे। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर और प्रगतिशील बनाने की दिशा में मजबूत नींव रखी। सीएम ने कहा कि जमशेदजी ने हमेशा विज्ञान, उद्योग और मानवता को एक साथ जोड़कर देखा। उनका विजन एवं आदर्श हर काल में देशवासियों के लिए प्रासंगिक और प्रेरणादायक रहेंगे।

मदरसा बोर्ड शिक्षा सत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन 23 से

भोपाल। राज्य मदरसा बोर्ड द्वारा शिक्षा सत्र 2025-26 में मदरसा मान्यता नवीनीकरण के ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा एमपी ऑनलाइन के अधिकृत पोर्टल पर 23 मई से 30 जून 2025 तक के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें वर्ष 2025 तक मान्यता प्राप्त सामान्य मदरसों के अतिरिक्त वर्ष 2022 तक मान्यता प्राप्त मदरसों के लिए यह अंतिम अवसर है। इसके बाद ऐसे मदरसों की मान्यता नवीनीकरण के ऑनलाइन आवेदन करने की पात्रता समाप्त कर दी जायेगी। ऑनलाइन आवेदन से संबंधित आवश्यक सर्कुलर एवं अभिलेखों की विस्तृत जानकारी मदरसा बोर्ड की अधिकृत वेबसाइट पर एवं एमपी ऑनलाइन के पोर्टल पर मदरसा-बोर्ड पेज पर उपलब्ध कराई गई है।

विभागीय सक्रियता की कमी से निर्माण कार्यों में देरी स्वीकार नहीं: शुक्ल

15वें वित्त आयोग और पीएम-अभीम के कार्यों को प्राथमिकता से करें पूरा

सत्ता सुधार ■ भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि निर्माण एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करें और अंतर्विभागीय समन्वय से संबंधित विषयों को तत्काल रेखांकित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन स्थलों पर निर्माण एजेंसियों को भूमि उपलब्ध नहीं कराई गई है अथवा अन्य कोई प्रशासनिक विभागीय अवरोध या असमंजस की स्थिति है, उसकी स्थिति उच्च अधिकारियों को तुरंत अवगत कराई जाए, ताकि उनका प्राथमिकता से निराकरण कार्य को गति दी जा सके।

उप मुख्यमंत्री ने सामंजस्य एवं विभागीय सक्रियता की कमी से कार्यों में विलंब पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण करना स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए जरूरी है। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) द्वारा किए जा रहे स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अधोसंरचना विकास कार्यों की गहन समीक्षा की।

शुक्ल ने कहा कि किए गए कार्यों का समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए। भुगतान में विलंब से कार्य की गति प्रभावित होती है और यह विभागीय उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी स्वयं मैदानी निरीक्षण कर कार्यों की सघन मॉनिटरिंग करें तथा 15वें वित्त आयोग और पीएम-अभीम योजना के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट सीट अपग्रेडेशन, सीसीबी सहित सभी

अधोसंरचना विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की एवं स्पष्ट निर्देश दिए कि बजट का योजनाबद्ध उपयोग सुनिश्चित किया जाए, और उपकरण एवं फर्नीचर की खरीदी का कार्य समानांतर रूप से किया जाए। जिससे निर्माण कार्य पूर्ण होने और सेवा प्रदाय में विलम्ब न हो।

स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण में हडको देगा सहयोग

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से मंत्रालय में हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजय कुलश्रेष्ठ ने सौजन्य भेंट की। प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, वर्तमान में संचालित अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों की अधोसंरचना के उन्नयन और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। हडको चेयरमैन श्री कुलश्रेष्ठ ने इन परियोजनाओं के लिए ऋण सहायता प्रदान करने एवं तकनीकी परामर्श देने की इच्छा व्यक्त की। शुक्ल ने कहा कि हडको की प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण के प्रयासों में यह सहभागिता महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को समर्पित थीं देवी अहिल्या बाई होल्कर

- लोकमाता के कार्यों के विस्तार और विचारों पर शोध जरूरी
- सम्पूर्ण जंयती वर्ष में हों लोकमाता पर केन्द्रित गतिविधियां

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर ने सुशासन, क्षेत्रीय विकास और न्याय प्रबंधन के अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किए। उनके द्वारा जनसामान्य के कल्याण और महिलाओं के स्वावलम्बन के लिए गए कार्य अनुकरणीय हैं। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर ने देश भर में धर्म और संस्कृति के उत्थान के कार्यों के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की दिशा में कार्य किया। उनके इस सपने को साकार करने के लिए लोकमाता के 300 वें जयंती समारोह के अंतर्गत वर्ष इन विषयों पर केंद्रित गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती के आयोजन के लिए गठित समारोह समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के अवदान पर अध्ययन और शोध को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न राज्यों में देवी अहिल्या द्वारा निर्मित मंदिरों, पूजा घरों, धर्मशालाओं और अन्य सामुदायिक उपयोग की संरचनाओं के रख-रखाव के लिए संबंधित राज्य सरकारों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। समत्व भवन में हुई बैठक में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या द्वारा निर्मित देव स्थानों में धार्मिक स्वरूप की गतिविधियों के निरंतर आयोजन के लिए भी आवश्यक व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के महाराष्ट्र स्थित मूल गांव चौड़ी में विशेष दल भेजकर आवश्यक जानकारियों का एकत्रिकरण कराया जाए। प्रदेश के विभिन्न भागों में अहिल्या यात्रा के आयोजन, शाला व महाविद्यालय स्तर पर देवी अहिल्या पर केन्द्रित शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में जानकारी दी गई कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई के त्रिशताब्दी समारोह का मुख्य कार्यक्रम 31 मई को भोपाल में होगा। महिला सशक्तिकरण पर केन्द्रित इस कार्यक्रम में लगभग एक लाख प्रतिभागियों की उपस्थिति अपेक्षित है। कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से लोकमाता देवी अहिल्या को समर्पित डाक टिकट और सिक्के का लोकार्पण भी प्रस्तावित है। बैठक में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति शिव शेखर शुक्ला, समिति की सदस्य मेघा पवार तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सीएम ने हाथियों के हमले में ग्रामीणों की मौत पर जताया दुःख

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शहडोल जिले में तेंदूपत्ता तोड़ने गए ग्रामीणों पर हाथियों के हमले में 3 ग्रामीणों की मृत्यु पर गहन दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर कहा कि घटना अत्यंत पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। सीएम ने प्रत्येक मृतक के वैध आश्रित को 25-25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिजन के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

जल से ही जीवन है, जल की रक्षा हम सबका दायित्व: मंत्री उइके

24 लाख के अमृत सरोवर का किया भूमि-पूजन

सत्ता सुधार ■ भोपाल

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री संपतिया उइके ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत खिरवा में 24 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले अमृत सरोवर का भूमि-पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने जल संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह ने की, सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

मंत्री उईके ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और आने वाले समय में जल की उपलब्धता तभी संभव है जब समाज इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि जल स्तर में लगातार गिरावट चिंताजनक है और इसके समाधान के लिए समुदाय को अपने-अपने क्षेत्र के पारंपरिक जल स्रोतों की पहचान कर उनके संरक्षण, साफ-सफाई और जीर्णोद्धार की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल गंगा संवर्धन अभियान में बनाए जा रहे अमृत सरोवर जैसे प्रयास न केवल जल संचय को बढ़ावा देंगे, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और जल-आधारित कृषि के लिए भी उपयोगी सिद्ध होंगे।

जल स्रोतों का हो रहा पुनर्जीवन

राज्य मंत्री राधा सिंह ने कहा कि सिंगरौली जिले में तालाबों, नदियों, कुओं और बावड़ियों जैसे परंपरागत जल स्त्रोतों की पहचान कर उन्हें पुनर्जीवित किया जा रहा है। साथ ही खेत-तालाब और अमृत सरोवर जैसी योजनाओं के माध्यम से जल संचयन की दीर्घकालिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल के संरक्षण के लिये सोक-पिट और बोरी-बंधन जैसे उपायों को अपनाना आवश्यक है, जिसके लिए जन-जागरूकता अनिवार्य है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरविन्द कैंगे का निधन, कांग्रेसजन ने दी श्रद्धांजलि

सत्ता सुधार ■ भोपाल/ग्वालियर

जिला कांग्रेस ग्वालियर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, थोक उपभोक्ता सहकारी भण्डार ग्वालियर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष 86 साल के अरविन्द कैंगे का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम में पार्टी का ध्वज कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा द्वारा उनके पार्थिक शरीर पर चढ़ाकर किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री भगवान सिंह यादव, कार्यवाहक अध्यक्ष महाराजसिंह पटेल, जिला महामंत्री दिनेश पाण्डे (पटटू), मनोज श्रीवास्तव, पूर्व पार्षदगण आनन्द शर्मा, धर्मेन्द्र कुशवाह, सुधीर गुप्ता, बलराम ढ़ीगरा, एवं वरिष्ठ अभिभाषकगण दीपक खोत, पीडी अग्रवाल, रवीन्द्र सर्वेटे, एमएम कुरैशी, संजय सिंह यादव एवं डॉ. एसएस जादौन, पत्रकारगण सतेन्द्रसिंह रईखेड़ा, अयूब खां ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं गजेन्द्र अष्ठाना, अमरसिंह घासमण्डी, सुरेन्द्र यादव, मोहित यादव, संजय शर्मा महलगांव, शरद यादव, श्याम सुन्दर श्रीवास्तव, अमर कुटे, मोनू सोलंकी, भईयालाल भटनागर, सुरोचित बोहरे (सुररू), नितिन बालम्बे, राजेश बावू, शिवचरण सिमोल, नत्थासिंह यादव, पंकज नाफडे, संजीव जयन्त, ईशान अवस्थी, रमेश भारती, नरेन्द्र चौहान, नीरज यादव, कुलदीप यादव, दिनेश जायसवाल, मोहित यादव, जीवाजीराव मन्डोले, राजेश तिवारी मस्तूरा, मोनू पाल, विजय सक्सेना, मोनू शुक्ला, संजय फरथरे, कैलाश चावला, राजेंद्र यादव, ओपी साहू, रामलखन सेन, सिद्धार्थ सिंह यादव, हमीद खां और सर्वश्री उदय कैंगे, शैलेन्द्र कैंगे, शैलेष कैंगे, अशोक कैंगे ने श्रद्धांजली अर्पित की।

जन सहयोग से जल गंगा संवर्धन अभियान बन रहा जन-आंदोलन

भोपाल। जल संरक्षण के प्रति प्रदेश सरकार के संकल्प को मूर्तरूप देते हुए कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत राजगढ़ जिले के सारंगपुर के ग्राम मगराना में काई नदी के गहरीकरण एवं स्वच्छता कार्य में श्रमदान किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रमदान कर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और जन-अभियान परिषद के सदस्यों के साथ जल स्त्रोतों की संरक्षा के प्रति सामाजिक चेतना बढाने का संदेश दिया। मंत्री टेटवाल ने कहा कि जल संरक्षण कोई एक दिवसीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक प्रयासों से संचालित होने वाला दीर्घकालिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणजन इस अभियान में सक्रिय सहभागिता कर रहे हैं। इससे यह अभियान एक महा-अभियान का स्वरूप ले चुका है। नदी तट पर श्रमदान के उपरांत उन्होंने उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जल गंगा अभियान का उद्देश्य केवल सफाई या गाद निकासी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अभियान प्रकृति के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी को समझने और निभाने का माध्यम है।

मंत्री टेटवाल ने नदी गहरीकरण कार्य में किया श्रमदान

प्रदेश के कृषकों ने कूप रिचार्ज पिट को बनवाने में भी दिखाई जागरूकता

कुओं के रिचार्ज से भू-जलस्तर बढ़ेगा सिंचाई व पीने का मिलेगा पानी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

पीएम नरेंद्र मोदी के ज्ञान अभियान को मजबूती देने एवं प्रकृति, पर्यावरण व जल संरक्षण की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार मिशन के रूप में कार्य कर रही है। प्रदेश में सीएम डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान जारी है। अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत प्रदेश के 1 लाख कुओं को बारिश के पानी से रिचार्ज करने का लक्ष्य तय किया है। कुओं के पास कूप रिचार्ज पिट बनाये जा रहे हैं। कूप रिचार्ज पिट को बनवाने में प्रदेश के कृषकों ने भी जागरूकता दिखाई है। कुओं के रिचार्ज होने से भू-जलस्तर बढ़ेगा, साथ ही कृषकों को सिंचाई व पीने के लिए पर्याप्त पानी भी उपलब्ध होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रदेश में 1 लाख 3 हजार कुओं को रिचार्ज करने का लक्ष्य तय किया है। इसमें से 75 हजार से अधिक कुओं के पास कूप रिचार्ज पिट बनाने का कार्य शुरू हो गया है। खंडवा जिले में कूप रिचार्ज पिट बनाने को लेकर दिए गए लक्ष्य से अधिक का निर्माण कर दिया गया है। कूप रिचार्ज पिट बन जाने से भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। साथ ही गर्मियों में कुओं के सूखने की संभावना भी कम हो जाएगी। कूप रिचार्ज पिट बनाने के लिए एक खास संरचना तैयार की गई है। जिसमें पत्थर और मोटी रेत की परतें होंगी। पिट का निर्माण कुएं से 3 से 6 मीटर की दूरी पर किया जाएगा। इसके लिए 3 मीटर लंबा, 3 मीटर चौड़ा और 8 मीटर गहर गड्?ढ़ा खोदा जा रहा है। गड्ढे में 8 इंच का पाइप डालकर इसे कुएं के अंदर डाला जाएगा। फिर कुएं में पाइप के छोर पर एल्बो लगाकर 1 फिट का पाइप नीचे की तरफ लगाया जाएगा। इसके बाद पाइपलाइन के जरिए कुएं तक पहुंचाया जाएगा।

हो रहा पुराने जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार

जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक जारी रहेगा। अभियान में बारिश के पानी को सहेजने व पुराने जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार करने का कार्य किया जा रहा है। तीन माह तक चलने वाले इस अभियान के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बारिश के पानी का संयचन करने व पुराने जल स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में खेत-तालाब, कूप रिचार्ज पिट, चैक, डैम, अमृत सरोवर सहित अन्य कार्य किए जा रहे हैं।

हमला | मंत्री शाह के मामले में कोर्ट के फैसले का कांग्रेस ने किया स्वागत

भाजपा सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानती है तो तुरंत इस्तीफा ले: सिंघार

सत्ता सुधार ■ भोपाल

मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह को सुप्रीम कोर्ट ने सेना अधिकारी पर विवादित बयान देने के मामले में फटकार लगाई है। इस मामले पर मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी शाह के बयान को अयोग्य मानकर अपना फैसला सुनाया, मगर भाजपा इसे योग्य मानती है और तभी अब तक चुप है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी इस देश की बेटी हैं, भारतीय सेना का गौरव हैं, और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्होंने विश्व मंच पर भारत का परचम लहराया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पूरा देश इस बयान की निंदा कर रहा है मगर भाजपा फिर भी कोई कार्रवाई नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि कोर्ट जाग गया, लेकिन सरकार नहीं जगी। दिल्ली और मध्य प्रदेश की सरकार को लगता है कि ये कृत्य योग्य है। अगर भाजपा सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानती है तो तुरंत इस्तीफा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा अब खुद को सेना और जनभावना से भी ऊपर समझने लगी है।

जब तक इस्तीफा नहीं देते आंदोलन जारी रहेगा

उमंग सिंघार ने आगे कहा कि मंत्री पद से विजय शाह जब तक इस्तीफा नहीं देते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आम व्यक्ति पर केस दर्ज होते ही उसके घर परिवार को पुलिस उठा लेती है जबकि आरोपी मंत्री को सरकारी संरक्षण मिल रहा है। मंत्री विजय शाह कहां हैं, सरकार की इंटेलिजेंस को पता है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा में नैतिकता बची है तो सरकार को तत्काल विजय शाह से इस्तीफा लेना चाहिए।

भाजपा का दोहरा चरित्र उजागर: पटवारी

जीतू पटवारी ने कहा कि जब बात राष्ट्रवाद और सेना के सम्मान की आती है, तो भाजपा बड़े-बड़े दावे करती है। लेकिन जब उनके ही मंत्री भारतीय सेना की एक वीरांगना का अपमान करते हैं, तो उनकी चुप्पी उनके राष्ट्रवाद के खोखलेपन को उजागर करती है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने विजय शाह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। क्या भाजपा अपने इस बदजुबान नेता को तब तक मंत्रिमंडल में बनाए रखेगी, जब तक सुप्रीम कोर्ट इसका आदेश न दे यह सवाल आज हर देशवासी के मन में है।

अतिथि शिक्षकों की जानकारी अद्यतन की समय-सारणी जारी

सत्ता सुधार ■ भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षक पोर्टल (जीएफएमएस) पर आवेदकों को नवीन पंजीयन एवं पूर्व से पंजीकृत आवेदकों को अपनी शैक्षणिक और व्यावसायिक योग्यताओं की प्रविष्टि और संशोधन के निर्देश दिए थे। इस संदर्भ में लोक शिक्षण संचालनालय ने समय-सारणी जारी की है।

अतिथि शिक्षक एजुकेशन पोर्टल 3.0 के अंतर्गत जीएफएमएस पर नियत समय अवधि पर कार्यवाही करेंगे। अतिथि शिक्षक आवेदकों द्वारा अपनी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक योग्यता और मध्यप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा से संबंधित दस्तावेज 23 मई तक अपलोड कर सकेंगे। इसके साथ ही 23 मई तक ही आवेदक की जानकारी में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर ई-केवाईसी अनलॉक कर अपडेट कर सकेंगे। आवेदकों के पंजीयन में दर्ज जानकारी कर संकुल प्राचार्य द्वारा सत्यापन का कार्य 24 मई को किया जाएगा। पूर्व में पंजीकृत आवेदन में दर्ज मोबाईल नम्बर बंद हो जाने की स्थिति में मोबाईल नम्बर परिवर्तित करने का कार्य बीईओ और डीईओ के माध्यम से 23 मई को ही किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

जमीन विवाद को लेकर भाई ने भाई से मारपीट की, मामला दर्ज

खुरई (सागर)। शहर थाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार ऊधम सीग पिता बाबूलाल चढ़ार उम्र 50 वर्ष ने शिकायत दर्ज कराई है कि दोपहर करीब 3 बजे की बात है मेरे मकान का काम लगा है । तो मैं बजरी डाल रहा था तभी मेरा भाई नंदलाल मेरे हिस्से की जमीन में बल्ली गाड़ रहा था। तो मैंने भाई नंदलाल से बोला कि तुम अपने हिस्से की जमीन पर बल्ली गाड़ो मेरे हिस्से की जमीन पर नही, इसी बात पर से नंदलाल ने गालियां देने लगा। गालियां देने से मना किया तो मारपीट कर दी। साथ ही वह कह रहा था कि यदि थाना रिपोर्ट करने गया तो जान से खत्म कर दूंगा। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

पुलिस ने खेत में हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे 6 जुआरी पकड़े

खुरई (सागर)। खिमलासा थाना क्षेत्र के बसाहरी गांव के पास खेत में कुछ लोग हार जीत का दाव लगाते हुए हुआ खेल रहे हैं। टीम ने मुखबिर द्वारा बताएं स्थान पर पहुंचकर लोगों को पकड़ लिया। जिसमें रामकुमार पिता वीरसिंह कुर्की उम्र 38 साल , बाबूलाल पिता बल्ला बंजारा उम्र 25 साल , भैयान पिता बल्ला बंजारा उम्र 22 साल , चतरा बंजारा उम्र 60 साल, धैना पिता जैसा बंजारा उम्र 42 साल, मनीष पिता मिथलेश तिवारी उम्र 28 साल सभी निवासी बसाहरी टाडा शामिल रहे। मौके से करीब 3 हजार रुपए नगद रुपए और ताश के पत्ते जप्त किए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ़ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

जमीन विवाद को लेकर भाई ने भाई से मारपीट की, मामला दर्ज

खुरई (सागर)। शहर थाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार ऊधम सीग पिता बाबूलाल चढ़ार उम्र 50 वर्ष ने शिकायत दर्ज कराई है कि दोपहर करीब 3 बजे की बात है मेरे मकान का काम लगा है । तो मैं बजरी डाल रहा था तभी मेरा भाई नंदलाल मेरे हिस्से की जमीन में बल्ली गाड़ रहा था। तो मैंने भाई नंदलाल से बोला कि तुम अपने हिस्से की जमीन पर बल्ली गाड़ो मेरे हिस्से की जमीन पर नही, इसी बात पर से नंदलाल ने गालियां देने लगा। गालियां देने से मना किया तो मारपीट कर दी। साथ ही वह कह रहा था कि यदि थाना रिपोर्ट करने गया तो जान से खत्म कर दूंगा। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

पुलिस ने खेत में हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे 6 जुआरी पकड़े

खुरई (सागर)। खिमलासा थाना क्षेत्र के बसाहरी गांव के पास खेत में कुछ लोग हार जीत का दाव लगाते हुए हुआ खेल रहे हैं। टीम ने मुखबिर द्वारा बताएं स्थान पर पहुंचकर लोगों को पकड़ लिया। जिसमें रामकुमार पिता वीरसिंह कुर्की उम्र 38 साल , बाबूलाल पिता बल्ला बंजारा उम्र 25 साल , भैयान पिता बल्ला बंजारा उम्र 22 साल , चतरा बंजारा उम्र 60 साल, धैना पिता जैसा बंजारा उम्र 42 साल, मनीष पिता मिथलेश तिवारी उम्र 28 साल सभी निवासी बसाहरी टाडा शामिल रहे। मौके से करीब 3 हजार रुपए नगद रुपए और ताश के पत्ते जप्त किए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ़ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

हरित क्षेत्र में विकसित अवैध कॉलोनीयों में प्लॉट खरीदकर परेशानियों में न फसें नागरिक : निगमायुक्त

नगर पालिक निगम अंतर्गत अवैध कॉलोनी विकसित कर खण्ड-खण्ड प्लॉट बेचने पर शंकर लाल विश्वकर्मा और पार्टनर-एस आर सिंह जागृति बिल्डर्स को दिया गया नोटिस

सत्ता सुधार ■ सागर

कार्यालय नगर तथा ग्राम निवेश सागर के सागर विकास योजना 2035 अनुसार घोषित शहर के हरित क्षेत्र(ग्रीन बेल्ट) में अवैध रूप से विकसित की जा रहीं कॉलोनीयों में नागरिक भूखंड प्लॉट आदि न खरीदें।उक्त बात निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने शहर में अवैध रूप से कॉलोनीयों का निर्माण करने वालों को नोटिस जारी करते समय कहीं। क्योंकि अवैध कॉलोनी में मूलभूत सुविधाओं के आभाव के साथ ही नियमानुसार प्लॉट का क्रय विक्रय शून्य होने की समस्या का सामना प्लॉट खरीदने वालों को करना पड़ सकता है। नगर पालिक निगम द्वारा अम्बेडकर वार्ड निवासी शंकर लाल विश्वकर्मा पिता नन्हेलाल विश्वकर्मा और पार्टनर-एस आर सिंह जागृति बिल्डर्स को अवैध रूप से कॉलोनी विकसित कर खण्ड खण्ड प्लॉट बेचने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। शंकर लाल विश्वकर्मा द्वारा मौजा तिली माफ़ी, तहसील सागर नगर के खसरा क्रमांक 16/2(ह्य), 34(ह्य) में अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही है। इसी प्रकार पार्टनर-एस आर सिंह जागृति बिल्डर्स द्वारा ग्राम कनेरादेव मौजा तिली माफ़ी, सागर नगर जिला सागर के खसरा क्रमांक 216/1/1, 216/30, 216/31 एवं 216/31 में अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही है। कार्यालय नगर तथा ग्राम निवेश सागर के सागर विकास योजना 2035 अनुसार उक्त खसरा क्रमांक 16/2(ह्य), 34(ह्य) हरित क्षेत्र घोषित हैं। और हरित क्षेत्र में कॉलोनी विकसित करना मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के नियम 292 एवं म0प्र0 नगर पालिका (कॉलोनी विकास) के उपबंधों का स्पष्ट उल्लंघन है। हरित क्षेत्र में अवैध कॉलोनी विकसित करने का उक्त कृत्य मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के नियम 292(ग) के उपनियम(1),(2),(3) और (4) के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें उक्त अपराध के लिए 7 वर्ष तक के कारावास का प्रावधान है। साथ ही मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के नियम 292(ड) के उपनियम (2) के अंतर्गत उक्त अवैध कॉलोनी में भू-खण्डो का क्रय-विक्रय शून्य किया जा सकता है।नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने अवैध कॉलोनी निर्माण के उक्त कृत्य करने पर शंकर लाल विश्वकर्मा और एक अन्य कॉलोनी निर्माता पार्टनर-एस आर सिंह जागृति बिल्डर्स को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सभी संबंधित अवैधनिक विकास कार्य और प्लॉटों का क्रय-विक्रय तत्काल रोकने का आदेश दिया है साथ ही 15 दिन के अंदर कारण दर्शित करने का आदेश दिया।15 दिन में मय दस्तावेज और साक्ष्य के जबाब प्रस्तुत न करने की स्थिति में उक्त भूमि से समस्त अवैध निर्माण कार्य हटाने के साथ ही नगर पालिक निगम के सुसंगत प्रावधानों के तहत दाण्डिक कार्यवाही के लिए पुलिस एफआईआर दर्ज की जायेगी।

हरित क्षेत्र में अवैध विकास के साथ कॉलोनी विकास में ये पाई गई कमियाँ

शंकर लाल विश्वकर्मा और पार्टनर-एस आर सिंह जागृति बिल्डर्स द्वारा बिना कॉलोनाइजर का लाइसेंस लिए कॉलोनी विकास कार्य, बिना भूमि के व्यपर्तन, बिना ग्राम एवं नगर निवेश की अनुमति के, बिना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों एवं निम्न आय वर्गों के लिए भू-खण्डो/ भवनों का प्रावधान किये, बिना विकास अनुमति, बिना आश्रय शुल्क का भुगतान किये, रोड, नाली, सीवरेज, जलप्रदाय एवं विद्युत लाइन आदि बाह्य विकास कार्यों के बिना सहित भूमि का समतलीकरण, पुलिया निर्माण, प्रस्तावित मार्गों का सीमांकन, पार्क निर्माण, जल निकासी की व्यवस्था, जलप्रदाय व्यवस्था, आंतरिक सीवर लाइन, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट, आंतरिक विद्युत वितरण प्रणाली का विकास, ठोस अप्शिष्ट प्रबंधन, ओवर हेड टेंक, वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम आदि आंतरिक विकास कार्यों के बिना कृषि भूमि को खण्ड-खण्ड कर प्लॉट के रूप में विक्रय कर अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा है। इससे भविष्य में यहां प्लॉट लेकर मकान बनाने और रहने वाले रहवासियों को विभिन्न मूलभूत सुविधाओं और नागरिक सेवाओं में असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

बरौदिया कलां शराब दुकानः लूट और नियमों की अनदेखी का अड्डा

खुदरा मूल्य से अधिक वसूली, रैट लिस्ट गायब, अवैध सप्लाई जारी

सत्ता सुधार ■ बरौदिया कलां(सागर)

बरौदिया कलां स्थित सरकारी शराब दुकान इन दिनों न केवल सुरा प्रेमियों की जेबों पर डाका डाल रही है, बल्कि नियमों को भी ठेंगा दिखा रही है। ठेकेदार द्वारा देशी और विदेशी शराब की बिक्री निर्धारित खुदरा मूल्य से कहीं अधिक दामों पर की जा रही है, जिससे ग्राहकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि दुकान पर अनिवार्य रूप से चस्पा की जाने वाली रैट लिस्ट (मूल्य सूची) भी गायब है, जिससे ग्राहकों को ठगी का शिकार होना पड़ रहा है। इसके साथ ही, इस शराब दुकान से क्षेत्र में अवैध रूप से शराब की पेटियां भेजने का गोरखधंधा भी बदस्तूर जारी है। सूत्रों के अनुसार, बोलेरो जैसी गाड़ियों का इस्तेमाल कर रात के अंधेरे में यह अवैध सप्लाई धड़ल्ले से हो रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरौदिया कलां की इस शराब दुकान पर खुलेआम मनमानी चल रही है। हर प्रकार की शराब पर पांच से लेकर बीस रुपये तक अधिक वसूले जा रहे हैं। देशी शराब के पव्वे से लेकर महंगी विदेशी व्हिस्की तक, किसी को भी बख्शा नहीं जा रहा है। जब ग्राहक अधिक पैसे देने का विरोध करते हैं, तो उन्हें या तो खाली हाथ लौटना पड़ता है या फिर ठेकेदार के कर्मचारियों की बदसलूकी झेलनी पड़ती है।

एक पीड़ित ग्राहक ने बताया, ÷मैंने कल एक बोतल विदेशी शराब खरीदी। उस पर जो एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) लिखा था, उससे 30 रुपये ज्यादा लिए गए। जब मैंने रैट लिस्ट दिखाने को कहा तो उन्होंने कहा कि यहां कोई लिस्ट नहीं है, जो रेट है वही देना पड़ेगा। सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि नियमों के अनुसार, हर शराब दुकान पर शराब की कीमतों की सूची (रैट लिस्ट) स्पष्ट रूप से चस्पा होनी चाहिए, ताकि ग्राहकों को पता चल सके कि उन्हें किस शराब के लिए कितना पैसा देना है। लेकिन बरौदिया कलां की इस दुकान पर ऐसी कोई सूची दिखाई नहीं देती। यह सीधे तौर पर नियमों का उल्लंघन है और ग्राहकों को अंधेरे में रखकर उनसे मनमाना पैसा वसूलने की साजिश प्रतीत होती है।इसके अलावा, शराब दुकान से अवैध शराब की सप्लाई का मामला भी गंभीर बना हुआ है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, रात के समय और कभी-कभी दिन में भी बोलेरो गाड़ियों में शराब की पेटियां भरकर आसपास के गांवों में भेजी जाती हैं। यह गोरखधंधा किसके संरक्षण में चल रहा है और इस अवैध सप्लाई का नेटवर्क कितना बड़ा है, यह अभी तक रहस्य बना हुआ है। हालांकि, इस अवैध गतिविधि के कारण क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को बढ़ावा मिलने और कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय नागरिकों ने कई बार इस मनमानी और अवैध गतिविधियों की शिकायत आबकारी विभाग और स्थानीय प्रशासन से की है, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे शराब ठेकेदार और उसके कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं और वे खुलेआम नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं और ग्राहकों को लूट रहे हैं।

अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन और आबकारी विभाग इस गंभीर मामले पर कब जागते हैं और इस मनमानी पर लगाम लगाने के लिए क्या कदम उठाते हैं। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने मांग की है कि तत्काल एक टीम गठित कर इस शराब दुकान की जांच की जाए, ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और दुकान पर रैट लिस्ट चस्पा करवाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, अवैध शराब की सप्लाई के नेटवर्क का भी पर्दाफाश कर दोषियों को कानून के शिकंजे में कसा जाए, ताकि सुरा प्रेमियों को आर्थिक शोषण से बचाया जा सके और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनी रहे।

इनका कहना है-

टीमें काम कर रही हैं अगर अधिक दामों में शराब बेची जा रही है तो कार्यवाही होगी।

-शैलेन्द्र सिंह मार्को ,
प्रभारी आवकारी उपनिरीक्षक

नवीन जैन मन्दिर में आयोजित जिनदेशना बाल संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

सत्ता सुधार ■ खुरई(सागर)

ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों को नैतिक शिक्षा एवं धार्मिक संस्कारों से ओतप्रोत शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि से श्रीमती सोनाबाई श्राविकाश्रम के तत्त्वावधान में श्री देव पार्श्वनाथ दिगम्बर नवीन जैन मन्दिर में आयोजित जिनदेशना बाल संस्कार शिक्षण शिविर का समापन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में श्रीमंत धर्मेन्द्र सेठ विशिष्ट अतिथि जयेश मोदी, हर्षिल सेठ एवं विशेष आमंत्रण पर पधारे विद्वान पं. विराग शास्त्री जबलपुर, पं. अमित 'अरिहंत' उपस्थित रहे। बच्चों की कक्षाओं को संचालित करने पधारे विद्वान पं. मोहित शास्त्री (फुटेरा) एवं पं. आर्यन शास्त्री (मड़ावरा) भी मंचासीन रहे। 13 मई से संचालित सम्पूर्ण शिविर का प्रतिवेदन संयोजक प्रयंक शास्त्री के द्वारा प्रस्तुत किया गया। बालबोध भाग 1 में 45 बच्चों ने मौखिक एवं भाग 2 की लिखित परीक्षा में 35 बच्चों ने सहभागिता की। भाग 1 की परीक्षा में आरोही जैन प्रथम, रिद्धि जैन द्वितीय एवं पाखी जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, इसी क्रम में भाग 2 में अंशिका जैन ने प्रथम, यशस्वी जैन द्वितीय एवं राशि जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों की कक्षा के साथही संस्कृति को सुरक्षित करने की दृष्टि से जिनवाणी सज्जा प्रतियोगिता में नव्या जैन प्रथम, गुनगुन जैन द्वितीय एवं अंशिका जैन तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में पाखी जैन प्रथम, रिद्धि जैन द्वितीय एवं पार्श्वी जैन तृतीय स्थान पर रहीं। भेद-प्रभेद चार्ट प्रतियोगिता में यशस्वी जैन प्रथम, अंशिका जैन द्वितीय एवं नव्या जैन तृतीय स्थान पर रहीं। समापन समारोह में मेधावी बच्चों के साथही शिविर में सम्मिलित सभी बच्चों को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर धर्मेन्द्र सेठ ने शिविर को सफल बनाने हेतु सभी सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की एवं अभिभावकों के प्रति विशेष रुप से आभार व्यक्त किया। शिविरार्थी रचित जैन ने कहा कि हम लोगों ने यहां पाप, कषाय, भक्ष्य-अभक्ष्य के साथ-साथ देव-शास्त्र-गुरु के बारे में एवं दैनिक जिनेन्द्र पूजन के माध्यम से पूजन पद्धति को भी जाना । इस प्रकार के शिविरों का आयोजन प्रति वर्ष प्रत्येक नगर में होना चाहिए; जिससे कि हमारी आगामी पीढ़ी संस्कारित हो सके। शिविर में खुरई के अलावा दिल्ली, मुम्बई, करेली, टीकमगढ़ आदि नगरों के बच्चों ने भाग लिया।

शिविर में पाप, कषाय, भक्ष्य-अभक्ष्य के साथ देव-शास्त्र-गुरु के बारे में जानकारी दी

चकराघाट स्थित विट्ठल मंदिर के सामने हुई गंगा आरती में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालुगण

सत्ता सुधार ■ सागर

ऐतिहासिक लाखा बंजारा झील को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने व स्वच्छता के प्रति जन-जागरुकता लाने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त एवं स्मार्ट सिटी सह कार्यकारी निदेशक राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में प्रत्येक सोमवार को चकराघाट पर की जा रही गंगा आरती में बड़ी संख्या में शहर के विभिन्न वार्डों के नागरिकों ने उत्साह,श्रद्धा एवं भक्तिभाव से शामिल होकर धर्म लिया और गंगा आरती के आयोजन की सराहना की। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट सिटी सह कार्यकारी निदेशक एवं नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में चकराघाट पर किए गये सौन्दर्यीकरण के कार्यों के कारण यह ऐतिहासिक स्थल नागरिकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है तथा चकराघाट आने वाले नागरिक गंगा आरती में भी शामिल हो रहे हैं।

गंगा आरती में मुख्य यजमान बन सकते हैं नागरिकजन

गंगा आरती के अवसर पर शहर के जो भी सम्माननीय नागरिकजन यजमान बनना चाहते हैं वे गंगा आरती के 30 मिनट पहले आरती स्थल पर अंकित दीक्षित से चकराघाट पर संपर्क कर मुख्य यजमान बन सकते हैं।

पूर्व गृहमंत्री भूपेंद्र सिंह का जन्मदिन सामाजिक सरोकार का उदाहरण बना

सत्ता सुधार ■ सागर

पूर्व गृहमंत्री, वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान शिविर के अंतिम दिवस तक कुल 1612 यूनिट रक्तदान हुआ, दस वर्षों के रक्तदान शिविरों में संग्रहित कुल 13112 यूनिट ब्लड की संख्या को देखें तो मध्यप्रदेश तथा देश में किसी एक व्यक्ति के जन्मदिन पर हुए रक्तदान का रिकार्ड है। चार दिनों में इस रक्तदान शिविर में संग्रहीत कुल 1612 यूनिट रक्त मिलने से सागर जिला चिकित्सालय व बुंदेलखण्ड मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक की ब्लड रखने की क्षमता फुल हो गई, खुरई सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक में आवश्यकता से अधिक रक्त संग्रह हो गया और अतिरिक्त ब्लड की 507 यूनिट्स भोपाल के गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हमीदिया अस्पताल से आए विशेष ब्लड कलेक्शन वाहनों को मिलने से वहां के ब्लड बैंक की क्षमता भी लगभग पूर्ण हो गई। इन शासकीय ब्लड बैंकों की क्षमता पूरी हो जाने की स्थिति को देखते हुए रक्तदान शिविर का चौथे दिन ही समापन कर दिया गया और सैकड़ों रक्तदानियों को रक्तदान से वंचित रह जाना पड़ा। पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने रक्तदानियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विगत दस वर्षों में 13112 यूनिट रक्त दान करने वाले हमारे रक्तवीरों ने सिद्ध कर दिया कि समाज में रक्तदाताओं का अभाव नहीं है, सही पहल करने की आवश्यकता जरूरी है। सार्वजनिक जीवन में काम कर रहे लोग अपने जन्म दिन जैसे अवसरों का सदुपयोग मानव कल्याण के लिए सफलता पूर्वक किया जा सकता है।

पूर्व गृहमंत्री, वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह ने अपने संदेश में कहा कि एक मंच पर इतने रक्तदाताओं की उपस्थिति बताती है कि समाज में रक्तदान की स्वीकार्यता और जागरूकता के स्तर में वृद्धि की दृष्टि से हमारे रक्तदान शिविरों ने उल्लेखनीय योगदान किया है।

ब्लड बैंकों की क्षमता पूर्ण होने से चौथे दिन रक्तदान शिविर का समापन हुआ

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर 10 दिवसीय कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारी बैठक सम्पन्न

सत्ता सुधार ■ सागर

भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर 21 मई से 31 मई तक जिले में विभिन्न कार्यक्रम संपन्न होंगे। कार्यक्रमों के सफल एवं प्रभावी आयोजन हेतु संचालन टोलियों का गठन किया गया है जिनकी बैठक सोमवार को जिला संयोजक सुखदेव मिश्रा की अध्यक्षता एवं संभागीय कार्यालय मंत्री डॉ. वीरेंद्र पाठक की मुख्य उपस्थिति में आयोजित की गई बैठक में सभी दस दिवसीय कार्यक्रमों पर बिन्दुवार चर्चा हुई।बैठक को संबोधित करते हुए जिला संयोजक सुखदेव मिश्रा ने कहा की अहिल्याबाई का जन्म महाराष्ट्र में हुआ,लेकिन हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि उनका संपूर्ण जीवन मध्यप्रदेश में बीता। उन्होंने इंदौर व महेश्वर में शासन करते हुए राजमाता से लोकमाता बनकर पूरे देश के विभिन्न घाटों एवं ज्योतिर्लिंगों पर सांस्कृतिक गौरव यात्रा आगे बढ़ाया। देवी अहिल्याबाई का जो विचार था, उस विचार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकारें जमीन पर उतारने का काम कर रहीं हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सामाजिक सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमें देवी अहिल्याबाई होल्कर के सुशासन की विरासत, प्रेरणादायी जीवन एवं सांस्कृतिक उत्थान के कार्यों का जन-जन तक प्रचार करना है। भाजपा सरकारों के समावेशी सुशासन, महिला सशक्तिकरण, लोककल्याण के कार्यों एवं पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति व जनजाति के कल्याण की उपलब्धियों की जानकारी देना है। जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने बताया कि देवी अहिल्याबाई व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित प्रियदर्शनी के शुभारंभ के साथ 10 दिवसीय कार्यक्रम होंगे जिनमें देवी अहिल्याबाई के जीवन दर्शन पर चर्चा, विद्यालय महा विद्यालय विद्यार्थी संपर्क,महिला दौड़,नुक्कड़ नाटक,चित्रकला प्रतियोगिता,मंदिर स्वच्छता एवं जल गंगा आरती महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन, महिला वाहन रैली,बुनकर संपर्क एवं सम्मान,बुद्धिजीवी विचार संगोष्ठी एवं शोभायात्रा का आयोजन होगा।

संस्थापक पद्मविभूषण स्व. केएफ रूस्तमजी के जन्मदिन पर आयोजित होंगे कार्यक्रम

नए कोर्स के साथ आरजेआईटी नए आयाम परः डीआईजी एके आर्य

टेकनपुर/ ग्वालियर। ग्वालियर से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित बीएसएफ अकादमी द्वारा संचालित तकनीकी महाविद्यालय अब एआई, एमएल तथा डाटा साइंस जैसे नए कोर्स और तकनीकी शिक्षा में नए आयाम छूएगा। यहां बता दें कि उक्त संस्थान से पासआउट स्टूडेंट्स देश के प्रमुख मल्टी नेशनल और नेशनल संस्थानों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

ज्ञातव्य है कि मध्यप्रदेश में पैरा मिलिट्री फोर्स के बच्चों के लिए चलाये जा रहे रूस्तम जी प्रौद्योगिकी संस्थान आरजेआईटी अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर चुका है। संस्थान में पैरा मिलिट्री फोर्स में कार्यरत अधिकारियों- जवानों के बच्चों एवं शहीद की विधवाओं के बच्चों को सम्यक एवं अग्रणी तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं आगामी 22 मई को संस्थान के संस्थापक पदमविभूषण स्व श्री केएफ रूस्तमजी के जन्मदिन पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी आरजेआईटी के मुख्य प्रशासक डीआईजी एके आर्य ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए दी। उन्होंने बताया कि आरजेआईटी की शुरूआत सिर्फ तीन संकायों के साथ हुई थी, जिसमें अब विभिन्न संकायों में छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

डीआईजी आर्य ने बताया कि संस्थान में इस वर्ष से दो नई ब्रांचों को शुरू किया जा रहा है। जिसकी स्वीकृति अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से मिल चुकी है। इन दो नई ब्रांचों में बीटेक इन सीएसई आर्टीफिशियल इंटेंलीजेंस एंड मशीन लर्निंग तथा बीटेक इन सीएसई डाटा साइंस प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान का बीटेक इन ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग प्रमुखता से चल रहा है। वहीं छात्रों में इसकी मांग सबसे अधिक है। इसी के साथ इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, आईटी भी प्रमुखता से संचालित हैं। इसके साथ ही एमटेक स्नातकोत्तर स्तर पर ऑटो इंजीनियरिंग तथा कम्यूनिकेशन सिस्टम में तथा एमसीए के कोर्स भी संचालित हैं।

यह उपलब्धियां की हासिल

डीआईजी आर्य ने बताया कि संस्थान ने हाल ही में जो प्रमुख उपलब्धियां हासिल की हैं। उनमें टीम रोबोलूशन तथा एक बाल लान्चर विकसित किया है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर की रोबोटिक्स स्पर्धा में छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि हाल ही गबर्निंग बॉडी की बैठक में बीएसएफ के डीजी दलजीत सिंह ने कॅरियर काउंसलिंग केंद्र तथा एआई प्रयोगशाला का उद्घाटन किया है। वहीं फॉक्सवैगन द्वारा लगाई गई ऑडी लैब संस्थान के छात्रों को नियमित प्रशिक्षण देकर प्लेसमेंट असिस्टेंस उपलब्ध करा रही हे। इसके अलावा वहीं टाटा मोटर्स द्वारा भी केन्द्रीय मोटर प्रशिक्षण विद्यालय के एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र में आरजेआईटी के छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में हिडालको उद्योग द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी कार्यक्रम के तहत आरजेआईटी को बडी संख्या में आधुनिक कंप्यूटर, मैकेनिकल तथा ऑटोमोबाइल संकाय के छात्रों को प्लेसमेंट उपलब्ध कराने संस्था से एमओयू साइन किया गया है। बीएसएफ अकादमी के निदेशक डॉ. शमशेर सिंह के नेतृत्व में अन्य संस्थाओं से एमओयू प्रशिक्षण तथा स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत ख्यातिनाम संस्थानों से संपर्क किया गया है। पत्रकार वार्ता में कमांडेंट प्राचार्य मनीष चन्द्रा, रजिस्टार डॉ. उमाशंकर शर्मा, डॉ. चेतन पाठक, डॉ. गौरव सक्सैना, प्रो. केके गौतम आदि मौजूद थे।

कर्मचारी संघ ने सौगात देने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

मप्र राज्य कर्मचारी संघ ग्वालियर के जिला कार्यकारी अध्यक्ष एवं सह संयोजक बलवीर सिंह परमार ने गृह भाड़ा भत्ता में बढ़ोतरी, पदोन्नति शुरू करने, केंद्र के समान मंहगाई भत्ता एरियर प्रदान करने और अभी भोपाल में स्वास्थ्य बीमा लागू करने जैसी सौगात देने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि उक्त घोषणा कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के कर्मचारियों का मन जीत लिया है। राज्य कर्मचारी संघ के आग्रह पर दिए गए उक्त फायदे पर प्रदेश स्तर पर महामंत्री जितेंद्र सिंह, अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव और संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह भदौरिया द्वारा मुख्यमंत्री का अभिनंदन किए जाने पर ग्वालियर टीम ने हार्दिक आभार व्यक्त किया है। वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करने वालों में कार्यकारी अध्यक्ष एवं सह संयोजक बलवीर सिंह परमार के अलावा संयोजक सुनील कुमार आर्य, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, धनीराम कुशवाह प्रियदर्शी शर्मा, गणेश शंकर पचौरी समेत जिला टीम शामिल है।

मूर्ति के पक्षधर वकील भी बैठक में शामिल होने जबलपुर पहुंचे

ग्वालियर। उच्च न्यायालय ग्वालियर परिसर में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति स्थापना को लेकर विवाद चल रहा है। जिसे सुलझाने के लिए हाईकोर्ट की प्रिंसीपल बेंच जबलपुर में बैठक आयोजित की गई है, जिसमें शामिल होने के लिए मूर्ति के पक्षधर वकील भी जबलपुर पहुंच रहे हैं। उक्त जानकारी एडवोकेट विश्वजीत रतौनिया ने दी। उन्होंने बताया कि मूर्ति के पक्षकार वकीलों का सात सदस्यीय डेलिगेशन जबलपुर जा रहा है। जिसमें एड विश्वजीत रतौनिया, एड धर्मेंद्र कुशवाह, एड सरनाम सिंह कुशवाह (उपाध्यक्ष हाईकोर्ट बार ग्वालियर), एड राय सिंह, एड राकेश कौशल व एड आकाश वर्मा शामिल हैं।

हुतात्मा नाथूराम गोडसे की 115वीं जयंती पर हिमस ने किया माल्यार्पण

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

हिन्दू महासभा की जिला ग्वालियर इकाई द्वारा प्रदेश महामंत्री विनोद जोशी के मुख्य आतिथ्य में गोल पहाड़िया चौराहा पर देश के विभाजन का प्रतिकार करने वाले हुतात्मा नाथूराम गोडसे की 115वीं जयंती पर माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरण किया। इस मौके पर हिमस कार्यकर्ताओं ने अंबाला से आई पुकार वीर गोडसे जिंदाबाद के नारे लगाए। कार्यक्क्रम की अध्यक्षता संभागीय संगठन मंत्री मुकेश बघेल ने तथा आभार प्रदर्शन संभागीय महामंत्री मनोज जाटव ने किया। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष पवन गुप्ता, संभागीय महामंत्री मनोज जाटव, संभागीय संगठन मंत्री मुकेश बघेल, युवा जिलाध्यक्ष पवन माहौर, प्रखंड उपाध्यक्ष नीरज साहू, संभागीय उपाध्यक्ष लक्ष्मण बघेल, अखिल सक्सेना, आकाश पाल, रिंकू कुशवाहा, विनोद पाल, धर्मवीर राठौर, अशोक मौर्य, जयंत राठौर, राहुल पंडित, महेंद्र सिंह कुशवाहा, अखिलेश रजक, राहुल कुशवाहा, अजय गोलू कुशवाहा, शेखर प्रजापति, सुरेंद्र जाटव आदि मौजूद थे।

जय शिव महाकाल सेवा समिति द्वारा गरीब बस्तियों में स्वास्थ शिविर का आयोजन

ग्वालियर । जय शिव महाकाल सेवा समिति द्वारा झुग्गी झोंपड़ी बस्तियों में स्वास्थ शिविर लगाया गया। साथ ही स्वच्छता के प्रति जागरूकता अभियान भी शुरू किया गया, जिसके तहत आयोजन की शुरुआत करते हुए रेशम पुरा पहाड़ी पर बनी झुग्गी झोंपड़ी बस्ती में समिति कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर लोगों का स्वास्थ परीक्षण कराया एवं साफ-सफाई के प्रति उन्हें जागरूक किया। इस स्वास्थ शिविर में डॉक्टर अंशुल राजपूत ने स्वस्थ दिनचर्या ओर स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया । इस शिविर में पहुंचे गरीब लोगों के स्वास्थ का परीक्षण करने के उपरांत उचित दवाओं का वितरण किया गया । जिसमें मुख्य रूप से समिति (अध्यक्ष) पुष्पेंद्र सिंह तोमर,सदस्य कपिल शिवहरे, पप्पू खटीक,सौरव गुप्ता,फूल सिंह यादव,पिंटू राजपूत,भानु कौशिक,राजकुमार राय,संजू जादौन,जीतू बाथम, दीपक त्यागी,नीलू तोमर, आदि सदस्य सम्मिलित हुए।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों में फेरबदल

ग्वालियर। कार्य सुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों में किया फेरबदल। नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय के जारी आदेशानुसार श्री सुनील चौहान प्रभारी उपायुक्त एवं श्री हसीन अख्तर उपयंत्री कार्यरत नोडल अधिकारी विज्ञापन शाखा को विज्ञापन शाखा के दायित्वों से मुक्त किया जाता है तथा शेष कार्य यथावत रहेगें। इसके साथ ही श्री मदन मोहन पालिया, विनियमित कुशल कार्यरत विज्ञापन शाखा को विज्ञापन शाखा के समस्त दायित्वों से मुक्त किया जाता है। शेष कार्य यथावत रहेगें। साथ ही श्री अनूप लिटोरिया प्रभारी विधि अधिकारी को विज्ञापन शाखा अंतर्गत प्रकरणों की छानबीन एवं परीक्षण हेतु पदस्थ किया जाता है। नोडल अधिकारी विज्ञापन शाखा द्वारा समस्त प्रकरण श्री लिटोरिया के माध्यम से प्रस्तुत किये जावें। इसके साथ ही श्री अनिल चौहान उपयंत्री को विज्ञापन शाखा अंतर्गत नोडल अधिकारी का दायित्व वर्तमान कार्य के साथ साथ सौंपा जाता है।

ग्वालियर प्रेस क्लब का पत्रकार सम्मान समारोह- 2025 आयोजित

धर्म -आध्यात्म को आगे बढ़ाने में पत्रकारिता का महत्वपूर्ण रोलः कौशिक महाराज

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

ग्वालियर प्रेस क्लब द्वारा रविवार को देवर्षि नारद जयंती सह पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत देवर्षि स्तुति और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। ग्वालियर प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रदीप तोमर ने पत्रकारों के नामों की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य और देश हित में काम करने वाले पत्रकारों की पहचान कर उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। जिनमें वरिष्ठ पत्रकार, महिला पत्रकार और नए पत्रकार भी शामिल हैं।

इस अवसर पर आचार्य कौशिक जी महाराज ने कहा कि देवर्षि नारद तीनों लोकों में संवाद स्थापित करने वाले पहले पत्रकार थे। वे सकारात्मक संवाद के प्रतीक थे। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य यह जानना है कि कहां, क्या और कैसे बोलना है, यह समझ जरूरी है। उन्होंने कहा कि धर्म -आध्यात्म को आगे बढ़ाने में पत्रकारिता का महत्वपूर्ण रोल है, और यह कार्य ग्वालियर की मीडिया बड़े रूप में कर रही है। उन्होंने पत्रकारों को सीख देते हुए कहा कि कभी भी दबाव में काम ना करें, आम जन को न्याय दिलवाने के लिए भी काम करें। आचार्य कौशिक जी महाराज ने देश के वर्तमान हालातों पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत देश जैसा कोई नहीं था, ना कोई होने वाला है, वो समय बहुत जल्द आने वाला है जब पाकिस्तान और बांग्लादेश पुनः भारत के होंगे। वरिष्ठ पत्रकार और इतिहासकार डॉ. सुरेश सम्राट ने कहा कि वर्तमान समय में जिस तरह से सत्य और तथ्य को जाने बगैर सूचनाओं का आदान- प्रदान किया जा रहा है, ऐसे समय में देवर्षि नारद जी से पत्रकारों को सीख लेने की आवश्यकता है। जनसंपर्क विभाग के उप संचालक मधु सोलापुरकर ने कहा कि पत्रकारों का जीवन हमेशा संघर्ष से भरा रहा है, वो हमेशा फील्ड में काम करते हैं और ऐसे सम्मान समारोह से उनको अपने कार्य का आंकलन (सम्मान) मिलता है, ऐसे आयोजन होते रहना चाहिए। जनसंपर्क विभाग हमेशा पत्रकारों के साथ है। इस खास मौके पर ग्वालियर प्रेस क्लब ने मधु सोलापुरकर को भी विशेष रूप से सम्मानित किया। वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप मांढरे ने कहा कि प्रेरणादायक पत्रकारिता वही होती है जो समाज को दिशा दे, उसे जागरूक करें और रचनात्मक संवाद स्थापित करें। वरिष्ठ पत्रकार नासिर गौरी ने कहा कि आज सोशल मीडिया ने पत्रकारिता की दिशा और भविष्य को काफी प्रभावित किया है। युवाओं को इस क्षेत्र में सतर्क और जिम्मेदार होना चाहिए।

इनका हुआ सम्मान

अनिल शर्मा राज एक्सप्रेस, मनीष शर्मा राज एक्सप्रेस, कविता मांढरे ग्वालियर हलचल, श्याम श्रीवास्तव सत्ता सुधार, संजीव सिकरवार मध्यराज, अनिल गौर विस्तार न्यूज, प्रह्लाद सेन बीएस टीवी, सुमन सिकरवार चंबल वाणी, आईएनएच अजय उपाध्याय, हेम सिंह सिटी हलचल, राजकुमार कुशवाह आईबीसी 24, सविता तिवारी तेज एक्सप्रेस, राघव अग्रवाल, सोमेश शर्मा डिजिटल ग्वालियर, वरिष्ठ पत्रकार आनंद त्रिवेदी, शोभा यादव, गालिब खान, निहारिका सिंह, आरजे कल्पना पाठक, आरजे प्रिया शिंदे गूंज मीडिया हाउस, अशोक सोनी, दिव्यांनंद अर्गल, कपिल गोयल अनादि टीवी, सुमित साहू, मनु रावत, अंजली सिंह, रविंद्र यादव, अशोक पाल (चाचा), दीपक शर्मा, लोकेंद्र, शिव सिंह कुशवाह, हरिओम त्यागी, बृजेश भदौरिया, सुनील वर्मा, उमेश वमा, मोनू राठौर, राजकुमार शर्मा, नीलकमल माहेश्वरी, गोलू राजावत, घनश्याम धाकड़, शिवम आर्य, संजय भदौरिया, अनिल शिकरवार, मयंक गुप्ता, राजीव गुप्ता, सोनू डोंगे, संजय चंदेल, हर्ष शिवहरे, गिर्राज रजक, रविंद्र सिंह पवैया, अशोक सोनी, सुमित साहू, कपिल गोयल, राजकुमार शर्मा सहित लगभग एक सैकड़ा पत्रकार शामिल रहे।

ये रहे मंचासीन

संत कौशिक जी महाराज के मुख्य आतिथ्य में आयोजित उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार और इतिहासकार डॉ. सुरेश सम्राट, उप संचालक जनसंपर्क मधु सोलापुरकर, वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप मांढरे, वरिष्ठ पत्रकार नासिर गौरी, ग्वालियर प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रदीप तोमर, उपाध्यक्ष मचल सिंह बैस, सचिव प्रमोद शर्मा, कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र तोमर, रविंद्र कुशवाह मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार गजेंद्र इंगले ने किया।

युवा पत्रकार रविंद्र पवैया को प्रेस क्लब ग्वालियर- चम्बल सम्भाग का प्रभार

पत्रकार साथियों के साथ हर सुख दुख में खड़ा रहूंगा रविंद्र सिंह पवैया

ग्वालियर। अपनी खबरों के माध्यम से शहर में एक अलग पहचान बनाने वाले युवा दबंग पत्रकार रविन्द्र पवैया को प्रेस क्लब द्वारा ग्वालियर चंबल संभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी कार्यशैली एवं गरीब तथा असहाय लोगों की आवाज बुलंद करने की क्षमता एवं लगन को देखते हुए ग्वालियर प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रदीप तोमर उपाध्यक्ष मचल सिंह बेस एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों के द्वारा पवैया को ग्वालियर प्रेस क्लब में संभागीय प्रभारी का दायित्व सोपा गया है। देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर प्रेस क्लब ग्वालियर के कार्यालय पर सदस्यों के द्वारा उनका स्वागत किया गया तथा दायित्व सौंपा गया । संभागीय प्रभारी का दायित्व मिलने पर शहर के कई समाजसेवियों एवं उनके इष्ट मित्रों के द्वारा उनको पुष्प हार पहनाकर एवं दूरभाष के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित की, साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई । संभागीय प्रभारी बनाए जाने पर रविंद्र सिंह पवैया के द्वारा ग्वालियर प्रेस क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने आगे कहा कि प्रेस क्लब के द्वारा दिए गए कार्यों को पूरी निष्ठा के साथ निभाऊंगा एवं आशा करता हूं कि वरिष्ठ जनों का आशीर्वाद एवं सहयोग यूं ही मिलता रहेगा।

सत्कर्मों के साबुन से साफ करें अंतःकरणः स्वामी विद्यानंद

सनातन धर्म मंदिर में श्रीमद्भागवत के प्रसंगों पर प्रवचन आयोजित

ग्वालियर। मनुष्य के भीतर राग द्वेष की गंदगी भरी है, जो उसके कर्मों को बांधती है। मनुष्य कर्मों के बंधन से मुक्त तो होना चाहता है, लेकिन माया प्रबल है। शुद्ध कर्म करोगे, तो ही अंतःकरण शुद्ध होगा और प्रीति का भाव जाग्रत होगा। सत्कर्मो के साबुन से अंतःकरण साफ हो जाएगा और भीतर जमा विकारों का मल साफ हो जाएगा। यह विचार बरूमाल पीठ के महामंडलेश्वर स्वामी विद्यानंद सरस्वती ने सनातन धर्म मंडल में भगवान चक्रधर के सानिध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत के प्रसंगों पर आधारित प्रवचन के दौरान व्यक्त किए। स्वामी विद्यानंद ने श्रद्धालुओं के समक्ष अमृत वर्षा करते हुए कहा कि अच्छे कर्म करते हुए जीवन जीएं। दूसरों के प्रति राग- द्वेष न रखें। अक्षय शांति के लिए शुभ कर्म करते हुए मन को छोटे अबोध बालक जैसा बना लें, तो काम, क्रोध, लोभ, मोह से मुक्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि जब हमारी आशक्ति ईश्वर में होने लगेगी तो फिर संसारी लोगों के प्रति राग द्वेष स्वतः ही समाप्त होने लगेगा। जिस प्रकार एक छोटा बालक सभी को देखकर मुस्कराता है, उसी प्रकार बाल भाव पैदा होने से संसार के सभी प्राणियों के प्रति प्रेम का भाव उत्पन्न हो जाएगा। इस मौके पर सनातन धर्म मंडल के अध्यक्ष विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष हरीशंकर सिंह, प्रधानमंत्री रमेश गोयल लल्ला, संयुक्त प्रधानमंत्री राजेश बंसल, कोषाध्यक्ष राकेश बंसल, नारायण ब्रजवासी, सुरेश बंसल, आरके खेतान, सुनील अग्रवाल, सुमन सिंघल, प्रमोद अग्रवाल, अरविंद त्रिपाठी, स्वामी गोपालानंद, रामप्रकाश गौतम, सुनील शर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु श्रोता मौजूद रहे।

725 युवक- युवतियों का हुआ पंजीयन, जुटेंगे अंचलभर के अग्रबंधु

तीन दिवसीय अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन का शुभारंभ आज

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा 20-22 मई तक तीन दिवसीय आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ मंगलवार 20 मई को मानस भवन ग्वालियर में होगा। सम्मेलन संस्था द्वारा हर माह देश के अलग- अलग शहरों में होने वाला यही परिचय सम्मेलन 125वां होगा, जिसकी तैयारियां को लेकर सभी साथियों की मीटिंग आयोजित हुई। उक्त जानकारी देते हुए राजेश ऐरन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि परिचय सम्मेलन के लिए परिचय पुस्तिका तैयार की गई है, जिसमें 755 युवक- युवतियों का पंजीयन किया गया है, जिसमें युवक युवती मंच पर आकर स्वयं अपना परिचय देते हुए जीवनसाथी का चयन करेंगे।

श्री ऐरन ने बताया कि परिचय सम्मेलन में अनेकों युवक- युवती जिनमें इंजीनियर, डॉक्टर एवं सीए हैं वह भी परिचय देंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन जबकि विशिष्ट अतिथि मुख्य संरक्षक एवं पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व बीज निगम अध्यक्ष मुन्नालाल गोयल व भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रवक्ता आशीष अग्रवाल शामिल होंगे। मंच पर युवक- युवतियों का परिचय नीलम शाह, विनीता तायल, बबीता अग्रवाल, रचना लोहिया, पूनम अग्रवाल, चंचल अग्रवाल, ललिता बंसल, मीनाक्षी गोयल, ज्योति अग्रवाल, प्रीति बिंदल, रश्मि अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, दीप्ति बंसल के द्वारा कराया जाएगा। अतिथियों का स्वागत ममता ऐरन, मीरा अग्रवाल, कविता मंगल, साधना गोयल, पदमा अग्रवाल, हरषनि जैन, मीना अग्रवाल, रुचि अग्रवाल, राधा बंसल, लक्ष्मी अग्रवाल, रिंकी मित्तल, मुकेश सिंघल, आनंद अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, अनिल गर्ग, महेंद्र अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, विजय गोयल व कमलेश बाबू मंगल द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के कई शहरों से एवं चंबल संभाग के मुरैना, जौरा, कैलारस, शिवपुरी, गुना, श्योपुर, गोहद सहित सभी जगह से अग्रबंधु कार्यक्रम में शामिल होने ग्वालियर आ रहे हैं।

ग्वालियर जिले में भी 29 मई से 12 जून तक चलेगा 'विकसित कृषि संकल्प अभियान'

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में भी 29 मई से 12 जून तक फ्रविकसित कृषि संकल्प अभियानफ्र चलाया जायेगा। इस अभियान के दौरान कृषकों को केन्द्र व राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई नवीन कृषि तकनीकों व नवाचारों की जानकारी दी जायेगी। यह जानकारी देने के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र व अन्य संस्थाओं से जुड़े वैज्ञानिक एवं कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन व कृषि अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी व प्रगतिशील किसान गाँव-गाँव पहुँचेंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने उप संचालक कृषि को राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत जिले में इस अभियान को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित कर अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए हैं कि अभियान के क्रियान्वयन के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र व संबद्ध विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों से समन्वय कर ग्रामवार कार्यक्रम का निर्धारण करें। उन्होंने कृषि आधारित योजनाओं व कार्यक्रमों की वीडियो क्लिपिंग तैयार कर अभियान के दौरान किसानों को दिखाई जाएं। साथ ही अभियान के दौरान किसानों को खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली फसलों से संबंधित आधुनिक व उन्नत तकनीक व कृषि योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दें। कलेक्टर ने कहा है कि अभियान के दौरान प्राकृतिक खेती व फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के प्रयास भी प्रमुखता से किया जाए। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि श्री आर एस शाक्यवार ने बताया कि अभियान के दौरान कृषि ङ्क ड्रोन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन, धान की सीधी बुवाई पद्धति व सोयाबीन फसल में मशीनीकरण इत्यादि के बारे में जानकारी दी जायेगी। साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में सुझाई गईं।

छम छम नाचे देखो वीर हनुमान और राधे राधे पर झूमे भक्तगण

ग्वालियर। श्री राम मंदिर फालका बाजार में भारत विकास परिषद शाखा सहयोग मां अन्नपूर्णा भोजन सेवा समिति एवं अखिल भारतीय अग्र वैवाहिक सेवा केंद्र द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में सोमवार को हनुमान जी की कथा सुनाते हुए पंडित बृजेश पांडे जी ने कहा कि वीरता साहस, सेवा, समर्पण, त्याग ओर बुद्धि का सही उपयोग,कब कहा कैसे करना है यह हनुमान जी से जीवन में सीखना चाहिए। हनुमान जी बलशाली होते हुए भी अपने बल का उपयोग धर्म की रक्षा और प्रभु सेवा के लिए समर्पण भाव से करते हैं , अर्थात बल युक्त होते हुए भी बल का संयमित उपयोग किया। उन्होंने कहा कि राम चरित्र मानस में सबसे सुन्दर, ÷सुंदर कांड÷ है जिसमें सारी शंकाओं का समाधान है। समझने की बात है कि सुंदर कांड वृद्ध (जामवंत)के सम्मान से शुरू हुआ है।

विरासत से विकास
300वीं जन्म जयंती पर
लोकमाता अहिल्याबाई होलकर
को कृतज्ञतापूर्ण नमन
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
लोकमाता अहिल्याबाई
के मूल्यों एवं आदर्शों को समर्पित
राजवाड़ा, इंदौर में
मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद बैठक
का आयोजन
विकसित मध्यप्रदेश @2047
विज़न डॉक्यूमेंट पर मंथन
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
20 मई, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11027/25
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

जीईएम- सार्वजनिक खरीद को आकर्षक बनाने का सार्थक प्रयास

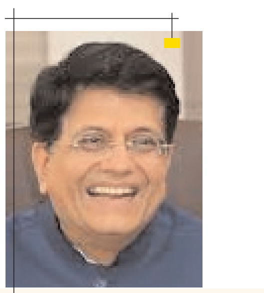

▪ पीयूष गोयल

सार्वजनिक खरीद के लिए पारदर्शी, समावेशी एवं कुशल मंच प्रदान करने के एक अग्रणी उपाय के रूप में, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पूरी दुनिया में तेजी से उभरा है। यह प्लेटफॉर्म 1.6 लाख से अधिक सरकारी खरीदारों को 23 लाख विक्रेताओं एवं सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण का एक प्रमुख वाहक बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल को शुरू किए जाने के बाद से नौ वर्षों के दौरान, जीईएम ने भ्रष्टाचार को खत्म करके और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिलाओं एवं छोटे शहरों के व्यवसायों को व्यावसायिक अवसर प्रदान करके सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। उपयोगकर्ताओं के अनुकूल माना जाने वाला यह प्लेटफॉर्म एक ऐसा सच्चा रत्न है, जिसने कुख्यात आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सप्लाइज एंड डिस्पोजल्स) की जगह ले ली है। इस महानिदेशालय की अपारदर्शी और गैर-प्रतिस्पर्धी प्रणालियां कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को अनुचित लाभ प्रदान करती थीं। इसलिए यह उचित ही है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का नया कार्यालय, वाणिज्य भवन, उस भूमि पर बनाया गया है जिस पर कभी यह पुराना निकाय स्थित था।

शानदार प्रगति - वर्ष 2016 में स्थापना के बाद से, जीईएम पोर्टल पर 13.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर का लेन-देन किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, इस प्लेटफ़ॉर्म पर सार्वजनिक खरीद बढ़कर रिकॉर्ड 5.43 लाख करोड़ रुपये की हो गई। जीईएम का लक्ष्य वर्तमान वित्त वर्ष में अपने वार्षिक कारोबार को बढ़ाकर 7 लाख करोड़ रुपये करना है। जीईएम निस्संदेह सार्वजनिक खरीद से जुड़े परिदृश्य में एक असाधारण तकनीकी उपाय के रूप में उभरा है।

कारोबार के आकार की दृष्टि से, जीईएम निकट भविष्य में दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक खरीद पोर्टल बन जाएगा और दक्षिण कोरिया के कोनेप्स जैसी सुप्रतिष्ठित संस्थाओं को पीछे छोड़ देगा।

जीईएम ने ईमानदारी से व्यावसाय करने प्रतिष्ठानों को व्यापक अवसर प्रदान किए हैं, नौकरियां सृजित की हैं और भारत के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया है। इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व प्रगति से कहीं बढ़कर है जो अपने आप में ई-कॉमर्स से जुड़ी किसी भी बड़ी कंपनी को हैरान कर देने के लिए काफी है।

न्यायसंगत विकास का वाहक - जीईएम प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मिशन के अनुरूप न्यायसंगत विकास के एक महत्वपूर्ण वाहक के रूप में कार्य करता है। यह स्टार्टअप, छोटे व्यवसायों और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को बिना किसी बिचौलियों के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने का एक आसान रास्ता प्रदान करता है। प्रवेश की सभी बाधाओं को दूर करके, यह प्लेटफॉर्म छोटे घरेलू व्यवसायों को ई-टेंडर में भाग लेने और अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अधिकार देता है।

समावेशिता के सिद्धांत से प्रेरित, जीईएम ने छोटे व्यवसायों के विकास को समर्थन देने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतिक पहलों का समावेश किया है। इनमें सरकारी खरीदारों को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पादों एवं सेवाओं की पहचान करने तथा उनका चयन करने में मदद करने वाली प्रणालियां शामिल हैं।

लक्ष्य से आगे - जीईएम पर स्टार्टअप रनवे और वुमनिया जैसे समर्पित स्टोरफ्रंट ने इन व्यवसायों की दृश्यता के साथ-साथ सार्वजनिक खरीद में उनकी हिस्सेदारी को भी प्रभावी ढंग से बढ़ाया है। इससे सरकार को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) से 25 प्रतिशत खरीद और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों से 3 प्रतिशत खरीद के अपने लक्ष्यों को पूरा करने और उससे आगे निकलने में मदद मिली है। जीईएम पर किए गए कुल कारोबार का लगभग 38 प्रतिशत हिस्सा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) को दिया गया है और महिला उद्यमों द्वारा खरीद की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है।

अप्रैल 2025 तक 30,000 से अधिक स्टार्टअप ने जीईएम के ज़रिए 38,500 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। इसके अलावा, 1.81 लाख उद्यम-सत्यापित महिला उद्यमियों ने जीईएम पोर्टल पर लगभग 50,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल किए हैं। बड़ी बचत - इन बदलावों से कुछ खास आकार के ऑर्डरों के लिए 33 प्रतिशत से लेकर 96 प्रतिशत तक की बचत हुई है। यह उल्लेखनीय कमी देश के आम नागरिकों के हित में व्यापार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस) और जीवन-यापन में आसानी (ईज ऑफ लिविंग) को बढ़ाने के मोदी सरकार के मिशन के अनुरूप एक स्वागत योग्य बदलाव है।

विश्व बैंक द्वारा किए गए एक स्वतंत्र मूल्यांकन से यह पता चला है कि जीईएम पर खरीदार औसत कीमत पर लगभग 9.75 प्रतिशत की बचत करते हैं। इससे करदाताओं के पैसे का उपयोग करके की जाने वाली सार्वजनिक खरीद में अनुमानित रूप से 1,15,000 करोड़ रुपये की भारी बचत हुई है। जीईएम पर खरीद ने सरकारी कंपनी एनटीपीसी को 20,000 करोड़ रुपये के अनुबंध में रिवर्स नीलामी का उपयोग करके 2,000 करोड़ रुपये बचाने में मदद की। जीईएम ने रक्षा उपकरणों, टीकों, ड्रोन और बीमा जैसी सेवाओं की पारदर्शी एवं किफायती खरीद में भी मदद की है।

छोटे उद्यमों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए, जीईएम ने हाल ही में अपने लेनदेन शुल्क में उल्लेखनीय कमी की है। 10 लाख रुपये से अधिक के ऑर्डर पर 0.30 प्रतिशत का कम लेनदेन शुल्क लगेगा, जबकि 10 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पर 3 लाख रुपये का सीमित शुल्क लगेगा - जोकि पहले के 72.50 लाख रुपये के शुल्क से काफी कम है।

प्रौद्योगिकी, एआई - एक ठोस तकनीकी बुनियादी ढांचे से लैस, यह प्लेटफॉर्म विभिन्न तकनीकी उपायों का उपयोग करके व्यापार करने के नए एवं आसान तरीके पेश करते हुए लगातार विकसित होता जा रहा है। जीईएम ने जीईएम एआई नामक एक एआई-संचालित चैटबॉट का समावेश किया है - यह संवादात्मक विश्लेषण और व्यावसायिक बुद्धिमत्ता में प्रशिक्षित एक उपकरण है। यह स्मार्ट चैटबॉट आठ स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध है और जीईएम पोर्टल पर व्यापार करने में आसानी को और बढ़ाने के लिए वॉयस कमांड कार्यक्षमता सहित नवीनतम तकनीकों से लैस है।

जीईएम सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) विक्रेताओं के लिए वित्तपोषण संबंधी उत्पाद भी प्रदान करता है। यह पात्र खरीद आर्डरों के लिए 10 मिनट से भी कम समय में गिरवी-मुक्त वित्तपोषण प्रदान करता है। इस प्लेटफॉर्म ने जीईएम सहाय 2.0 पेश किया है, जो 10 लाख रुपये तक के ऋण को हासिल करने के लिए एकल खिड़की के रूप में कार्य करता है। इस प्लेटफॉर्म को और अधिक समावेशी एवं प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु पहले की अपेक्षा अधिक पहलों एवं तकनीकी उपायों पर काम चल रहा है। जीईएम पोर्टल भारत के आर्थिक विकास और प्रधानमंत्री मोदी के प्रगति संबंधी उद्देश्यों को आगे बढ़ाने वाले एक महत्वपूर्ण वाहक के रूप में सक्रिय है। यह समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों को सशक्त बनाने एवं उनका उत्थान करने तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए हमेशा अतिरिक्त प्रयास करेगा और साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगा कि करदाताओं के पैसे का कुशलतापूर्वक उपयोग प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की खरीद के लिए किया जाए।

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

ललित गर्ग

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए । विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

आज का युग

हिंदी से वैज्ञानिक का लगाव जरूरी

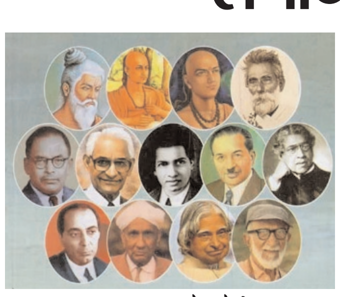

आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। हमारे जीवन की छोटी-बड़ी हर घटना का संबंध विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ा हुआ है। आज हम चाहकर भी मोबाइल, इंटरनेट, टीवी, स्कूटर, कार, बस और ट्रेन से अपने को दूर नहीं रख सकते। अब आप बताइए ये सभी साधन विज्ञान और प्रौद्योगिकी की देन हैं या नहीं? आपका जवाब हां में होगा! सभ्यता के आरंभिक चरण, कृषि और औद्योगिक क्रांति के बाद वर्तमान में हम प्रौद्योगिकी तथा सूचना क्रांति के युग में जी रहे हैं। लोगों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संबंध में जानकारी देना आज एक अहम आवश्यकता बन गई है। भारतीय सम्विधान के अंतर्गत भी इसे एक मूलभूत कर्तव्य का दर्जा प्राप्त है। विज्ञान साहित्य और इसके लेखन को लोकप्रिय विज्ञान या लोकविज्ञान साहित्य कहते हैं। इसका महत्व किसी भी भाषा के साहित्य से कम नहीं होता। क्योंकि एक विज्ञान लेखक के पास साहित्य और लेखन कौशल के साथ विज्ञान की प्रमाणिक जानकारी भी होती है। वास्तव में विज्ञान लेखन साहित्य का अभिन्न हिस्सा है और इस विज्ञान साहित्य का सृजन वैज्ञानिक जानकारी और साहित्यिक तत्वों के संयोग या सम्मिलन से होता है। विज्ञान रिपोर्ट, विज्ञान लेख, विज्ञान समाचार, विज्ञान कथा, विज्ञान नाटक, विज्ञान रूपक, विज्ञान उपन्यास विज्ञान लेखन की विभिन्न धाराएं होती हैं।हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों क़ो पूर्ण कर सकती है नई कार्यकारिणी का गठन हेतु 18 मई 25 को अनुशक्तिनगर में विशेष आम सभा बुलाई गई है आम सभा से पहले चुनाव अधिकारी श्री बलवंत सिंह ने नई कार्यकारिणी 25-27 हेतु सभी चयनित उम्मीदवार के परिणाम प्रस्तुत किए हैं-जो निम्न है अध्यक्ष - कृष्ण कुमार वर्मा - उपाध्यक्ष - ब्रजेश कुमार सिन्हा,सचिव,शेर सिंह मीणा, संजय गोस्वामी -सयुंक्त सचिव,राज कुमार डाबरा -कोषाध्यक्ष बी.एन मिश्र -सयुंक्त कोषाध्यक्ष,सदस्य हेतु डॉ सुभाष दोन्दे,अश्विनी कुमार मिश्रा,संजू वर्मा, राजेश कुमार सचान - अनिल अहिरवार प्रकाश कश्यप - आलोक कुमार त्रिपाठी आदि निर्विरोध चुने गए हैं जो18 मई 25 को आम सभा में आवेदकों का नाम अनुमोदन हेतु प्रस्तुत करेंगे जिसके बाद में नई संपादक मंडल व व्यवस्थापन मंडल के सदस्य बनाए जायेंगे व नई कार्यकारिणी के सदस्यों को वर्तमान कार्यकारिणी के को अब परिषद के आगे के कार्यक्रम के बारे में बताया जायेगा जो सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वीकार हो परिषद के सभी आजीवन सदस्यो से अपील है कि पुनः आम सभा भाभा पार्क, अणुशक्तिनगर में में 10 बजे सुबह उपस्थित रहें हिन्दी विज्ञान की लोकप्रिय पत्रिका वैज्ञानिक से जुड़े सभी विज्ञान लेखकों पाठकों और सृजनशील व्यक्तियों के निरंतर सहयोग, स्नेह, विश्वास और वैज्ञानिक से लगाव है।

फीचर

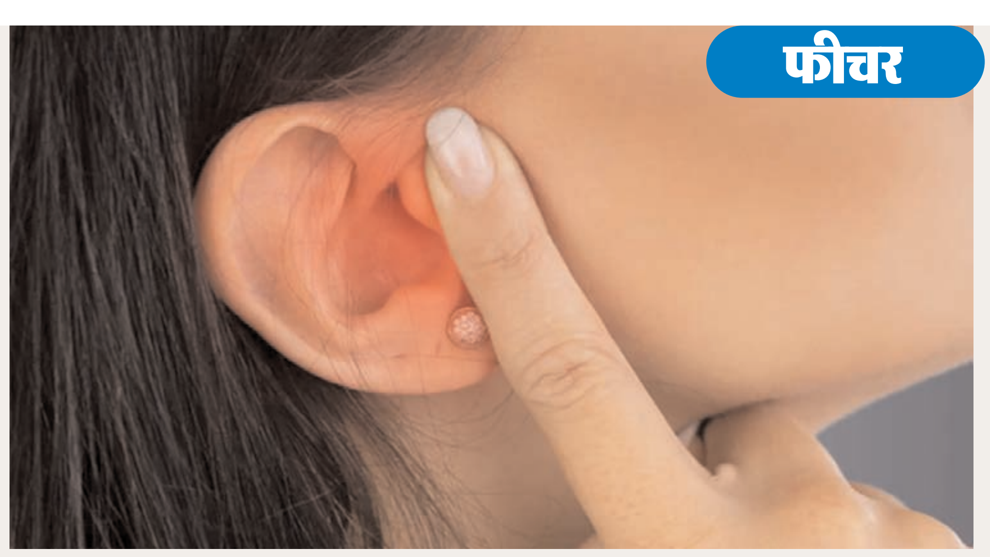

कानों में बजती है सीटी तो हो जाएं सावधान

अगर आपको अचानक कानों में सीटी की आवाज सुनाई दे या फोन पर बात करते समय साफ सुनाई न दे, तो इस समस्याल को हल्के में ना लें और इलाज करायें।

यह कानों की एक बीमारी एकॉस्टिक न्यूरोमा हो सकती है। और इसके लक्षणों को नजरअंदाज करने का परिणाम बहरेपन हो सकता है। डॉक्टरों के अनुसार एकॉस्टिक न्यूरोमा वास्तव में एक ट्यूमर होता है पर इससे कैंसर नहीं होता। लेकिन यह सुनने की क्षमता को कमजोर कर देता है। इसके और भी कई गंभीर नतीजे हो सकते हैं। समस्याम यह होती है कि इसके लक्षण बहुत धीरे-धीरे सामने आते है। जिससे इस बीमारी का समय पर पता ही नहीं चल पाता।

विशेषज्ञों के अनुसार हमारे मस्तिष्क से निकल कर आठवीं क्रेनियल तंत्रिका कान के अंदरूनी हिस्से तक जाती है। आठवीं और सातवीं क्रेनियल तंत्रिका एक-दूसरे से सटी होती हैं। आठवीं क्रेनियल तंत्रिका पर बनने वाला ट्यूमर ही एकॉस्टिक न्यूरोमा कहलाता है। यह आठवीं क्रेनियल नर्व की शाखा वेस्टीबुलर तक भी पहुंच जाता है जिसकी वजह से इसे वेस्टिबुलर श्वेनोमा भी कहते हैं। इस ट्यूमर के विकसित होने में कई बार सालों लग जाते हैं। इसकी वजह से सुनने की क्षमता में बुरा प्रभाव पड़ता है। फोन पर या नियमित बातचीत सुनाई नहीं देती। कभी-कभी अचानक कान में सीटी जैसी आवाज सुनाई देती है। लेकिन आमतौर पर लोग इन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते। यही एकॉस्टिक न्यूरोमा की शुरुआत होती है। अगर शुरू में ही इस समस्या का पता चल जाए तो इसका इलाज आसानी से हो सकता है।

कुछ मरीजों में यह समस्या तेजी से बढ़ती है। एकॉस्टिक न्यूरोमा की वजह से ऐसा लगता है जैसे चक्कर आ रहे हों या चलते समय अचानक कदम लड़खड़ा रहे हों। अगर एकॉस्टिक न्यूरोमा बहुत बढ़ जाए तो इसके फलस्वरूप चेहरे पर लकवा भी हो सकता है।

प्रेरणा

अकर्मण्य न बनें

एक कहानी है। एक राजा था। उसे मंत्री की नियुक्ति करनी थी। वह नियुक्ति से पूर्व परीक्षा करना चाहता था। पांच-सात व्यक्ति आए। उसने सबको एक कमरे में बिठाकर कहा, आप सब यहां बैठें। मैं कमरे के बाहर ताला लगा देता हूं। जो भी ताले को खोलकर बाहर निकल आएगा, उसे मंत्री बनाऊंगा।

सबने सुना-सोचा- कितनी विचित्र परीक्षा। दरवाजा बंद। बाहर से ताला बंद और भीतर वालों से कहे कि बाहर आओ। यह असंभव है। छह व्यक्तियों ने सोचा, राजा पागल हो गया है। यह भी कोई परीक्षा होती है! दूसरे प्रकार से भी परीक्षा ली जा सकती थी। बाहर जाना कैसे संभव हो सकता है? वे हाथ पर हाथ रख बैठे रहे। कुछ पराप्रम नहीं किया। सातवां व्यक्ति अकर्मण्य नहीं था, पुरूषार्थी था। उसने सोचा, जरूर इस शर्त में कोई रहस्य है। राजा ?सी शर्त क्यों रखता? मुझे अपना पुरूषार्थ करना है। वह उठा। दरवाजे के पास गया। उसे जोर से ढकेला, वह खुल गया। उसने बाहर आकर राजा का अभिवादन किया। दरवाजे पर कोई ताला लगाया ही नहीं था, केवल सबको भुलावे में रखा था। राजा जानना चाहता था कि कौन कर्मण्य है और कौन अकर्मण्य। उन्होंने सोचा, जब बाहर ताला है तब दरवाजा कैसे खुलेगा? इसी भ्रम ने उन्हें अकर्मण्य बना डाला। वे बाजी हार गए। जिसने पुरूषार्थ किया, कर्मण्यता का परिचय दिया, वह जीत गया। वह मंत्री बन गया। साधना का क्षेत्र निर्विघ्न नहीं है। उसमें अनेक भुलावे हैं। उन भुलावों से साधक यदि अकर्मण्य बन साधना को भुला देता है तो साधना से भटक जाता है।

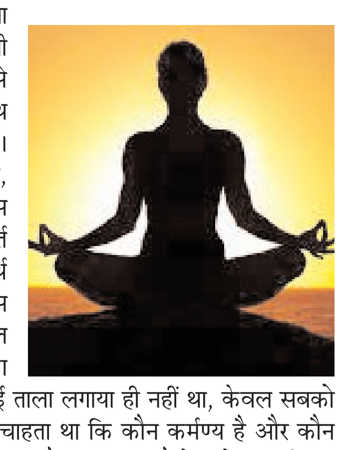

अपनी बात

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को विदेश भेजने का फैसला किया है। इस फैसले पर अब एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि यह पार्टी का फैसला नहीं है, सरकार का फैसला है। शरद पवार ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जब नरसिम्हा राव सत्ता में थे, तब अटल बिहारी वाजपेयी के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र से एक प्रतिनिधिमंडल नियुक्त किया गया था।

संजय राउत ने दावा किया है कि ईडी द्वारा धन शोधन के मामले में उन्हें गिरफ्तार किए जाने के पीछे मुख्य कारण था कि उन्होंने 2019 में महाराष्ट्र में बीजेपी को सत्ता में आने से रोका था। राउत ने अपनी पुस्तक नरकतला स्वर्ग यानी नरक में स्वर्ग में यह दावा किया कि उनके खिलाफ कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि वह उस साल सत्ता में आई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाडी (एमवीए) सरकार के सुरक्षा कवच थे।

ब्रीफ न्यूज

दुष्कर्मी को आरोन पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

गुना। जिले की आरोन थाना पुलिस ने बलात्कार के प्रकरण में कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। दरअसल 17 मई को जिले के आरोन थाने पर 28 वर्षीय एक विवाहित महिला द्वारा राजीव खेरुआ निवासी ग्राम छापर थाना आरोन के विरुद्ध उसे शादी का झांसा देकर उसका करीबन 06 साल से शारीरिक शोषण किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिस पर से आरोपी राजीव खैरुआ के विरुद्ध आरोन थाने में अप.क्र. 246/25 धारा 69, 351(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा प्रकरण में तत्परता पूर्वक कार्यवाही करते हुए आरोपी राजीव खैरुआ की सरगर्मी से तलाश की गई। जिसे मात्र 24 घंटों के भीतर ही बीते रोज आरोपी राजीव उर्फ राजू खैरुआ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया है। पुलिस की इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक रितुराज सिंह कुशवाह, उपनिरीक्षक चंद्रप्रकाश दीक्षित, प्रधान आरक्षक दिनेश शर्मा, प्रधान आरक्षक राममोहन दुबे, प्रधान आरक्षक रविन्द्र रघुवंशी, प्रधान आरक्षक इरशाद खान, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र गुर्जर, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र पाल, आरक्षक गौरव शर्मा, आरक्षक महेश चौरसिया एवं आरक्षक गौरव देवलिया की विशेष भूमिका रही है।

भारतीय सेना को समर्पित तिरंगा यात्रा का आयोजन 20 को

राघौगढ़। भारतीय सेना के सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना को समर्पित एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन मंगलवार को राघौगढ़ के आईटीआई मैदान से किया जाएगा। यह यात्रा शाम 5 बजे प्रारंभ होगी, जिसका उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सेना के प्रति नागरिकों की आस्था को जन-जन तक पहुंचाना है। इस आयोजन की रूपरेखा सिंदूर अभियान की सफलता के उपलक्ष्य में तैयार की गई है। आयोजकों ने इसे राष्ट्र को समर्पित एक संदेश यात्रा बताया है, जिसमें जनसामान्य की सहभागिता के माध्यम से देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव को प्रकट किया जाएगा। यात्रा में हर आयु वर्ग के नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है और सभी से आग्रह किया गया है कि वे तिरंगा हाथ में लेकर इस यात्रा में शामिल हों। आयोजनकर्ता राजेंद्र कुमार वासुड़ी ने समस्त नगरवासियों से इस अवसर पर शामिल होकर सैनिकों को सम्मान देने और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने की अपील की है। यह यात्रा न केवल भारतीय सेना को श्रद्धांजलि होगी, बल्कि यह राघौगढ़ से एक सशक्त राष्ट्रभक्ति का संदेश भी पूरे प्रदेश और देश को देगी।

लपता नाबालिग को बजरंगगढ़ पुलिस ने किया दस्तयाब

गुना। जिले के बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र से लपता एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने दस्तयाब किया है। गौरतलब है कि 1 मई 25 की रात में जिले के बजरंगगढ़ थाना क्षेत्र से 16 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के घर पर किसी को बिना कुछ बताये अचानक कहीं चले जाने पर 2 मई को लड़की के पिता की ओर से उसके गुम होने संबंधी रिपोर्ट बजरंगगढ़ थाने पर की गई थी। जिस पर से बजरंगगढ़ थाने में अपराध क्रमांक 48/25 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था। पुलिस द्वारा प्रकरण में अपह्त लड़की की सरगर्मी से तलाश की गई।

दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत, एक जंगल में मिला तो दूसरे ने की आत्महत्या

सत्ता सुधार ■ गुना

जिले में बीते 24 घंटों के भीतर दो अलग-अलग घटनाओं में दो व्यक्तियों की मौत ने परिजनों सहित स्थानीय नागरिकों को स्तब्ध कर दिया है। एक मामला सिरसी थाना क्षेत्र से जुड़ा है, जहां पांच दिन से लापता चल रहे एक होमगार्ड जवान का शव जंगल में मिला, वहीं दूसरा मामला शहर की सिसोदिया कॉलोनी से है, जहां एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों ही मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना सिरसी थाना अंतर्गत ग्राम रेहपुरा की है, जहां 35 वर्षीय शंकर पटेलिया बीते पांच दिनों से लापता था। जानकारी के मुताबिक उसे उल्टी-दस्त की शिकायत थी, जिस पर वह उपचार के लिए समीपस्थ गांव गया था, लेकिन इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिवार ने उसे काफी ढूंढा, और

अंततः उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट सिरसी थाने में दर्ज कराई गई थी। लगातार जारी तलाश के बीच बीती शाम उसका शव जंगल में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जांच में यह संभावना जताई जा रही है कि युवक ने नशे की हालत में अत्यधिक शराब का सेवन किया था, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ी और लौटते समय जंगल में गिरकर उसकी मौत हो गई।

वहीं दूसरी ओर, गुना शहर की सिसोदिया कॉलोनी में रहने वाले 26 वर्षीय शाकिर खान की संदिग्ध मौत ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य और घरेलू संकट के मुद्दे को सामने ला दिया है। जानकारी के अनुसार, बीती रात लगभग 8ः30 बजे शाकिर को उसके परिजन अचेत अवस्था में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि शाकिर ने आत्महत्या की थी। हालांकि उसके परिजन इस घटना पर कुछ भी कहने से बचते रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार शाकिर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था और उसके दो-तीन छोटे बच्चे भी हैं। अचानक इस तरह जीवन समाप्त कर लेने के पीछे के कारणों को लेकर अब पुलिस जांच में जुटी है। पुलिस दोनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है।

देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार, थाना कैंट पुलिस की कार्रवाई

गुना। शहर की कैंट थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध देशी कट्टे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को बलवंतनगर क्षेत्र से पकड़ा गया, जिसकी निशानदेही पर बमौरी बुजुर्ग रोड से हथियार बरामद किया गया। थाना कैंट में सहायक उप निरीक्षक बलवीर सिंह ने बताया कि वे थाना प्रभारी के साथ ड्यूटी के दौरान कलेक्ट्रेट और एसपी कार्यालय में मीटिंग के बाद कस्बा भ्रमण पर निकले थे। इसी दौरान नानाखेड़ी पहुंचने पर मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक कट्टा लेकर बमौरी बुजुर्ग रोड की ओर जाते देखा गया है। बताए गए स्थान पर पहुंचने पर युवक नहीं मिला, लेकिन दोबारा संपर्क करने पर मुखबिर ने बताया कि संदिग्ध युवक बलवंतनगर रोड की ओर गया है। बलवंतनगर में युवक को देखकर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम नीतेश उर्फ मोंटू कलावत (26), निवासी विकासनगर, गुना बताया। शुरुआती तलाशी में कुछ नहीं मिला, लेकिन गहन पूछताछ के बाद उसने कबूला कि उसने कट्टा और राउंड पुलिया के पास बिजली के खंबे के नीचे छिपाया है। मौके पर पहुंचकर आरोपी की निशानदेही पर सफेद रूमाल में लपेटा गया 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा राउंड बरामद किया गया। आरोपी के पास हथियार रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया।

मंगलवार को जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की संयुक्त जनसुनवाई होगी : कलेक्टर

निक्षय मित्र पहल में टीबी मरीजों के लिए कलेक्टर की प्रेरणा से जुटाए गए 80 हजार रुपए

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक का आयोजित हुई। बैठक में अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, सीईओ जिला पंचायत अभिषेक दुबे सहित समस्त विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत समग्र आईडी में ई-केवाईसी कार्य की प्रगति की समीक्षा से हुई। प्रगति कम होने पर उन्होंने सभी एसडीएम, सीईओ और सीएमओ को कार्य में नेतृत्व करते हुए प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में चांचौड़ा एसडीएम श्री रवि मालवीय की कार्यप्रणाली सराहनीय पाई गई। जिला चिकित्सालय की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो कर्मचारी कार्य नहीं कर रहे हैं, उनके वेतन काटे जाए। शिक्षा विभाग, कृषि एवं कल्याण विभाग की शिकायतों को स्वयं पढ़ते हुए कलेक्टर ने तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान हेतु सभी अधिकारी स्वयं मॉनिटरिंग करें।

कलेक्टर श्री कन्याल ने दो टूक कहा कि उन्हें समस्याओं का समाधान करने वाले अधिकारी पसंद हैं और हर समस्या का समाधान संभव है, बस उसके मूल जड़ तक

पहुंचने की आवश्यकता है। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि अधिकारी मुख्यालय छोड़ने से पहले आवश्यक अनुमति सुनिश्चित करें। कुछ अधिकारी बैठक में अनुपस्थित पाए गए, जिन पर कलेक्टर ने बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कन्याल ने बैठक के दौरान बताया आगामी जनसुनवाई संयुक्त रूप से जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा आयोजित की जाएगी, जिसमें जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों के साथ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इसके बाद केपीआई मानकों, सीएम हाउस और सीएम मॉनिट के प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की गई और प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए। ई-ऑफिस प्रणाली की जानकारी देते हुए बताया गया की 40 से ज्यादा विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू हो गई है।

इसके बाद समाजसेवी सोनू जैन एवं देवेंद्र जैन द्वारा कुपोषित बच्चों हेतु 50 पोषण किट एवं 50 पक्षियों के लिए बनाए गए घर वितरित किए। साथ ही उनके द्वारा जिला चिकित्सालय को 250 बेडशीट दान दी गई। बैठक में टीवी मुक्त भारत की चर्चा के दौरान कलेक्टर श्री कन्याल की पहल और प्रेरणा पर जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारी निक्षय मित्र बनने का संकल्प लिया। कलेक्टर श्री कन्याल ने स्वयं 5000 रूपये की राशि देकर इसकी शुरुआत की। इस पहल में अपनी सहभागिता देते हुए अपर कलेक्टर श्री अखिलेश जैन, सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे सहित अन्य अधिकारियों के सहयोग से 80 हजार रूपये से अधिक की राशि एकत्रित की गई, जो टीबी मरीजों के पोषण आहार हेतु उपयोग की जाएगी।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री दुबे द्वारा स्व-सहायता समूहों के गोवंश आधारित उत्पादों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया इन उत्पादों में बारकोड लगाया गया है जिससे उपभोक्ता भुगतान एवं जानकारी दोनों एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकते हैं। इन उत्पादों को ऑनलाइन विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से घर बैठे भी मंगाया जा सकता है। सभी अधिकारियों को स्व-सहायता समूह द्वारा बनाई गई गणेश प्रतिमाएं भेंट की गई, जिनका भुगतान स्कैन कर किया गया। कलेक्टर श्री कन्याल ने बैठक के अंत में हाल ही में संपन्न हुई 'तिरंगा यात्रा' की सफलता हेतु सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आगामी दिनों में अतिक्रमण और भू-माफियों पर विशेष अभियान चलाने की जानकारी भी दी। इसके अलावा उन्होंने सभी अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने और अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाने के निर्देश दिए।

जबरन विवाह करने हेतु दबाव बनाये जाने पर लड़के पक्ष के विरुद्ध की गई एफआईआर दर्ज

सत्ता सुधार ■ गुना

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में बाल विवाह के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही हैं। इसी क्रम में आज ग्राम चक सिंगवासा में नाबालिग बालिका के बाल विवाह की शिकायत चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त हुई। नाबालिग बालिका का बाल विवाह 17 मई 25 को प्रशासन की टीम द्वारा रोका गया था। लड़के पक्ष द्वारा नावालिक बालिका से जबरन विवाह करने के लिये दवाब बनाया जा जा रहा था। जिसके संबंध में बालिका द्वारा 19 मई 25 को सुबह 9 बजे दीपा शर्मा परियोजना अधिकारी गुना ग्रामीण को फोन कर अवगत कराया गया। जिसके पश्चात महिला बाल विकास एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई के अनिल तोमर गुना की टीम द्वारा बालिका के साथ उपस्थित होकर लड़के पक्ष के विरुद्ध कैंट थाना

गुना में एफआईआर दर्ज करवाई गई। नाबालिग बालिका की सुरक्षा हेतु बालिका को वन स्टॉप सेंटर गुना भेजा गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दिनेश चंदेल द्वारा बताया कि बालिका की बहन द्वारा कैंट थाना गुना में वर पक्ष के परिवारजनों के विरूद्व एफआईआर दर्ज कराई गई है। सुरक्षा की दृष्टि से बालिका को वन स्टॉप सेन्टर गुना भेजा गया है।

लापता नाबालिग को किया दस्तयाब

गुना। जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र से लापता एक नाबालिग लड़की को पुलिस ने दस्तयाब किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 10 मई 25 की रात जिले के धरनावदा थाना क्षेत्र से 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के घर पर किसी को बिना कुछ बताये अचानक कहीं चले जाने पर 14 मई 2025 को लड़की की मां की ओर से उसके गुम होने संबंधी रिपोर्ट धरनावदा थाने पर की गई थी। जिस पर से धरनावदा थाने में अपराध क्रमांक 115/25 धारा 137(2) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था।

फतेहगढ़ की छात्राएं ब्यूटी एंड वेलनेस कोर्स से बना रही आत्मनिर्भरता की राह

सत्ता सुधार ■ गुना

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फतेहगढ़ में संचालित वोकेशनल शिक्षा के अंतर्गत ब्यूटी एंड वेलनेस कोर्स छात्राओं के लिए आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन रहा है। इस कोर्स की लोकप्रियता और सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विद्यालय की कक्षा 10वीं और 12वीं की छात्राओं को स्थानीय स्तर पर ऑन द जॉब ट्रेनिंग दी जा रही है।

यह प्रशिक्षण फतेहगढ़ स्थित सुष्मिता ब्यूटी पार्लर में प्रारंभ किया गया है, जहां छात्राएं व्यावहारिक रूप से सौंदर्य सेवाओं की बारीकियां सीख रही हैं। ग्रामीण क्षेत्र की इन छात्राओं को यह अवसर उनके कौशल को निखारने और भविष्य में स्वरोजगार के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विद्यालय के प्रबंधन का कहना है कि पूर्व वर्षों में भी कई छात्र-छात्राएं इस कोर्स को पूर्ण कर आत्मनिर्भर बन चुके हैं, जिनकी सफलता को भोपाल स्तर तक सराहा गया है। यह उपलब्धि फतेहगढ़ जैसे ग्रामीण अंचल के लिए गर्व का विषय है और यहां के युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान कर रही है।

गर्मी के तेवरों पर शाम की बारिश की फुहारें, ठंडी हवा से लोगों को मिली राहत

गुना। शहर में सोमवार को दिनभर तेज धूप और भीषण गर्मी के बाद शाम होते-होते मौसम ने करवट ले ली। आसमान में अचानक बादल छा गए और फिर देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक लगातार हुई वर्षा से जहां तपते माहौल को राहत मिली, वहीं सड़कों पर पानी भरने से लोगों को असुविधा का भी सामना करना पड़ा। मौसम विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को अधिकतम तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, जबकि न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सुबह की आर्द्रता 48 फीसदी और शाम की आर्द्रता 65 फीसदी दर्ज की गई। शाम 5ः30 बजे तक शहर में 6.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके पूर्व दिनभर की उमस और गर्मी ने आम जनजीवन को परेशान कर रखा था। शाम को अचानक बदले मौसम ने वातावरण में ठंडक घोल दी। ठंडी हवा के झोंकों के साथ शुरू हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से कुछ राहत दिलाई। बारिश का यह दौर करीब 35 मिनट तक चला, जिससे शहर की मुख्य सड़कों और गलियों में पानी भर गया। कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति बन गई, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हुई। वहीं, मौसम में आई यह ताजगी बच्चों और युवाओं को खूब रास आई, जिन्होंने बारिश का लुत्फ उठाया। ममौसम विशेषज्ञों का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ी हुई गर्मी के चलते लोकल क्लाउड फॉर्मेशन हुआ, जिससे बारिश की स्थिति बनी। अगले 24 घंटों में भी आसमान में बादलों की मौजूदगी के साथ हल्की वर्षा के आसार बने हुए हैं। गौरतलब है कि मई के महीने में तेज गर्मी के बीच ऐसी राहतभरी बारिश लोगों को कुछ सुकून देती है, हालांकि उमस का असर पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।

आदिवासी समाज के मध्य विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

सत्ता सुधार ■ गुना

जिला विधिक सहायता अधिकारी सर्वेश चतुर्वेदी द्वारा ग्राम पंचायत उमरी के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में ग्रामीणजन के मध्य उपस्थित होकर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए। ग्राम पंचायत ऊमरी के पंचायत भवन में आयोजित किए गए शिविर के माध्यम से उनके द्वारा ग्रामीणजन को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा नई दिल्ली के साथी अभियान के बारे में विस्तार से बताते हुए बच्चों के आधार कार्ड बनवाये जाने हेतु प्रेरित किया गया। इसके साथ ही ग्रामीणजन को निःशुल्क विधिक सहायता योजना, अपराध पीडित प्रतिकर योजना, मध्यस्थता योजना, के साथ ही सालसा की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाकर लाभांवित किया गया।

इसी अनुक्रम में ग्राम कोल्याहू ग्राम पंचायत चकदेवपुर मे आयोजित किये गये विधिक साक्षरता शिविर में ग्रामीणजन को नेशनल लोक अदालत, लोकोपयोगी लोक अदालत नालसा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों हेतु विधिक सेवा योजना, नालसा वरिष्ठ नागरिकों हेतु विधिक सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाकर लाभांवित किया गया। ग्राम बाबरोदा में आयोजित किये गये विधिक साक्षरता शिविर के माध्यम से श्री सर्वेश चतुर्वेदी जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा नई दिल्ली के साथी अभियान एवं जागृति योजना, डॉन योजना एवं संवाद योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए नालसा एसिड हमले के पीड़ितों हेतु विधिक सेवा योजना, एवं जिला प्राधिकरण द्वारा प्रदाय की जाने वाली विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी देते हुए बच्चों को शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्त्तव्यों की जानकारी दी जाकर ग्रामीण जन को लाभांवित किया गया।

ग्राम पंचायत उमरी के मकरावद बांध क्षेत्र में आदिवासी समाज के मध्य आयोजित किये गये विधिक जागरूकता कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा नई दिल्ली के साथी अभियान एवं जागृति योजना, डॉन योजना एवं संवाद योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए नालसा आपदा पीड़ितों हेतु विधिक सेवा योजना के प्रावधानों एवं प्रदान किये जाने वाले लाभ के बारे में बताते हुए निःशुल्क विधिक सहायता योजना, अपराध पीडित प्रतिकर योजना, भरण पोषण अधिनियम, लोकोपयोगी लोक अदालत आदि के बारे में जानकारी देते हुए ग्रामीणजन को लाभांवित किया गया।

निरीक्षण

गर्मी से बचाव के लिए लगाए गए फव्वारे, पंखे व कूलर

नपाध्यक्ष ने गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सत्ता सुधार ■ गुना

नगर पालिका परिषद गुना की अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता ने केंट स्थित गौशाला का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौवंश के लिए गर्मी से बचाव हेतु किए गए इंतजामों की बारीकी से समीक्षा की और संतोष जताया। अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि विगत दिनों उन्होंने गौशाला में तापमान बढ़ने के कारण गायों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए विशेष निर्देश जारी किए थे, जिसमें पानी के फव्वारे, पंखे एवं कूलर की

समुचित व्यवस्था करना शामिल था। आज इसी क्रम में उन्होंने स्थल पर पहुंचकर इन कार्यों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि बीते दो वर्षों में केंट गौशाला का व्यापक स्तर पर कायाकल्प किया गया है। यहां सीसी फ्लोरिंग का कार्य, नई बाउंड्रीवाल का निर्माण तथा अधिकांश क्षेत्र में टीनशेड लगवाए गए हैं, जिससे गौवंश को गर्मी, सर्दी और बारिश से बचाव मिल सका है। इसके अलावा साफ-सफाई, चारा-पानी एवं चिकित्सा व्यवस्था में भी निरंतर सुधार किया गया है। अध्यक्ष ने बताया कि गौशाला में वर्तमान में लगभग 145 गायें निवासरत हैं, जिन्हें प्रतिदिन हरा चारा, भूसा और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, पशु चिकित्सक के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया जा रहा है, जिससे सभी गौवंश पूरी तरह स्वस्थ और सुरक्षित हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि गर्मी के इस मौसम में किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरती जाए और गौवंश की सेवा में किसी तरह की कमी नहीं आनी चाहिए।

ग्राहक पंचायत की प्रांत कार्यकारिणी, गुना से तीन प्रतिनिधि शामिल

गुना। ठेंगड़ी भवन भोपाल में आयोजित अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की मध्यभारत प्रांत स्तरीय बैठक में नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बैठक के प्रथम सत्र में केंद्रीय उपाध्यक्ष अशोक पांडेय ने कार्यकर्ता कैसा हो विषय पर मार्गदर्शन दिया। द्वितीय सत्र में मध्यक्षेत्र संगठन मंत्री अलंकार वशिष्ठ ने संगठन विस्तार के उपाय साझा किए। तृतीय सत्र में प्रांत अध्यक्ष विजय गंभीर को पुनः प्रांत अध्यक्ष घोषित किया गया। साथ ही केंद्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस ने ग्राहक पंचायत के विभिन्न कार्यक्षेत्रों पर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। इस बैठक में मध्यभारत प्रांत की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें गुना जिले से अंशु सिंह रघुवंशी को प्रांत पर्यावरण सह प्रमुख बनाया गया। वहीं रामकृष्ण रघुवंशी एवं आशीष रंजन यादव को प्रांत कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

कई शहरों में आजकल लिव-इन रिलेशनशिप का चलन बढ़ा है। लिव-इन रिलेशनशिप उसे कहते हैं जब एक वयस्क लड़का और लड़की आपसी सहमति से, बिना शादी किए पति-पत्नी की तरह रहते हैं।ज्यादातर लोगों के लिए लिव-इन रिलेशनशिप अपने रिश्तों को समझने और परखने का अच्छा तरीका है। वहीं कुछ लोग लिव-इन में सिर्फ टाइमपास और अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए रहते हैं। आइये जानते हैं कि लिव-इन रिलेशन में रहने से पहले आपको किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

दोस्ती के बाद ही लिव-इन रिलेशनशिप अपनायें

लिव-इन में रहने से पहले आपको अपने पार्टनर को अच्छी तरह से जान लेना चाहिए। उसके सेंटीमेंट्स और मूड के बारे में आपको पहले से जानकारी होना जरूरी है। इसके अलावा जरूरी है कि आप लोगों नें पहले कुछ समय साथ रहकर दोस्त के रूप में गुजारा हो। लड़कियों को खासकर इस मामले में सावधान रहना चाहिए। अपने पार्टनर के प्यार और उसके एहसास को अच्छी तरह परख लें।
अगर थोड़ा भी संदेह हो तो ऐसे रिश्ते से बचें और पार्टनर को थोड़ा और समय दें।

रिश्तों में कभी-कभार थोड़ी बहुत अनबन हो जाना आम बात है। इससे आपके रिश्तों में ताजगी आती है और रिश्ता मजबूत बनता है। लिव-इन रिलेशन में भी ऐसी अनबन हो सकती हैं। ऐसे में कई बार आप थोड़ी सी नाराजगी में बहुत गलत बात कह जाते हैं, जो आपके पार्टनर को बुरी लग सकती हैं। जैसे- अपने घर चले जाओ या अलग हो जाओ या मुझे तुम्हारी जरूरत नहीं आदि। नाराजगी के समय याद रखें कि सामने वाले शख्स को आप पर पूरा भरोसा था तभी वो आपके साथ ऐसे रिश्ते में आने के लिए राजी हुआ है।

खर्चों के मैनेजमेंट को लेकर बात करें

आजकल मंहगाई इतनी बढ़ गई है कि किसी शहर में दो लोगों को अच्छी जीवनशैली के लिए पर्याप्त पैसा जुटाना कई बार एक अकेले इंसान के लिए भारी पड़ सकता है। इसलिए अगर आप लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले हैं तो अपने पार्टनर से खर्चों के बंटवारे को लेकर पहले ही साफ-साफ बात कर लें और इसका एक खाका बना लें। अक्सर पार्टनर्स के बीच पैसों को लेकर अनबन शुरू होती है जो रिश्ते टूटने के कगार तक पहुंच जाती है।

अगर आप अपने पार्टनर को समझने और जानने के लिए लिव-इन रिलेशनशिप का रास्ता चुन रहे हैं तो आपको मानसिक और भावनात्मक तौर पर मजबूत होना चाहिए। कई बार आपको पार्टनर की कोई आदत पसंद नहीं आती या आपकी कोई आदत उन्हें नहीं पसंद आती, तो आपसी बातचीत से इन मुद्दों का हल निकालना चाहिए। इसके अलावा आपको कई बार कुछ बातें अपनी समझदारी से इग्नोर करनी पड़ सकती हैं। ऐसी स्थिति में आपका दिमागी रुप से मजबूत होना जरूरी है।

गलत होने पर अलग होने को रहें तैयार

अगर आप लिव-इन में रहते हैं लेकिन आपके पार्टनर से आपका रिश्ता अच्छी तरह नहीं निभ रहा है या आपके पार्टनर आपकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं तो हमेशा अपनी बात कहने की हिम्मत और हौसला रखिये। इसके अलावा कई बार कुछ लोग रिश्तों में आने के बाद बदल जाते हैं या वो आपको किसी गलत काम के लिए मजबूर करते हैं तो हमेशा अलग होने के लिए तैयार रहें।

सुपर फूड्स से रहेंगी फिट

आजकल वजन घटाने सुपर फूड्स को बेहतर विकल्प माना जा रहा है। इस कारण यह पसंद किये जाने लगे हैं। कई सुपर फूड्स ने धीरेधीरे किचन में जगह बना ली है। जाहिर सी बात है कि किचन के जरिए ये हमारे पेट में भी पहुंच रहे हैं। क्विनोआ के अलावा, चिया सीड्स, फ्लैक्स सीड्स, वॉटरमेलन सीड्स, चगा मशरूम, नट ऑयल, मका, ल्यूकूमा, हेम्प सीड्स आदि। हममें से कुछ लोग इन सुपर फूड्स से परिचित हैं तो कुछ को इनके बारे में कुछ भी पता नहीं। फ्लैक्स सीड्स दादी-नानी के जमाने के अलसी के बीज हैं, जिन्हें अपने यहां के कुछ राज्यों में तिसी भी कहा जाता है। कुछ आयरन के बेहतरीन स्रोत हैं तो कुछ विटामिन और प्रोटीन के। इस आधे बीत चुके साल में इंटरनेट फ्रेंडली हो चुकी जनता अपने खानपान की आदतों को लेकर भी एडवेंचरस है।

चिया के बीज भी पॉपुलर सुपर फूड्स की श्रेणी में शामिल हैं। वैसे तो ये स्वाद रहित होते हैं लेकिन जब इन्हें सही ढंग से पकाया जाता है तो ये आसानी से पच जाते हैं। एनर्जी बूस्टिंग पाउडर के तौर पर ये कमाल के हैं। हालिया शोध तो चिया के बीजों को टाइप 2 डायबिटीज खत्म करने के लिए कारगर मानते हैं। चिया मेक्सिको से आते हैं, जिसका अर्थ ताकत से है। चिया को रनर्स फूड भी कहा जाता है क्योंकि लंबी दौड़ में चिया का इस्तेमाल ऊर्जा स्रोत के तौर पर किया जाता है। कहा जाता है कि केवल एक चम्मच चिया उन्हें 24 घंटे तक ऊर्जावान बनाए रखने में कारगर है। एंटीऑक्सिडेंट, एंटी सन्फ्लेमेट्री, एंटी कैंसर गुण होने के कारण चिया के सेवन का प्रचलन अपने देश में भी बढ़ता जा रहा है। यह एक कंम्प्लीट प्रोटीन भी है क्योंकि इसमें नौ जरूरी अमिनो एसिड हैं। स्वस्थ पाचन तंत्र के लिए आवश्यक 20 फीसद सॉल्युबल फाइबर और 80 फीसद इनसॉल्युबल फाइबर भी इसमें हैं। यह ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखता है, क्रेविंग को कम करता है और लंबे समय तक आपके पेट को भरा महसूस कराता है। क्विनोआ पोषण का दोगुना पंच देता है क्योंकि

इसमें फाइबर और प्रोटीन दोनों पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। यह ग्लूटेन मुक्त होने के साथ कंप्लीट प्रोटीन भी है। यह मूलतः एक बीज है, जिसे अनाज के तौर पर खाया जाता है। क्विनोआ तीन तरह के होते हैं- सफेद, लाल और काला। इसे अमूमन ऑर्गेनिक तौर पर ही उगाया जाता है। इसमें फ्लेवेनॉयड्स होता है, जो एंटीऑक्सिडेंट की तरह काम करता है। अन्य अनाजों की तुलना में क्विनोआ में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। क्विनोआ का ग्लाइसेमिक इंडेक्स करीब 53 है, जो काफी कम है। शोध यह भी बताते हैं कि क्विनोआ मेटाबोलिक स्वास्थ्य को बढ़ाने में लाभदायक है। वजन कम करने की कोशिश में लगे लोगों के लिए क्विनोआ फायदेमंद है क्योंकि वजन कम करने के लिए हमें कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए।

अलसी के बीज सालों से हमारे आस-पास ही हैं और एग्जॉटिक नहीं है, इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि यह हमारे संतुलित आहार के लिए पर्याप्त नहीं। सच तो यह है कि अलसी के बीज कमाल के होते हैं! यह न केवल कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करता है बल्कि इसमें एंटीऑक्सिडेंट्स का बड़ा भाग होता है। इसे लिग्नैन्स कहा जाता है, जिसमें कैंसर से लडने़ के गुण मौजूद हैं। साथ ही यह हार्मोन्स को भी संतुलित करने में मददगार हैं। यह सॉल्युबल और इनसॉल्युबल फाइबर का बेहतरीन स्रोत हैं, जिसका अर्थ है कि यह रोजाना की ऊर्जा और वजन कम करने में लाभदायक हैं। अलसी के बीजों की खासियत यह है कि ये किसी भी डिश में आसानी से घुल-मिल जाते हैं। चाहें तो इन्हें ओटमील पर छिड़क लीजिए या ग्रैनोला में या दही पर या अपने स्मूदी में मिला लीजिए।

नाखून से बढ़ती है हाथों की खूबसूरती

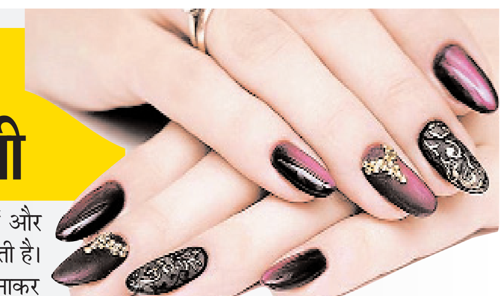

नाखून अगर खूबसूरत हों, पूरी तरह शेप में हों और मजबूत हों तो हाथों की खूबसूरती और बढ़ जाती है। लंबे नाखूनों को आप तरह-तरह के नेल आर्ट बनाकर सजा भी सकती हैं। इसी कारण लंबे और खूबसूरत नाखून पर किसी की चाहत होती है पर बहुत सी लड़कियों को ये शिकायत होती है कि उनके नाखून बढ़ने के साथ ही टूट जाते हैं। ऐसे में कभी भी वो परफेक्ट शेप मिल ही नहीं पाती जिसकी उम्मीद होती है। पर क्या आपने कभी ये सोचा है कि नाखून टूटते क्यों हैं? कई बार हॉर्मोनल कारणों की वजह से तो कई बार पोषण की कमी के चलते नाखून टूट जाते हैं। प्राकृतिक उपायों के जरिये आप नाखूनों को ठीक कर सकती हैं। लहसुन की एक कली लें, उसके छिलके उतार दें। कली को बीच में से काट ले और इसे अपने नाखूनों पर 10 मिनट तक रगड़ें। ऐसा करने के 10 दिन के भीतर ही वह मजबूत होने लगेंगे। अंडे के सफेद हिस्से को एक कटोरी में निकाल लें। इसमें दो चम्मच संतरे का रस मिला लें। इस घोल को अपने नाखूनों पर 5 मिनट तक लगा कर छोड़ दें. इसमें विटामिन सी होता है जो कोलजिन का प्रोडक्शन करता है जिससे नाखून मजबूत बनते हैं। अपने नाखूनों पर जैतून का तेल लगा कर मालिश करें। इसमें विटामिन ई होता है जो नाखूनों को पोषण प्रदान करता है जिससे नाखून तेजी से बढ़ते हैं। नारियल तेल से नाखूनों की मसाज करने पर फायदा होता है। एक चम्मच घिसा लहसुन लें और उसमें एक चम्मच वेनिगर मिलाएं। इसे अपने नाखूनों पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद हाथों को साफ पानी से धो लें।

इस प्रकार करें ब्यूटी प्रोडक्ट का बेहतर इस्तेमाल

खूबसूरती निखारने आप घरेलु नुस्खे भी आजमा सकती हैं। हमेशा महंगे उत्पाद खरीदने की जरुरत नहीं है। मस्कारा व आईलाइनर सूख जाए या फिर खत्म होने की स्थिति में हो तो उसे हल्के गर्म पानी में रखें या कॉन्टेक्ट लेंस सॉल्यूशन की कुछ बूंदे डालकर उनको आप एक बार फिर इस्तेमाल कर सकती हैं। मेकअप हटाने के लिए रिमूवर व क्लीजिंग मिल्क की जगह नारियल तेल , बेबी ऑयल या फिर दूध का उपयोग किया जा सकता है। फाउंडेशन वाला स्पंज अगर खराब हो गया है तो ब्रश से भी फाउंडेशन लगा सकती हैं। ब्रश से उसे फैलाएं, फिर टिश्यू पेपर को हल्का गीला करके उसको एक सार करें। डार्क शेड के फाउंडेशन को अपनी स्किन टोन से मिलाने के लिए फाउंडेशन और मॉइश्चराइजर के साथ इसे मिलाएं। लिप बाम बनाने के लिए बची हुए लिपस्टिक किसी स्टिक से निकाल लें फिर उसे माइक्रोवेव में मेल्ट कर लें। फिर उसे एक बाउल में निकाल लें। फिर इसे लिप बाम की तरह इस्तेमाल करें। स्क्रब खत्म हो जाए तो नया स्क्रब खरीदने की जगह ब्राउन शुगर और शहद को आपस में मिला कर स्क्रब बनाएं।

गालों की ललिमा को बनाए रखने के लिए ब्लशऑन की जगह पिंक लिपस्टिक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर बॉक्स में ड्राई आईशैडो टूट गया है तो इसे जोडने् के लिए उसमें एल्कोहल की कुछ बूंदें डालकर मिलाएं और उसी डिब्बी में जमा कर रखें।टूटे कॉम्पेक्ट को एक डिब्बी में एक साथ रख लें। फिर उसे इस्तेमाल करें।टूटी हुई लिपस्टिक को जोडने् के लिए उसे थोड़ा गर्म करे या फिर हेयर ड्रायर चला कर टूटे हिस्सों को जोड़ दें।

इस प्रकार आप से नहीं हटेंगी लोगों की नजरें

सुंदर के लिए अपनायें ये तरीके। इस प्रकार आप अपनी सुंदरता को बढ़ा सकती हैं। आंखों की सुंदरता के लिए गोल्ड आई शैडो का प्रयोग करें। आंखों पर गहरे रंग के आई पेंसिल का प्रयोग करें। आप इलेक्ट्रिक ब्लर आईलाइनर के इस्तेमाल करने से भी अच्छा लुक पा सकती हैं1 रात के समय ब्लशर रंगों का होठों के रंगों से मेल जरूरी नहीं है, लेकिन टोन का रंग सामान्यता एक जैसा होना चाहिए। यदि आपने नारंगी लिपस्टिक लगाई है तो गुलाबी ब्लश से दूर रहिए। आप लिपस्टिक में लाल गहरे लाल रंग की शेड की लिपस्टिक का प्रयोग कर सकती हैं। गहरा गुलाबी रंग भी काफी आकर्षक लगेगा। ज्यादातर त्वचा के रंगों में नारंगी शेड भी काफी सराही जाती है। उमस भरे मौसम में 3डी लुक पाने के लिए फेस पर ब्रांजिंग और हाइलाइटिंग बहुत जरूरी है। इसके साथ ही फेस पर बेस ब्लेंडेड करना भी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टोनिंग भी बेहद अनिवार्य है। इसके लिए आप किसी मलमल के कपड़े में बर्फ डालकर अपने चेहरे पर हल्के-हल्के से मल सकती हैं। इससे पोर्स तो बंद हो ही जाएंगे और मेकअप भी देर तक टिका रहेगा। अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप मॉइश्चराइजिंग लोशन से कुछ मिनट तक हल्के-हल्के मसाज कर सकती हैं। अपनी त्वचा से अनचाहे दाग-धब्बे छुपाने के लिए कंसीलर का यूज कर सकती हैं। कंसीलर को अपनी उंगली में लेकर प्रभावित स्थान पर हल्के से थपथपा कर लगाएं, जिससे कंसीलर आपकी स्किन में अच्छे से समा जाए। अगर आपकी ड्रेस ज्यादा भारी नहीं है तो बहुत डार्क मेकअप ना करें, बल्कि लिपस्टिक और आई शेड्स में हल्के रंगों के उपयोग करें। आंखों पर मस्कारा लगाएं। आप लिक्विड काजल की जगह पेंसिल वाला काजल भी इस्तेमाल कर सकती हैं।अगर आपकी ड्रेस हैवी है तो लिक्विड काजल का इस्तेमाल करें और मस्कारा लगाएं। साथ ही लिपस्टिक और आई शेड्स डार्क गहरे रंग के इस्तेमाल करें। चाहें तो होठों के लिए लिक्विड लिप ग्लॉस का उपयोग भी कर सकती हैं। ड्रेस के बाद बारी आती है हेयर स्टाइल की। आप चाहे कितना भी अच्छा मेकअप कर लें या ज्वेलरी पहने जब तक आपका हेयर स्टाइल सही नहीं है आपका लुक परफेक्ट नहीं लग सकता।

दीपिका पादुकोण ने स्पिरिट के लिए मांगी 20 करोड़ फीस

बॉलीवुड की सुपरस्टार दीपिका पादुकोण बीते साल 2024 में प्रभास के साथ तेलुगू में बनी पैन इंडिया रिलीज कल्कि 2898एडी में नजर आई थीं। फिर वह रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन में डीसीपी शक्ति शेट्टी बनकर धुआंधार एक्शन करती नजर आईं। अब आगे वह शाहरुख खान के साथ जहां किंग में नजर आएंगी, वहीं खबर है कि उन्हें प्रभास के साथ एक बार फिर से स्पिरिट में कास्ट किया गया है। और तो और, एनिमल फेम संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म के लिए दीपिका ने इतनी तगड़ी फीस ली है कि वह सुर्खियों में आ गई हैं!

दीपिका पादुकोण बीते साल 8 सितंबर 2024 को मां बनी हैं। वह इन दिनों बेटी दुआ की परवरिश में वक्त दे रही हैं। इस बीच रिपोर्ट में बताया गया है कि संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें प्रभास के अपोजिट स्पिरिट में कास्ट किया है। यह पर्दे पर मां बनने के बाद उनकी कमबैक फिल्म होगी। रिपोर्ट में फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से कहा गया है कि दीपिका को इस फिल्म के लिए उनके करियर की सबसे अधिक फीस मिल रही है।

दीपिका ने स्पिरिट के लिए ली है 20 करोड़ फीस!

हालांकि, सटीक आंकड़े की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इनसाइडर रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि दीपिका पादुकोण को स्पिरिट के लिए करीब 20 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। यदि यह सच है, तो दीपिका भारतीय सिनेमा में सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस बन जाएंगी।

देश की सबसे महंगी एक्ट्रेस में रश्मिका, प्रियंका, आलिया का भी नाम

देश में सबसे मोटी फीस लेने वाली एक्ट्रेसस में इस वक्त रश्मिका मंदाना से प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट जैसी एक्ट्रेसेस का नाम शुमार है। फिल्हाल, टॉप एक्ट्रेसेस की फीस 10-15 करोड़ के बीच है। लेकिन दीपिका की 20 करोड़ की फीस इस मायने में एक नया बेंचमार्क है। हालांकि, इस फीस की चर्चा ऐसे समय में भी हो रही है, जब कई दिग्गज फिल्ममेकर्स एक्टर्स की बढ़ती फीस को लेकर चिंता जता चुके हैं।

दीपिका ने दी हैं हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में

वैसे, दीपिका पादुकोण की फीस का बढ़ना कोई आश्चर्य नहीं है। ऐसा इसलिए कि उनकी झोली में पद्मावत, बाजीराव मस्तानी पीकू, ये जवानी है दीवानी और जवान जैसी हिट, सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि दीपिका इस वक्त इंडस्ट्री की सबसे काबिल और सबसे भरोसेमंद स्टार हैं।

जून-जुलाई में शुरू हो जाएगी स्पिरिट की शूटिंग

जहां तक स्पिरिट की बात है, तो प्रभास और दीपिका के साथ संदीप रेड्डी वांगा इसे ग्रैंड लेवर पर बना रहे हैं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म बताई जा रही है, जिसे पैन इंडिया रिलीज किया जाएगा। स्पिरिट की शूटिंग 2025 में जून-जुलाई के आसपास शुरू हो सकती है। प्रभास-दीपिका की पिछली फिल्म कल्कि - 2898एडी ने बॉक्स ऑफिस पर देश में 646.31 करोड़ का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 1042.25 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

पंचायत 4 के सभी पहलू लोगों को हंसाएंगे और रुलाएंगे भी...

फैसल मलिक इन दिनों अपनी अगली वेब सीरीज पंचायत 4 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस सीरीज का टीजर रिलीज हुआ है। पंचायत में किरदार ऐसे लिखे गए हैं जिनसे लोग खुद को जोड़ लेते हैं। वो सीधा-सादा इंसान किसी को भी अपने पापा या चाचा जैसा लग सकता है। यही कॉमेडी और इमोशन का मेल है जो पंचायत को खास बनाता है।
पंचायत देखकर गांव वाले सराहते हैं या नाराज होते हैं?
गांव वाले बहुत प्यारे लोग हैं। शूटिंग के दौरान खाना खिलाते हैं, मदद करते हैं। अब तो पहचान भी गए हैं कि हम ढाई महीने वहीं रहेंगे। इसलिए एक अपनापन लगता है उनके बीच।

पंचायत 4 में क्या नया है?

इस बार तो धमाल है! जब पहला सीजन बना था तब नहीं सोचा था इतना चलेगा, 2 बना तो उससे ज्यादा चला, 3 ने दोनों को पीछे छोड़ा। 4 में तो सबकुछ है। कहानी, डायरेक्शन और इमोशन, सभी का लेवल अप है। अब इस सीरीज को लोग खुद वायरल कर देते हैं, हमें खुद नहीं पता चलता कि सीरीज का कौनसा सीन कितना बड़ा हिट हो गया। इस बार के सीजन में सभी पहलू दर्शकों को हसाएंगे और रुलाएंगे भी। ये सीजन भी सभी के साथ कनेक्ट करेगा।

केसरी चैप्टर 2 की कामयाबी से मजबूत हुईं अनन्या पांडे, लेना चाहती हैं ये जोखिम

अभिनेत्री अनन्या पांडे को हाल ही में फिल्म केसरी चैप्टर 2 में देखा गया था। उन्होंने कहा है कि वह और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण रोल अदा करने के लिए तैयार हैं। अनन्या ने साल 2019 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद वह गहराइयां और सीटीआरएल जैसी में नजर आईं। हर फिल्म में उनकी अलग काबिलियत दिखाई दी है।

अधिक चुनौतीपूर्ण फिल्में करना चाहती हैं अनन्या

फिल्म कंपेनियन से बातचीत में अन्नया पांडे ने कहा मुझे लगता है कि पहले हमने भले बदहवासी में फैसला किया हो लेकिन अब पूरे होश व हवास में फैसला किया है। मैं नहीं चाहती कि मैं जैसी दिखती हूं उसी तरह जानी जाऊं। मैं गहराई में उतरना चाहती हूं। मैं अपने आपको धक्का देना चाहती हूं। मैंने महसूस किया है कि कई प्रोजेक्ट में काम करने के बाद मैं वापस नहीं जाना चाहती।
एक शैली में सीमित नहीं रहना चाहती अनन्या
अनन्या पांडे चुनौतीपूर्ण किरदारों के साथ प्रयोग करना चाहती हैं। पति पत्नी और वो और ओटीटी सीरीज कॉल मी बे में काम करने के बाद, अनन्या को लगता है कि अगर वह सिर्फ एक शैली तक ही सीमित रहती हैं, तो यह उनके फैंस के साथ अन्याय होगा।
अनन्या की पिछली फिल्म के बारे में
अनन्या पांडे ने हाल ही में रिलीज हुई केसरी चैप्टर 2 में अपने प्रदर्शन के लिए प्रशंसकों और आलोचकों दोनों से तारीफें लूटी हैं। फिल्म में उन्होंने दिग्गज अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिलरीत गिल की भूमिका निभाई है। फिल्म में आर माधवन भी हैं। फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी ने किया है। ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही है। फिल्म ने पहले तीन हफ्तों में लगभग 81.5 करोड़ रुपये कमाए हैं।

राधिका आप्टे की सिस्टर मिडनाइट सिनेमाघरों में होगी रिलीज

अभिनेत्री राधिका आप्टे की बाफ्टा नॉमिनेटेड फिल्म सिस्टर मिडनाइट 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का लेखन और निर्देशन करण कंधारी ने किया है। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म है। इसका निर्माण एलेस्टेयर क्लार्क, एना ग्रिफिन और एलन मैकएलेक्स द्वारा किया गया है।
फिल्म की कहानी राधिका आप्टे के किरदार के आस-पास घूमती है। नवविवाहित उमा (राधिका आप्टे) अपने पति गोपाल (अशोक पाठक) के साथ जीवन में सामंजस्य बैठाने की कोशिश करती है। मुंबई में एक छोटे से कमरे में साथ रहना उसके लिए आसान नहीं है। खासकर तब जब गोपाल घंटों गायब रहता है। बेमन से वह पड़ोसी शीतल (छाया कदम) की मदद से खाना बनाना सीखती है। इसके बाद गोपाल के चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के बाद असंतुष्ट उमा के लिए चीजें बदल जाती हैं। मच्छर के काटने से वह बीमार महसूस करने लगती है, वह पीली और पतली हो जाती है। धीरे-

बाफ्टा में हुई नामांकित

इस साल के बाफ्टा में उत्कृष्ट ब्रिटिश डेब्यू के लिए नामांकित 'सिस्टर मिडनाइट' 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में सबसे चर्चित फिल्म थी। यह फिल्म गोल्डन कैमरा पुरस्कार और डायरेक्टर्स फोर्टनाइट के लिए नामांकित की गई थी। ब्रिटिश इंडिपेंडेंट फिल्म अवार्ड्स (ब्इ्व्र) के लिए भी यह नामांकित हुई थी। 'सिस्टर मिडनाइट' ने ऑस्टिन के फैंटास्टिक फेस्ट में नेक्स्ट वेव अवार्ड में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार भी जीता।

ऐसी फिल्म करना चाहता था, जिससे सम्मान मिले

वेटरन एक्टर आदित्य पंचोली के बेटे और अभिनेता सूरज पंचोली इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'केसरी वीर' को लेकर चर्चाओं में बने हैं। फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली। इस बीच सूरज पंचोली ने अपने करियर को लेकर बात की। साथ ही अभिनेत्री जिया खान की मौत के मामले के बाद आई मुश्किलों पर भी खुलकर बात की। बातचीत में सूरज पंचोली ने कहा, मैं कई स्क्रिप्ट सुन रहा था, लेकिन मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था जिससे मुझे सम्मान मिले। जो भी कैमरे के पीछे या सामने काम करता है, वे सभी बहुत मेहनत करते हैं। जब आपके काम की सराहना नहीं होती है, तो आप वास्तव में निराश महसूस करते हैं। इसलिए मैं ऐसी फिल्म करना चाहता था, जिसके बारे में लोग कहें कि ठीक है, शायद सूरज सक्षम है।
'केसरी वीर' को मैंने खुले दिमाग से किया
अभिनेता ने आगे कहा, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले अपनी जिंदगी को पटरी पर लाना चाहता था। मैं एक दिन बैठा और अपने माता-पिता से बात की। मैंने कहा कि मुझे यह काम पूरा करने दीजिए, मैं बाद में काम करूंगा। मैं जो चाहूंगा करूंगा, लेकिन पहले मुझे यह काम पूरा करने दीजिए। भगवान का शुक्र है कि मैं यह सब अब कर चुका हूं। 'केसरी वीर' पहली फिल्म है जिसे मैंने नए, खुले और केंद्रित दिमाग से किया है। मैं केवल इस बात पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं कि कैसे प्रदर्शन करना है। अच्छी चीजों में समय लगता है। अथिया शेट्टी के साथ फिल्म 'हीरो' से अपने करियर की शुरूआत करने वाले सूरज पंचोली अब 'केसरी वीर' में अथिया के पिता सुनील शेट्टी के साथ नजर आ रहे हैं। इस पर सूरज का कहना है, अथिया ने 'हीरो' में मेरे पिता के साथ काम किया और अब मैं सुनील सर के साथ काम कर रहा हूं। इसलिए, यह सब वापस आ रहा है। मेरे लिए अपने जीवन को फिर से शुरू करने के लिए इस फिल्म से बेहतर कुछ नहीं है।

23 मई को रिलीज होगी 'केसरी वीर'

'केसरी वीर' में सूरच पंचोली के साथ सुनील शेट्टी, आकांक्षा शर्मा और विवेक ओबेरॉय भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। प्रिंस धीमन द्वारा निर्देशित यह फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

मुझे अचानक स्टार प्लस से एक हजारों के लिए लॉक कर दिया

निया शर्मा इन दिनों निया लाफ्टर शेफ्स 2 में जमकर लोगों का मनोरंजन कर रही हैं। हालांकि यहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी जद्दोजहद की है। उन्होंने अपनी लाइफ के स्ट्रगल का किस्सा खुद सुनाया था और बताया था कि शुरुआती दिनों में वो किस तरह के घर में रही हैं। निया ने कहा कि सच ये है कि उन्हें एक्टिंग में आना ही नहीं था। उन्होंने एक बार भारती और हर्ष लिंबाचिया के चैट शो पर कहा कि उन्हें जर्नलिज्म स्टूडेंट बनना था तो हिंदी इंग्लिश में अपना कैमरा उठाकर माइक पर बोलना शुरू किया। निया शर्मा ने कहा, हमेशा से ये सब करती थी मैं स्टेज वगैरह पर। मुझे जर्नलिज्म में ही जाना था तो उसके लिए मैं इधर-उधर जाती रहती थी इंटर्नशिप कर ली, कहीं कुछ कर ली।

दिल्ली वापस जाकर कुछ और करने का था प्लान

इस थ्रोबैक चैट पर उन्होंने कहा था, हर्ष, आप बिलीव नहीं करोगे, मेरा वही ऑडिशन हो गया और वो मेरे को मुंबई ऑडिशन बुलाए, फर्स्ट सेकंड होगा, मैंने उतने ऑडिशन दिए भी नहीं। एक हजारों ..नहीं वो काली एक अग्नि परीक्षा के लिए था, जिसमें आशुतोष राणा थे। वो कोई रियल स्टोरी थी,मेरा मम्मी ने जाने दिया, स्टार प्लस का शो था तो कौन मना करेगा। तो मै आ गई, सोचा 6 महीने के बाद वापस दिल्ली जाकर अपना पोस्ट ग्रैजुएशन करूंगी और जर्नलिज्म बीसीए, एमसीए होता है वो करूंगी। उन्होंने आगे कहा, मैंने वापस जा रही थी, मम्मी के लिए गिफ्ट खरीद लिए, सब हो गया तो मुझे अचानक स्टार प्लस से एक हजारों के लिए लॉक कर दिया सेकंड ऑडिशन मैंने कब दिया होगा याद भी नहीं। मेरा टिकट कैंसिल हुआ दिल्ली का। वो शो एक साल से पाइपलाइन में था।

मैंने स्क्रैच से स्टार्ट किया, उस घर में रही जहां सामने बेड था

अपनी को-स्टार क्रिस्टल के बारे में बातें करते हुए निया ने कहा, उसके पास गाड़ी भी थी, मैं एक रेंटेड अपार्टमेंट में पीजी में रहती थी तब एक रूम वाले फ्लैट में। फोर्थ फ्लोर पर, लिफ्ट भी नहीं थी उसमें, पॉट भी इंडियन था। इमैजिन भी नहीं कर सकते। मैंने स्क्रैच से स्टार्ट किया। मैं वैसे भी घरों में रही हूं जहां पे दरवाजा खुलते ही सामने मेरा बेड था।, जो ओनर थे उसका वन रूम किचन में उसका रूम था। मैं सामने सो रही होती थी यार गेट खुलते ही इतने से बेड पर, मैं ऐसे पीजी में भी रही हूं। उन्होंने कहा, वो पूरी-पूरी रात पार्टीज़ करती थी अपने 80 हजार फ्रेंड्स लेकर आती थी उस घर में, मुझे सुबह वापस साढ़े 8 बजे मुझे सेट पर जाना होता था, 3 बजे मुझे छोड़ते थे, मुझे सिर्फ 4 घंटे की नींद होती थी जिसमें से वे पार्टी किया करते, मैं बालकनी में बैठकर रोई हूं।

ज़ायद खान की ओटीटी पर धमाकेदार डेब्यू होने का वादा

बॉलीवुड अभिनेता ज़ायद खान अपनी बहुप्रतीक्षित फ़िल्म द फ़िल्म दैट नेवर वाज़ के साथ ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मोहित श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म अपने अनोखे विज़न और अभूतपूर्व हास्य की गारंटी के चलते पहले से ही चर्चा में है। फिल्म में लगभग 22 बॉलीवुड सितारों के कैमियो होने की चर्चाओं ने फिल्म प्रेमियों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, जो ज़ायद को उनके अब तक के करियर से बिल्कुल अलग भूमिका में देखने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 'द फिल्म दैट नेवर वाज़' की खासियत सिर्फ इसके सितारों से सजी कास्ट में ही नहीं है, बल्कि इसके चारों ओर फैले रहस्य में भी है। फिल्म के बारे में जानकारियाँ बेहद गोपनीय रखी जा रही हैं, जिससे दर्शकों की जिज्ञासा और भी बढ़ गई है। ज़ायद ने खुद इशारा किया है कि उनका किरदार, इस फिल्म में जिसे शॉर्ट में TFTNW कहा जा रहा है, उनके लिए पूरी तरह नया और चुनौतीपूर्ण है। इससे साफ होता है कि फिल्म में उनका रूपांतरण कुछ ऐसा होगा जिसे देखने के लिए दर्शक बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। यह फिल्म सिर्फ एक हास्य फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी प्रतीत हो रही है, जो दर्शकों के दिल को भी छू सकती है।

ब्रीफ न्यूज

सकल सोनी समाज ने सांसद प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा

अशोकनगर। सकल सोनी समाज द्वारा बीते दिनों समाज के दो सोनी भाइयों द्वारा कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या करने के मामले में कार्रवाई हेतु क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के अशोक नगर स्थित सांसद कार्यालय पर सांसद प्रतिनिधि संजीव जैन भारिल्ल के माध्यम से क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के नाम एक ज्ञापन दिया गया। उक्त संदर्भ में प्रतिनिधि द्वारा ज्ञापन प्राप्त कर सोनी समाज के अध्यक्ष और सांसद सिंधिया के निजी सचिव से दूरभाष पर चर्चा कराई गई। जिसमें निज सचिव ने कहा कि इस मामले में श्री सिंधिया पीड़ित परिवार की हर संभव मदद करेंगे। और इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ है।

संघर्ष रंग लाया: गरीब रथ कॉलोनी में शुरू हुआ बोर खनन, वर्षों पुरानी पानी की समस्या के समाधान की ओर बढ़ा कदम

अशोकनगर। गरीब रथ कॉलोनी के रहवासियों के संघर्ष ने आखिरकार प्रशासन को झुकने पर मजबूर कर दिया। वर्षों से पेयजल संकट से जूझ रही इस कॉलोनी में अब उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी है। बिजली, पानी, सड़क संघर्ष समिति के बैनर तले रहवासियों द्वारा लगातार दिए जा रहे ज्ञापनों और आंदोलनों के बाद सोमवार सुबह प्रशासन ने कॉलोनी में बोर खनन की प्रक्रिया शुरू करवाई। दरअसल, 14 मई को समिति के प्रतिनिधियों और कॉलोनीवासियों ने अपर कलेक्टर मुकेश कुमार शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें पानी, बिजली और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग की गई थी। ज्ञापन मिलने के बाद अपर कलेक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को बुलाकर दिशा-निर्देश दिए थे। अधिकारियों को समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया था। रहवासियों के अनुसार, कॉलोनी में लंबे समय से पानी की भारी किल्लत बनी हुई थी। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी विकट हो जाती थी। कुंये सूख चुके थे, लोग दूर-दराज के इलाकों से पानी लाने को मजबूर थे। सविता प्रजापति, जो कॉलोनी की रहवासी हैं, ने बताया, ÷हमने कई बार प्रशासन से गुहार लगाई थी, लेकिन हर बार आश्वासन ही मिला। अब जाकर बोरिंग का कार्य शुरू हुआ है, जिससे थोड़ी राहत मिलेगी। कॉलोनी की ही मनोज बाई केवट ने कहा, ÷यह हमारी जीत है। हम सबने मिलकर संघर्ष किया, तब जाकर प्रशासन ने हमारी सुनी। मगर अभी भी सड़क और बिजली की समस्या जस की तस है। जब तक ये भी नहीं सुधरतीं, हम चुप नहीं बैठेंगे। संघर्ष समिति के सदस्यों ने बताया कि यह तो केवल एक शुरुआत है। कॉलोनी में अभी भी सड़कें बदहाल हैं और बिजली की आपूर्ति अनियमित बनी हुई है और कॉलोनी में नालियाँ भी नहीं बनी हैं रात के समय अंधेरे में रहवासियों को चलना तक मुश्किल होता है। समिति ने स्पष्ट किया कि जब तक सभी मूलभूत सुविधाएं पूरी नहीं हो जातीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में संचालित की जा रही अनेक गतिविधियां

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. के निदेर्शानुसार सीहोर जिले मे 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले भर में जल संरक्षण से संबंधित अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए दीवार लेखन, जागरूकता रैली, पोस्टर बैनर, रंगोली, ग्राम सभाएं, कलश यात्राएं, शपथ सहित अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के तहत जिले के अनेक ग्रामों में कूप मरम्मत, तालाब जीर्णोद्धार, डैम की साफ-सफाई सहित अनेक कार्य किए जा रहे हैं तथा नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन से संबंधित खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जनभागीदारी से जल संरक्षण तथा संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अन्तर्गत समाज की भागीदारी तथा और विभिन्न सहयोगी विभागो की समेकित पहल से मुख्यत जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से जल संग्रहण संरचनाओं की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करना है। इसके साथ ही जल स्त्रोत में प्रदूर्षण कम करना, साफ सफाई करना, पौधरोपण के कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही जल संरक्षण एवं जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

ग्राम पंचायत मथनेर में मनरेगा के तहत भारी गड़बड़ी, काम सिर्फ कागजों पर

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

ग्राम पंचायत मथनेर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत भारी भ्रष्टाचार का मामला उजागर हुआ है। जमीनी हकीकत और पोर्टल पर दर्ज आंकड़ों में भारी अंतर देखने को मिला है, जिससे साफ होता है कि काम कागजों तक ही सीमित है। मनरेगा पोर्टल के अनुसार पंचायत में आज की तारीख में 89 मजदूर कार्यरत हैं। जिन कार्यों में इन मजदूरों की उपस्थिति दर्ज है, उनमें दो पीएम आवास, सार्वजनिक कूप निर्माण, हितग्राही कूप निर्माण और सुदूर सड़क निर्माण शामिल हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि सार्वजनिक कूप का निर्माण करीब 10 दिन पहले मशीन से पूरा कर लिया गया है। वहीं, सुदूर सड़क का कार्य अधूरा है और विवाद के चलते रोक दिया गया है। इसके बावजूद पोर्टल पर कार्य निरंतर जारी दिखाया गया है।

मशीनों से कराए जा रहे काम

मनरेगा के तहत जिन कार्यों में केवल मानव श्रम का उपयोग होना चाहिए, वहां खुलेआम मशीनों से काम कराया गया है। यह नियमों का खुला उल्लंघन है।

पूरे तंत्र पर सवालिया निशान

इस पूरे मामले में सरपंच, पंचायत सचिव और तकनीकी सहायक की मिलीभगत सामने आ रही है। इन पर मनरेगा के फंड में फर्जीवाड़ा कर सरकारी धन की बंदरबांट का आरोप है। यह मामला भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कार्रवाई योग्य है।

प्रवेंद्र अहिरवार इंदौर में, फिर भी दर्ज हुई हाजिरी

जब ग्रामीणों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि प्रवेंद्र अहिरवार नामक मजदूर पिछले चार महीने से इंदौर में एक निजी कंपनी में काम कर रहा है। इसके बावजूद उसकी उपस्थिति मनरेगा कार्य में दर्शाई गई है। जब इस बारे में रोजगार सहायक से पूछा गया, तो उन्होंने अनभिज्ञता जाहिर की। पंचायत सचिव ने भी खुद को मामले से पूरी तरह अनभिज्ञ बताया और सारा जिम्मा सरपंच और रोजगार सहायक पर डाल दिया। सूत्रों के अनुसार सार्वजनिक कूप निर्माण शांतिधाम के पास और सुदूर सड़क मथनेर से कुढई की ओर कार्यों में एक ही फोटो को कई बार अपलोड कर अलग-अलग कामों के रूप में दिखाया गया है। तकनीकी घोटाले की ओर साफ इशारा करता है।

फर्जी मजदूरों की भरमार

मजदूरी की सूची में जिन नामों को दर्शाया गया है, उनमें से कई लोग मौके पर मौजूद ही नहीं थे। कुछ नाम इस प्रकार हैं- गजम सिंह, बुंदेल सिंह, जिलान सिंह, श्रीराम/गंगाराम, शिवराज सिंह यादव, बृजेंद्र/सरुप, हीरालाल, मोहन सिंह/दिमान सिंह, देवेंद्र/कप्तान सिंह, शत्रुघ्न/वीर सिंह और कारण सिंह/गजराज स्थानीय लोगों के अनुसार, ये लोग वास्तव में मजदूरी नहीं कर रहे हैं, फिर भी उनकी उपस्थिति दर्ज की गई है।

फूलों के सेहरे में दूल्हे जैसे नजर आए बाबा महाकाल, भस्म आरती में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

उज्जैन। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि और सोमवार के दिन बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि सुबह चार बजे जैसे ही मंदिर के कपाट खुले, पुजारियों ने सबसे पहले गर्भगृह में विराजित सभी देवी-देवताओं की पूजा की। इसके बाद बाबा महाकाल का जलाभिषेक किया गया। जलाभिषेक में दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत का उपयोग हुआ। फिर 'हरि ओम' नाम के जल से अर्पण किया गया और प्रथम घंटाल बजाया गया। जलाभिषेक के बाद कपूर की आरती की गई और बाबा को फूलों की मालाएं पहनाई गई। आज के श्रृंगार की खास बात यह रही कि बाबा को अलग-अलग तरह की फूलों की मालाएं अर्पित की गई, जिससे उनका स्वरूप सेहरे की तरह लग रहा था। पंचामृत स्नान के बाद बाबा का भांग से श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद महाकाल ज्योतिर्लिंग को महानिर्वाणी अखाड़े द्वारा भस्म अर्पित की गई।

पिपलेश्वर महादेव मंदिर समिति के तत्वाधान में भंडारे का आयोजन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

हर साल की तरह इस साल भी शहर के बड़ा बाजार स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर समिति के तत्वाधान में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा, समाजसेवी अखिलेश राय, विधायक सुदेश राय, नरेश मेवाड़ा, मोहितराम पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, सन्नी महाजन, राजीव गुजराती, आशीष गहलोत, मनोज दीक्षित मामा का समिति के अध्यक्ष मनोज जैन, भंडारा समिति के अध्यक्ष सिद्धार्थ सोनी, महेश पारिक, कमलेश पारिक सहित अन्य स्वागत सम्मान किया। भंडारे से पहले समिति के पदाधिकारियों के द्वारा आस्था और उत्साह के साथ सुबह भगवान शिव का विशेष अभिषेक किया और उसके पश्चात रात्रि में महा आरती के पश्चात प्रसादी का वितरण किया। इस मौके पर यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को समिति और श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी का वितरण किया। देर रात्रि तक चल इस भव्य भंडारे में सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी पहुंचे।

गेंहू उपार्जन में अनियमितताएं करने वाले शाखा प्रबंधक के विरूद्ध निलंबन की कार्रवाई

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. ने गेंहू उपार्जन कार्य में अनियमितताएं करने वाले श्यामपुर एमपीडब्ल्र्यएलसी शाखा प्रबंधक श्री प्रेमनारायण केसरिया को निलंबित करने एवं उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए एमपीडब्ल्यूएलसी के प्रबंध संचालक को पत्र लिखा है। उल्लेखनीय है कि श्यामपुर एमपीडब्ल्यूएलसी शाखा प्रबंधक प्रेमनारायण केसरिया द्वारा श्यामपुर क्षेत्रान्तर्गत स्थापित उपार्जन केन्द्रों पर उपार्जन कार्य में कई अनियमितताएं की गई हैं। इसके साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों के निदेर्शों की अवहेलना और शासकीय कार्य के प्रति उदासीनता भी की गई है। इसके लिए उन्हें पहले कारण बताओ नोटिस भी जारी किया जा चुका है, जिसका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया।

जिले के चार वेयरहाउस को ब्लैकलिस्ट करने की कार्यवाही- कलेक्टर बालागुरू के. ने गेंहू उपार्जन कार्य में अनियमितताएं करने वाले 04 वेयर हाउस उपार्जन केंद्रों एवं उनके संचालकों को एक साल रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए ब्लैकलिस्ट करने एवं 15 दिनों का किराया काटने के लिए एमपीडब्ल्र्यएलसी के प्रबंध संचालक को पत्र लिखा है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने वनखेड़ा स्थित श्री बद्रीनाथ वेयरहाउस, छतरपुरा स्थित रामानुज वेयरहाउस, भंवरकला स्थित श्री सिद्धीविनायक वेयरहाउस एवं जावर स्थित सुमित वेयरहाउस उपार्जन केंद्रो के विरूद्ध कार्रवाई करने के लिए प्रबंध संचालक को पत्र लिखा है। उल्लेखनीय है कि वनखेड़ा स्थित श्री बद्रीनाथ वेयरहाउस एवं छतरपुरा स्थित रामानुज वेयरहाउस पर स्थापित उपार्जन केंद्र के संचालकों द्वारा किसानों से निर्धारित तिथि से पहले ही गेहं गोदाम में भण्डारित करा लिया गया। इसी प्रकार जावर स्थित सुमित वेयर हाउस एवं भंवरीकला स्थित श्री सिद्धीविनायक वेयरहाउस पर स्थापित उपार्जन केंद्रो के संचालक द्वारा गेहं खरीदी के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं की गई जिस कारण अव्यवस्थाएं उत्पन्न हुई। इसके साथ ही इन वेयरहाउस संचालकों द्वारा कई अनियमितताएं की गई, जिसके लिए इन्हें पहले कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया। इन कारण बताओ नोटिस का इन संचालकों द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

थोक सब्जी विक्रेताओं ने किया नपाध्यक्ष,परिषद एवं पूर्व विधायक का सम्मान

स्थायी मंडी की सौगात मिलने पर जताया आभार

अशोकनगर। थोक सब्जी एवं फल विक्रेताओं द्वारा नपाध्यक्ष नीरज मनोरिया,सम्पूर्ण परिषद के सम्मान में रविवार को सब्जी मंडी प्रांगण में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विक्रेताओं ने मंडी के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध कराए जाने पर हर्ष और कृतज्ञता व्यक्त की। विक्रेताओं ने कहा कि वर्षों से वे एक स्थायी स्थान के अभाव में परेशान थे। शासन द्वारा लगातार स्थान परिवर्तन किए जाते रहे,जिससे व्यवसाय में अस्थिरता बनी रही। लेकिन नगर पालिका परिषद द्वारा पारित प्रस्ताव एवं अध्यक्ष नीरज मनोरिया के नेतृत्व में उन्हें एक सुव्यवस्थित, स्थायी स्थान प्राप्त हुआ, जिससे उनका व्यवसाय सुचारु रूप से संचालित हो सकेगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी का भी विशेष रूप से सम्मान किया गया, जिन्होंने विक्रेताओं के हित में सदैव समर्थन किया।

ग्राम पंचायत पौरुखेड़ी में मनरेगा सहित अन्य निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार

- गरीबों का हक लूटने वालों पर आखिर कब होगी कार्रवाई?
- पोर्टल पर फर्जी काम,मजदूर चढ़ाकर, फर्जी फोटो अपलोड कर निकाल रहे लाखों की राशि

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जिले की जनपद पंचायत ईसागढ़ की ग्राम पंचायत पौरुखेड़ी में मनरेगा सहित अन्य निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार चल रहा है। पंचायत के सरपंच सचिव रोजगार सहायक मिलकर पोर्टल पर फर्जी काम मजदूर चढ़कर तथा फर्जी फोटो अपलोड कर शासन की लाखों की राशि निकालकर हड़प रहे हैं और गरीबों का हक लूट रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि गरीबों का हक लूटने वालों पर आखिर कब करवाई होगी।

8 कुटीर 1 खेत तालाब के लिए डाली 78 की डिमांड

सोमवार को ग्राम पंचायत पौरुखेड़ी में में मनरेगा के तहत पोर्टल पर 09 काम, जिसमें 8 कुटीर, एक खेत तालाब निर्माण कार्य रामजीलाल बलदेव जाटव के यहां चढ़ाए गए। जिसके लिए 78 मजदूर डिमांड पर और गत एक ही फोटो कई बार को अपलोड किया गया जिसमें 70 मजदूर एक ही काम पर लगे हुए थे,फोटो भी एक ही काम पर चल रहा था, रज्जन आदिवासी के खेत के पास, खेत तालाब निर्माण कार्य पर लगे हुए थे, प्रेजेंट भी डाल दी। जब मौके पर जाकर देखा,तो वहां एक भी मजदूर नहीं था। इससे साफ तौर पर मनरेगा में फर्जीवाड़ा उजागर हो रहा है।

सरकारी-निजी एंबुलेंस की फिटनेस जांच, कंडम वाहन होंगे सड़क से बाहर

दमोह। दमोह जिले में पहली बार सरकारी और निजी एंबुलेंस की जांच की जाएगी। जांच के बाद जो एंबुलेंस खराब या अनफिट होंगी, उन्हें सड़क से हटा दिया जाएगा। पिछले समय से इन वाहनों के खराब होने, गलत तरीके से चलने और नियम न मानने की शिकायतें आ रही थीं इसलिए कलेक्टर सुधीर कोचर ने एंबुलेंस की फिटनेस चेक करने के आदेश दिए हैं। परिवहन और स्वास्थ्य विभाग को यह काम पांच जून तक पूरा करने को कहा गया है। इस जांच के बाद करीब बारह से ज्यादा खराब और अनफिट एंबुलेंस सड़क से हटाई जा सकती हैं। दमोह जिले में 40 से ज्यादा निजी एंबुलेंस और इससे भी ज्यादा सरकारी एंबुलेंस काम कर रही हैं। इन में से कई निजी और सरकारी एंबुलेंस की हालत बहुत खराब है।

स्वयं नेत्र परीक्षण के नवाचार का प्रभारी मंत्री ने किया विमोचन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा राष्ट्रीय दृष्टिहीनता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में नवाचार किया गया है। इस नवाचार का पिछड़ा वर्ग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर ने जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में विमोचन किया। इस नवाचार के तहत एक स्वयं नेत्र ज्योति परीक्षण चार्ट तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से कोई भी सामान्य व्यक्ति अपने नेत्रों की ज्योति का परीक्षण स्वयं ही कर सकता है और यह जान सकता है, कि उसे चिकित्सक द्वारा नेत्र परीक्षण कराने की आवश्यकता है या नहीं। कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा किए नवाचार का यह चार्ट सभी स्वास्थ्य संस्थाओं, स्कूलों, शासकीय कार्यालयों के सभागृह, सार्वजनिक स्थल जैसे रेल्वे स्टेशन, बस स्टैंड के प्रतीक्षालय, सामुदायिक भवनों आदि पर उपलब्ध होगा, जहाँ आमजनों द्वारा चार्ट में दिये गये निदेर्शानुसार स्वय अपने नेत्रों की ज्योति का परीक्षण करना आसान होगा एवं आवश्यकतानुसार शीघ्र नेत्र परीक्षण करवाने के लिए आमजन प्रेरित होंगे। सीएमएचओ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि भारत में लगभग 50 लाख व्यक्ति दृष्टिहीन एवं 08 करोड़ व्यक्ति कम दृष्टि से ग्रसित है। आमतौर पर कम दृष्टि वाले व्यक्तियों में अधिकांश व्यक्तियों को यह आभास नहीं होता है कि उनकी दृष्टि अर्पर्ण है। इस सामाजिक जागरूकता अभियान के माध्यम से स्वयं दृष्टि परीक्षण के लिए आमजन को जागरूक किया जा सकता है तथा शीघ्र और उचित समय पर परीक्षण से नेत्र बीमारियों की पहचान और उचित उपचार के माध्यम से दृष्टिहीनता के स्तर को कम किया जा सकता है।

फर्जीवाड़ा सार्वजनिक कूप और तालाब निर्माण कार्य में फर्जीवाड़ा उजागर

रिजोदा पंचायत में मनरेगा घोटाला: कागजों में दर्ज 164 मजदूर

सत्ता सुधार ■ अशोकनगर

जनपद की ग्राम पंचायत रिजोदा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंचायत में खेत तालाब और सार्वजनिक कूप निर्माण जैसे कार्यों के नाम पर केवल औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं, जबकि जमीनी हकीकत इससे कोसों दूर है।

बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत में वर्तमान में 6 पीएम आवास और 11 तालाब व सार्वजनिक कार्य ÷डिमांड÷ पर चल रहे हैं। खेत तालाब निर्माण के लिए जिन हितग्राहियों के नाम दर्ज हैं, उनमें गजम सिंह, बुंदेल सिंह, जिलान सिंह, श्रीराम/गंगाराम, शिवराज सिंह यादव, बृजेंद्र/सग्रुप, हीरालाल, मोहन सिंह/दिमान सिंह, देवेंद्र/कप्तान सिंह, शत्रुघ्न/वीर सिंह और कारण सिंह/गजराज सिंह शामिल हैं।

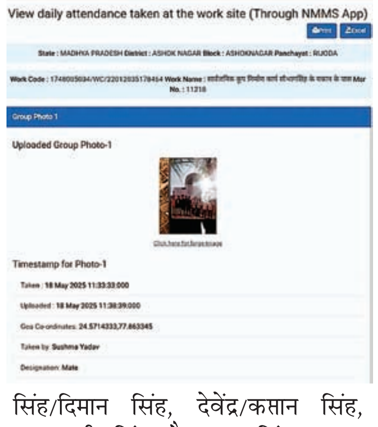

मनरेगा पोर्टल पर दर्ज जानकारी के अनुसार, कुल 164 मजदूर इन कार्यों में लगे हुए बताए गए हैं, लेकिन जब मौके पर निरीक्षण किया गया, तो वहां एक भी मजदूर कार्यरत नहीं मिला। यही नहीं, सौभागसिंह के मकान के पास चल रहे सार्वजनिक कूप निर्माण कार्य में भी फर्जी उपस्थिति दर्ज की जा रही है। बताया जा रहा है कि सभी कामों पर एक ही फोटो अपलोड करके पोर्टल पर हेराफेरी की जा रही है, जो कि आईपीसी की धारा 420 के तहत धोखाधड़ी का गंभीर मामला बनता है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा खेल सरपंच, सचिव और तकनीकी सहायक की मिलीभगत से चल रहा है। मशीनों से अधूरे तालाब खुदवाकर उन्हें पूर्ण दिखाया जा रहा है, जबकि मजदूरों के नाम पर पैसा निकाला जा रहा है।

इनका कहना है

जब ग्राम पंचायत रिजोदा के सचिव फूल सिंह यादव से इस मामले में बात की गई तो उन्होंने रोजगार सहायक पंचायत में नहीं है मैं ही डिमांड डालता हूं स्वीकार की। जब डिमांड डालने और कार्यों की जानकारी चाही गई तो उन्होंने में फोन काट दिया।

फूल सिंह यादव सचिव
ग्राम पंचायत रिजोदा

डिंडोरी पुलिस ने लौटाए 66 गुमशुदा मोबाइल, आठ लाख से अधिक की संपत्ति मालिकों को सौंपी

डिंडौरी। डिंडोरी पुलिस ने एक सराहनीय पहल करते हुए सोमवार को एसपी कार्यालय में अलग-अलग थाना क्षेत्रों से बरामद किए गए कुल 66 गुमशुदा मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंप दिए। इन मोबाइलों की कुल कीमत लगभग 8 लाख 17 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह ने बताया कि बीते दो से तीन महीनों के दौरान जिले के कोतवाली क्षेत्र से 23, करंजिया से 7, शहपुरा से 12, गाड़ासरई से 7 और बिछिया पुलिस चौकी क्षेत्र से 17 मोबाइल फोन गुम हुए थे। इन गुमशुदा मोबाइलों को खोजने के लिए सीईआईआर पोर्टल की सहायता ली गई, जिससे यह संभव हो सका कि मोबाइलों की लोकेशन और स्थिति का सटीक पता चल सके।

वार्ड क्रं. 30 में हुआ स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सत्ता सुधार ■ सीहोर

नगर के वार्ड क्रं. 30 की पार्षद इरशद-इरशाद पहवान के प्रयासों एवं विधायक सुदेश राय व नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य शिविर का आयोजित किया गया। जिसमें भोपाल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थित महिला-पुरुषों का स्वास्थ्य चेकप कर उचित परामर्श दिया एवं मरीजों को दवाई भी प्रदान की गई। इस अवसर पर विधायक सुदेश राय, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, क्षेत्रीय पार्षद इशरत-इरशाद पहलवान, आरिफ पहलवान, तौसीफ पटेल, अंसार पठान, छोटा पहलवान, इसरार पहलवान, शेरू भाई, छोर्ट भाई, हमीदुल्लाह आदि उपस्थित रहे। पार्षद इशरत-इरशाद पहलवान द्वारा डॉक्टरों, जनप्रतिनिधि एंव वार्ड वासियों का आभार व्यक्त किया।

ब्रीफ न्यूज

शादी में आए सीए की कॉर्डियक अरेस्ट से मौत

इंदौर। पुणे से इंदौर शादी में शामिल होने आए 29 साल के सीए की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। पोस्टमार्टम में खुलासा हुआ कि उनके दिल की नली कठोर थी। गांधी नगर पुलिस के अनुसार मृतक का नाम आयुष पिता लोकेंद्र व्यास निवासी संपत हिल्स गांधी नगर है। रिश्तेदार पीयूष ने बताया कि आयुष पुणे में नौकरी करता था। आयुष के पिता व्यापारी हैं। इकलौते बेटे की मौत के बाद परिवार ने उसकी आंखें दान करने का निर्णय लिया। फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉ. भरत वाजपेयी ने बताया, मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। उनकी कोरोनरी आर्टरी कठोर और अवरुद्ध थी। आमतौर पर 45 की उम्र के बाद ये लक्षण देखे जाते हैं।

पेड़ से कपड़े निकाल रहे छात्र की करंट लगने से मौत

इंदौर। खजराना क्षेत्र में एक मदरसे में रविवार दोपहर करंट लगने से 16 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। छात्र कपड़े धोने के बाद उन्हें सुखाने के लिए मदरसे की तीसरी मंजिल पर गया था। इस दौरान एक कपड़ा हवा में उड़कर पास के पेड़ की टहनी पर जा गिरा। छात्र जब उसे निकालने के लिए लोहे के सरिए का उपयोग कर रहा था, तभी वह सरिया पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। करंट लगने से उसके कपड़ों में आग लग गई और वह बुरी तरह झुलस गया। आसपास मौजूद लोगों ने धमाके की आवाज सुनी और मदरसे के स्टाफ को बुलाया। स्टाफ तुरंत ऊपर पहुंचा और झुलसे हुए छात्र को गंभीर हालत में एमवाय अस्पताल लेकर गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक छात्र का नाम जाहिद पुत्र शाकिर खान, निवासी सांवेर है। वह बीते दो वर्षों से खजराना क्षेत्र के इस मदरसे में रहकर पढ़ाई कर रहा था। उसका 10 वर्षीय छोटा भाई भी उसी मदरसे में पढ़ता है, जबकि माता-पिता सांवेर में रहते हैं। पिता शाकिर खान मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

शेयर ट्रेडिंग एप पर फायदा दिखाकर सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर से 1.26 करोड़ ठगे

महू। ऑनलाइन ट्रेडिंग एप पर निवेश कराने के बाद फर्जी कमाई दिखाकर साइबर ठगों ने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर से एक करोड़ 26 लाख रुपये की ठगी कर ली। वे लगातार पीड़ित को निवेश के बाद के रिटर्न्स यानी फायदा दिखा रहे थे। मार्च तक ठगों ने 11 करोड़ रुपये का फायदा दिखाया, परंतु जब रुपये खाते में नहीं आए तो पीड़ित को ठगी का पता चला। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। महू क्षेत्र में रहने वाले सेवानिवृत ब्रिगेडियर को जनवरी में अज्ञात व्यक्तियों ने फोन कर शेयर ट्रेडिंग में रुपये लगाकर वहां से अधिक फायदा लेने की योजना बताई थी। इस पर वह ठगों के जाल में फंस गए और उनके द्वारा बताए गए खातों में रुपये जमा करा दिए। उन रुपयों से ठगों ने कुछ शेयर खरीदने की बात कही। इसके बाद एक एप्लिकेशन पर फर्जी शेयर की कीमत बढ़ते हुए भी बताई। इससे पीड़ित को भी एप्लिकेशन (एप) पर फायदा नजर आने लग गया। इसके बाद रुपये जमा कराने का सिलसिला शुरू हो गया। मार्च माह तक पीड़ित ने एक करोड़ 26 लाख रुपये जमा कर दिए।

मां अहिल्या की जयंती का उत्सव 31 मई तक चलेगा, इस दौरान अलग-अलग आयोजन किए जाएंगे

मां अहिल्या की प्रतिमा पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने किया माल्यार्पण

सत्ता सुधार ■ इंदौर

मां अहिल्या की 300वीं जयंती पर सोमवार को राजवाड़ा स्थित मां अहिल्या की प्रतिमा पर बीजेपी नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं सहित जनप्रतिनिधियों ने माल्यार्पण किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेंद्र हार्डिया और रमेश मेंदोला उपस्थित रहे।

इस मौके पर बीजेपी विशेष कार्यक्रम आयोजित कर रही है। जिसकी शुरुआत आज सुबह राजवाड़ा स्थित मां अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। मां अहिल्या की जयंती का उत्सव 31 मई तक चलेगा। इस दौरान अलग-अलग आयोजन किए जाएंगे। जिसकी शुरुआत अहिल्या माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हो चुकी है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री यादव की अगवानी महिला मोर्चा द्वारा की जाएगी। साथ ही महिला मोर्चा की मातृ शक्ति द्वारा मुख्यमंत्री को मां अहिल्या की प्रतिमा भी भेंट की जाएगी।

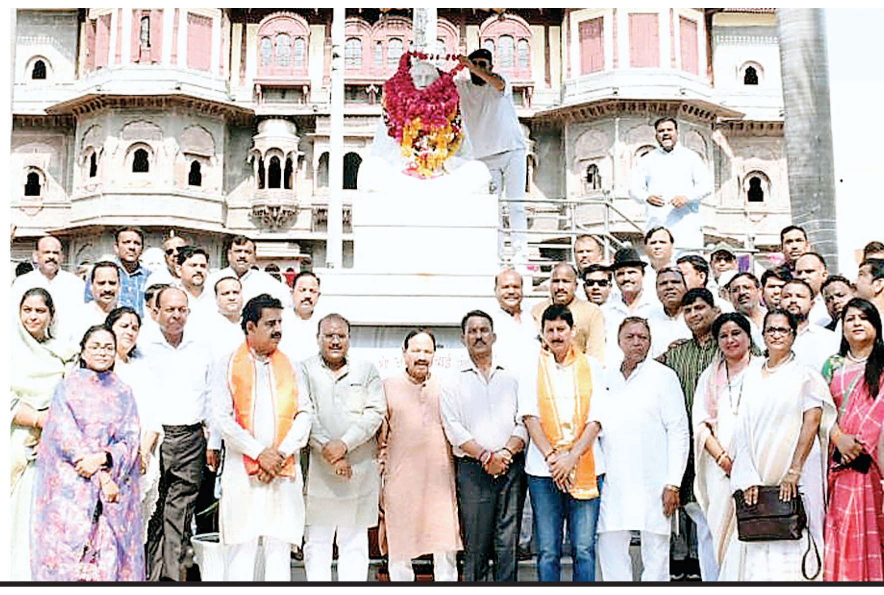

31 मई तक होंगे कार्यक्रम

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि आज से 31 मई तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी ने एक टोली का गठन किया है। पर्व के अंतर्गत रंगोली, चित्रकला, निबंध, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक और खो-खो प्रतियोगिता के साथ महिला सशक्तिकरण के लिए महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी इंदौर द्वारा मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में अभी तक संपन्न हुई कैबिनेट बैठकों के प्रमुख विकासात्मक निर्णयों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन भी सीएम करेंगे।

नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि इंदौर की आम जनता के लिए चित्रमय प्रदर्शनी लगाई गई है, गर्मी के मौसम को देखते हुए विशेष रूप से एयर कूल्ड पंडाल लगाया गया है, जिसमें विभिन्न चरणों में प्रदेश सरकार के जनहितैषी निर्णय व विकास को प्रदर्शित किया गया है। प्रमुख निर्णयों को विभाग स्तर पर भी प्रदर्शित किया गया है। समाज कल्याण, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, गरीब कल्याण, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा इंदौर को दी गई विकास की प्रमुख सौगातों का विशेष वर्णन है। प्रदर्शनी में सुशासन की प्रतीक देवी अहिल्या जी के चित्रों को भी प्रदर्शित किया जा रहा है।

राजबाड़ा पर कैबिनेट बैठक की तैयारी पूरी, इंदौर के 14 रास्ते सील

कमिश्नर दीपक सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने सभा गृह में लिया तैयारियों का जायजा

सत्ता सुधार ■ इंदौर

इंदौर में 20 मई को राजवाड़ा पर होने वाली कैबिनेट बैठक की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। बैठक को लेकर आज से ही राजवाड़ा क्षेत्र में काफी कसावट की जा रही है। उधर, सराफा चौपाटी में मेहमानों के लिए व्यंजन तो रहेंगे ही, गोपाल मंदिर वाली गली में पारंपरिक व्यंजनों के 25 स्टॉल भी लगेंगे। यहां पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी। उधर, राजवाड़ा के गणेश हॉल को सजाया संवारा जा रहा है। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्री परिषद के सदस्य मौजूद रहेंगे। राजवाड़ा के बाहर मुख्य द्वार के लेफ्ट साइड वाले ओटले पर अधिकारियों के बैठने के लिए एक डोम बनाया है। कैबिनेट की बैठक के लिए ऐतिहासिक होलकर कालीन राजवाड़ा की सुंदरता को और निखारा जा रहा है। बैठक से पहले मुख्यमंत्री और मंत्री राजवाड़ा के अहिल्या उद्यान में अहिल्याबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने

जाएंगे। इसके लिए राजवाड़ा और इसके बाहर अहिल्या उद्यान को नगर निगम द्वारा आकर्षक रूप में सजाया और संवारा जा रहा है। पत्थरों और मूर्तियां पर पॉलिश की जा रही है। अधिकारी लगातार राजवाड़ा और उद्यान का दौरा कर रहे हैं। बारिश के मद्देनजर भी व्यवस्थाएं जुटाने के लिए कहा गया है। राजवाड़ा महल में मंगलवार सुबह 7 बजे से प्रदेश स्तरीय कैबिनेट बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में मुख्यमंत्री सहित पूरा राज्य मंत्रिमंडल हिस्सा लेगा। ऐतिहासिक महल में पहली बार इस स्तर की बैठक होने के कारण प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं। आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए, शहर के कई प्रमुख मार्गों को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। बैठक के चलते कल दिनभर राजबाड़ा की ओर आने-जाने वाले सभी मार्गों पर किसी भी प्रकार के वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। यातायात विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि नागरिक इन मार्गों का उपयोग न करें। इस दौरान केवल आपातकालीन सेवाओं को आवश्यकतानुसार छूट दी जाएगी, बाकी सभी प्रकार के दोपहिया और चारपहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। प्रतिबंधित मार्ग का समय कार्यक्रम के अनुसार परिवर्तित किया जा सकेगा। मृगनयनी से फ्रूटमार्केट ओर जाने वाला मार्ग, नंदलालपुरा से फ्रूट मार्केट की ओर जाने वाला मार्ग, फ्रूट मार्केट से महालक्ष्मी मंदिर राजबाड़ा की ओर जाने वाला मार्ग, यशवंत रोड गुरूद्वारा से आईसीआईसीआई बैंक राजबाड़ा की ओर जाने वाला मार्ग, इमामवाड़ा से गोपाल मंदिर होते हुए राजवाड़ा की ओर, इमामवाड़ा चौक से रूप रंग ट्रेडर्स सुभाष चौक तक का मार्ग, सुभाष चौक से राजबाड़ा तांगा स्टैण्ड की ओर, महेश जोशी टी से राजबाड़ा तांगा स्टैण्ड, अर्पण नरसिंह होम से एमजी रोड पुलिस चौकी (गणेश केप मार्ट) की ओर का मार्ग, अर्पण मेडिकल स्टोर से पीरगली गणेश कैप मार्ट की ओर का मार्ग, रामबाग चौराहे से दोना पत्तल गली तिलक पथ टी की ओर का मार्ग, नेताजी सुभाष मार्ग पालीवाल धर्मशाला से हेमिल्टन मार्ग होते हुए पोरवाल ड्रेसेस तक, राजबाड़ा तांगा स्टैण्ड से गणेश केप मार्ट होते हुए हेमिल्टन रोड तक, एमजी रोड थाना पुलिस चौकी राजवाड़ा बगीचे के सामने से होते हुए अन्ना पान भण्डार से महालक्ष्मी मंदिर तक पूर्णतः नो व्हीकल जोन रहेगा।

प्रशासन की अपील - नागरिक सहयोग करें

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित मार्गों पर न जाएं और ट्रैफिक नियमों का पालन करें, ताकि कैबिनेट बैठक के दौरान किसी प्रकार की असुविधा या अव्यवस्था न हो। बैठक की समाप्ति के बाद यातायात को पुनः सुचारु कर दिया जाएगा। इस बीच, शहर के अन्य प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन की भी व्यवस्था की गई है। स्थानीय प्रशासन का उद्देश्य है कि सुरक्षा और व्यवस्था के साथ-साथ आमजन की सुविधा का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

जल सहेजने 25 हजार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, 300 रिचार्ज सॉफ्ट बनेंगे

-कान्ह नदी एरिया में एक्विफर मैनेजमेंट करेंगे ताकि बारिश के पानी का फ्लो बढ़ सके

सत्ता सुधार ■ इंदौर

बारिश से पहले ही शहर में जल सहेजने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नगर निगम 25 हजार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और 300 रिचार्ज सॉफ्ट लगाने जा रहा है। यह काम जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किया जाएगा। मकसद साफ है- गिरते भूजल स्तर को रोकना और आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना। 300 रिचार्ज सॉफ्ट बनेंगे जिसके लिए 15 संस्थाएं आगे आई हैं, जो सीएसआर फंड से नगर निगम की मदद करेंगी।

पिछले साल निगम ने 10 हजार सिस्टम लगाए थे। उससे पहले 1 लाख से ज्यादा। अब हर जोन को औसत 1 हजार सिस्टम लगाने का लक्ष्य मिला है। इस बार अभियान और भी सुनियोजित और वैज्ञानिक तरीके से होगा। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने कहा, इंदौर में हम सबसे महंगा पानी पीते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम पानी को सहेजें। जिस रफ्तार से हम पानी निकाल रहे हैं, उसी तेजी से उसे धरती में लौटाना भी होगा। काम समय पर और गुणवत्तापूर्ण हो, इसके लिए निर्देश हैं कि केवल रजिस्टर्ड प्लंबर से ही इंस्टॉलेशन कराया जाए। सभी जोनल अफसरों को निर्देश दिए गए कि वे खुद स्थल का निरीक्षण करें। रहवासियों और संस्थानों से चर्चा कर जनसहयोग लें। यह सुनिश्चित करें कि रिचार्ज सॉफ्ट और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना वैज्ञानिक और सुनियोजित तरीके से हो। निगम रिचार्ज सॉफ्ट बनवाने के लिए सर्वे करवा रहा है।

सदर बाजार क्षेत्र में दो युवकों पर चाकू से किया हमला

थाने पहुंची भीड़ को अफसरों ने दी समझाइश

सत्ता सुधार ■ इंदौर

शहर में रविवार रात रंजिश के चलते दो पक्ष आमने-सामने हो गए। एक पक्ष ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया। जिसमें दो घायल हुए हैं। उन्हें उपचार के लिए एमवाय भेजा गया। इधर, एक पक्ष के लोग भीड़ के साथ थाने पहुंचे। सूचना के बाद वरिष्ठ अफसर भी यहां पहुंचे। लोगों को समझाइश देकर मामला शांत कराया गया। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक घटना सदर बाजार इलाके के मराठी मोहल्ले की है। यहां पर युवक कुणाल और उत्तम पर जफर और उसके साथियों ने चाकू से हमला कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। जब घटना की जानकारी रहवासी और युवकों के परिवार के

लोगों को लगी तो वह थाने पहुंचे। यहां आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग करने लगे। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों पर केस दर्ज किया है। उनकी तलाश की जा रही है।

10 दिन पहले भी हुई थी कहासुनी- जानकारी के मुताबिक आरोपी भी मराठी मोहल्ले के रहने वाले हैं। यहां पर 10 दिन पहले भी उनकी युवकों से कहासुनी हुई थी। रविवार को फिर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। एक पक्ष थाने पहुंचा तो यहां पर सदर बाजार के साथ मल्हारगंज और एरोड्रम का बल भी बुलाया गया। करीब आधे घंटे बाद यहां अफसरों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

पांच सौ ग्राम चरस के साथ पकड़ाए आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन। पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे निरंतर अभियान के तहत थाना चिमनगंज मंडी पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है। गुप्त सूचना के आधार पर, एक सुनियोजित एवं त्वरित कार्रवाई कर दो व्यक्तियों को अवैध मादक पदार्थ चरस के साथ गिरफ्तार किया गया। सूचना के अनुसार, दो संदिग्ध व्यक्ति गयाकोटा मंदिर, मंगलनाथ रोड के पीछे संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त थे। थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम ने समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए रेहान पिता नुरहे इलाही, तौहीद खान पिता नुरहे इलाही को घेराबंदी कर मौके पर ही पकड़ा। जिनके पास से 497 ग्राम अवैध चरस, दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। संपूर्ण कार्रवाई पंचों की उपस्थिति में पारदर्शिता से की गई। तलाशी, बरामदगी और जब्ती से संबंधित समस्त दस्तावेजी प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की गई एवं वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई।

प्री-मानसून : जून का कोटा डेढ़ माह पहले ही पूरा

सत्ता सुधार ■ इंदौर

प्री-मानसून ने इस बार कमाल कर दिया। मई में लू चलती है, नाममात्र की बारिश होती है। जून के 30 दिनों में 5 इंच बारिश का औसत है, लेकिन इस बार करीब डेढ़ माह पहले यानी 18 मई तक ही शहर में 6.3 इंच पानी बरस चुका है। यानी जून की कुल बारिश से 1.3 इंच ज्यादा। शनिवार रात भी 1.3 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। अच्छी बात यह है कि बारिश का यह दौर अभी रुकने वाला नहीं है।

अरब सागर में बारिश का एक मजबूत सिस्टम बन रहा है, जो सीधे महाराष्ट्र और गुजरात तक एक्टिव होगा। 21 मई तक इस सिस्टम की वजह से इंदौर-उज्जैन संभाग में धुआंधार बारिश होने के आसार हैं। वहीं 25 मई से शुरू हो रहा नौतपा भी मानसून के दिनों की याद दिलाने वाला रहेगा। नौतपा की शुरुआत में

ही जोरदार बारिश की संभावना जताई जा रही है। शनिवार रात बारिश की वजह से रविवार को अधिकतम तापमान 37.4 डिग्री रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 3 डिग्री कम था। वहीं न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री रहा, जो औसत से 4 डिग्री कम था। मई में केवल पहले दिन ही अधिकतम तापमान 42 डिग्री रिकार्ड हुआ था। इसके बाद से घटता गया। मई के 138 साल के इतिहास में पहली बार 18 में से 17 दिन अधिकतम तापमान सामान्य से कम या सामान्य रिकार्ड हुआ।

15 दिन में चौथी बार शहर के बड़े हिस्से में अंधेरा

शनिवार रात को फिर शहर के बड़े इलाके में बिजली बंद हो गई। रफ्तार से हवा चली, पानी बरसा और तेजी से फॉल्ट होने लगे। रात 9.30 से बिजली गई जो कई इलाकों में रविवार तड़के तक आ पाई। शहर में बिजली कंपनी के 32 जोन कार्यालय हैं। शनिवार रात को सभी जोन की कॉलोनियों में बिजली बंद हुई थी। शनिवार रात को साढ़े 9 से 12 के बीच ही 4500 से अधिक शिकायतें जोन कार्यालयों पर उपभोक्ताओं ने दर्ज कराईं।

परेशान | न रुकने का नियम, न स्टैंड तय, किराया भी मनमाना, 80 प्रतिशत में मीटर ही नहीं...

ऑटो व ई-रिक्शा वालों की मनमानी से जनता परेशान

सत्ता सुधार ■ इंदौर

शहर में ऑटो रिक्शा व ई-रिक्शा की मनमानी से आम जनता परेशान है। न तो इनके रुकने के लिए कोई नियम बना है और न ही इनके स्टैंड तय हैं। यातायात में तो ये बाधक बन ही रहे हैं, मनमर्जी का किराया वसूलने से यात्रियों के लिए भी दुविधा बन गए हैं। परिवहन विभाग के वाहन पोर्टल पर नजर डालें तो शहर में 41 हजार ऑटो रिक्शा व 11 हजार ई-रिक्शा दौड़ रहे हैं। इनमें से 80 फीसदी से ज्यादा में तो मीटर ही नहीं हैं और किसी में लगा भी है तो चालू नहीं रहता है। ई-रिक्शा में तो मीटर है ही नहीं। ऑनलाइन बुकिंग के रेट भी ये अपनी मर्जी से तय करते हैं। ताज्जुब की बात है कि जनता की इस परेशानी को देखने-सुनने

वाला कोई जिम्मेदार तय ही नहीं है। आरटीओ ने भी 2022 में इनकी दरें तय की थीं, उसके बाद से कोई अपडेशन नहीं हुआ। नापतौल विभाग भी कागजों पर सत्यापन कर इतिश्री कर लेता है।

ट्रैफिक पुलिस की भी रोक-टोक नहीं है। इन सभी छूट का उपयोग करके ये मनमर्जी से किराया वसूल रहे हैं। जनता अपने आप को ठगा सा महसूस कर रही है। आम जनता का बस यही कहना है कि इनके संचालन के नियम बनाए जाएं और मनमाने किराए पर रोक लगाकर इनकी नियमित जांच की जाए। पोर्टल पर दर्ज संख्या में से 40 फीसदी के पास तो परमिट ही नहीं हैं, वहीं 10 से 20 फीसदी का तो फिटनेस भी खत्म हो गया है।

ऑटो वाले रात में दोगुना तक पैसे वसूल रहे

यात्री ने बताया उन्हें रात 8.00 बजे रेलवे स्टेशन से वैभव नगर जाना था। उन्होंने ऑटो चालक से पूछा तो बोला 200 रुपए लगेंगे। फिर कहा 180 रुपए दे देना, जबकि दोपहर में इससे आधे पैसे लगते हैं। जब मीटर से चलने के लिए कहा तो साफ मना कर दिया। फिर एक रिक्शा वाला 120 रुपए में जाने के लिए तैयार हुआ। आखिर जब मीटर से जाना ही नहीं है तो ये लगाए क्यों गए हैं। जब शहरवासी इतने परेशान हैं तो बाहर से आने वाले मेहमानों को कितनी परेशानी होती होगी।

एक-दो दिन में बंद हो जाती है मुहिम- ऑटो रिक्शा व ई-रिक्शा की मनमानी के लिए सरकारी अमला भी जिम्मेदार है। शहर में लगातार इनकी संख्या बढ़ती जा रही है, लेकिन जिम्मेदारी तय नहीं है।

कभी-कभी इनकी जांच के लिए मुहिम व अभियान चलते भी हैं तो सिर्फ एक-दो दिन बाद ही स्वतः ही बंद हो जाते हैं।

समय-समय पर कार्रवाई की जाती है

आरटीओ प्रदीप शर्मा के अनुसार समय-समय पर ऑटो रिक्शा की अनियमितताओं पर कार्रवाई करते हैं। बीते दिनों ही 200 से ज्यादा वाहनों पर कार्रवाई की थी।

22 साल पुराने बंद पड़े झूमर हटेंगे

अहिल्याबाई के बदसूरत फ्लैक्स देख नाराज हुए मंत्री

इंदौर। मंगलवार को 11 बजे से कैबिनेट बैठक राजवाड़ा में शुरू होगी, जिसके लिए गणेश हॉल और दरबार हॉल को सजाया-संवारा गया। नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राजवाड़ा पहुंचकर कैबिनेट बैठक की तैयारियों का बारीकी से अवलोकन किया और कई महत्वपूर्ण संशोधन भी करवाए।

महाकाल मंदिर में सुरक्षा ऑडिट

इंदौर। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर सोमवार को उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में वर्ष 2024-25 का सुरक्षा ऑडिट किया गया। विशेष शाखा के जोनल पुलिस अधीक्षक आकाश भूरिया के नेतृत्व में टीम ने मंदिर का निरीक्षण किया और मंदिर के आंतरिक और बाहरी क्षेत्रों का जायजा लिया।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम गोरखनाथ सांगरे (GORAKHNATH SANGARE) था। जो मेरे शैक्षणिक अभिलेख में दर्ज है। किंतु अब मैंने अपना नाम परिवर्तित कर गोरख सांगरे (GORAKH SANGARE) रख लिया है। अतः अब मुझे मेरे नए नाम गोरख सांगरे (GORAKH SANGARE) से जाना / पहचाना जाए।

पता : वार्ड नं. 03, गीतादत्त नगर, बुरहानपुर (म.प्र.) – 450331

ब्रीफ न्यूज

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर विशेष जांच शिविर में 1820 से अधिक मरीजों ने कराई जांच

मुरैना। विश्व रक्तचाप दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय सहित समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सिविल अस्पताल, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक, अर्बन पी.एच.सी., आयुष्मान आरोग्य मंदिर में एन.सी.डी. कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में जिले भर से करीब 1 हजार 820 से अधिक मरीजों ने अपने बी.पी. एवं शुगर की जांच कराई, निःशुल्क दवा का वितरण किया गया। इन शिविरों में मरीजों को उच्च रक्त चाप व शुगर से होने वाले विपरीत प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के साथ-साथ 17 मई से 16 जून 2025 तक जिले भर में जागरूक माह का आयोजन किया जायेगा। इस जागरूकता माह की थीम अपने रक्तचाप की जांच करायें, इसे नियंत्रित करें लम्बा जीवन जियें राज्य स्तर से निर्धारित की गई है।

सभी जिलाधिकारी सीएम हेल्पलाइन को प्राथमिकता दें: कलेक्टर

मुरैना। प्रतिमाह 20 तारीख के बाद प्रदेश स्तर से सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग जारी होती है जिसमें कई विभागों द्वारा वर्तमान माह के अलावा पिछले माह की शिकायतों पर अच्छा कार्य नहीं किया है इसलिये जिले की रैंकिंग अपेक्षा अनुसार नहीं है। अधिकारी सीएम हेल्पलाइन को प्राथमिकता दें जिससे जिले की रैंकिंग में सुधार आए। ये निर्देश कलेक्टर अंकित अस्थाना ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये। बैठक में समस्त जिलाधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ उपस्थित थे। इस दौरान शिक्षा विभाग की ओर से जिला शिक्षाधिकारी सुधीर सक्सेना बिना सूचना के अनुपस्थित पाये गये। कलेक्टर ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि आज की होने वाली समीक्षा में जो विभाग बी श्रेणी में हैं, उन विभागों के जिलाधिकारी एवं सी और डी श्रेणी वाले विभागों के जिलाधिकारी अपने एल-1 अधिकारी के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय में 20 मई को दोपहर में होने वाली समीक्षा बैठक में उपस्थित रहें। कलेक्टर ने ए श्रेणी से नीचे प्रगति वाले विभागों के संबंधित अधिकारियों का वेतन काटने के निर्देश अपर कलेक्टर को दिये। कलेक्टर ने कहा कि समस्त एसडीएम अपने-अपने तहसीलदारों की प्रतिदिन वीसी लें। जितने भी तहसीलदार बी श्रेणी में हैं वे प्रतिदिन वीसी से जुड़ना सुनिश्चित करें।

खेड़ा-मेवदा के पास बाइक सवार ने वृद्ध को मारी टक्कर, ग्वालियर में हुई मौत

मुरैना। जिले के माता बसैया थाना अंतर्गत खेड़ा मेवदा गांव के पास पैदल जा रहे वृद्ध को एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी ग्वालियर में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस द्वारा अज्ञात बाइक सवार के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। माता बसैया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खेड़ा मेवदा गांव निवासी 65 वर्षीय रामप्रसाद पुत्र किशोरी लाल माहौर सोमवार की दोपहर गांव के पास ही अम्बाह मुरैना रोड पर पैदल पैदल कहीं जा रहे थे।

तीन दशक पुराना इतिहास फिर दोहराएगा अग्रवाल समाज : रमेश गर्ग

जिला अग्रवाल महासभा की प्रथम बैठक अग्रवाल सेवा सदन में आयोजित

सत्ता सुधार ■ मुरैना

1994 से लेकर 2000 तक मुरैना श्योपुर अग्रवाल समाज की जो सक्रियता और ताकत थी, राजनीतिक वजूद था जो समय के साथ-साथ और व्यस्तता के चलते वर्तमान में कमजोर लगने लगा है। उस वजूद को कायम करने के लिए एक फिर से 30 साल पुराना इतिहास अग्रवाल समाज दोहराएगा। इसके लिए जिला अग्रवाल महासभा के नेतृत्व में युवा अग्रवाल महासभा, महिला अग्रवाल महासभा, दोनो जिलों में जन जागरण अभियान चलाएगा, ताकि समाज की ताकत प्रत्येक क्षेत्र में बढे। उक्त विचार जिला अग्रवाल महासभा की प्रथम बैठक में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला अग्रवाल महासभा के संरक्षक रमेश गर्ग ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज से 30 साल पूर्व जो समाज की सक्रियता थी ताकत थी उस ताकत को फिर से हासिल करना हे राजनीतिक क्षेत्र में जितनी संख्या में हमारे पार्षद , नगर परिषदों में अध्यक्ष हुआ करते थे, वर्तमान में मात्र एक अध्यक्ष, हमें समझना होगा और फिर से अपनी ताकत का एहसास कराना होगा। इसके लिए समाज में जन जागरण अभियान चलाया जाएगा व सामाजिक गतिविधियां बढ़ाई जाएगी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अग्रवाल महासभा के जिलाध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने की ओर विशेष अतिथि के रूप में जिला अग्रवाल महासभा के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गर्ग एडवोकेट, जिला अग्रवाल महिला महासभा की जिलाध्यक्ष अंजना ब्रजेश बंसल, जिला अग्रवाल युवा महासभा के जिलाध्यक्ष पीयूष गर्ग, जिला अग्रवाल महासभा के मीडिया प्रभारी राधाकृष्ण सिंघल, महिला महासभा की शशि सिंघल, खुशी गर्ग, ब्लॉक इकाइयों के डॉ अशोक गुप्ता डॉ मातादीन सिंघल, राजेंद्र बजाज, शंकरलाल सिंघल, नागेन्द्र मोहन सिंघल, अशोक गुप्ता एहरोली, शिवकुमार गर्ग, मोहन बंसल, सूरज गर्ग सहित वरिष्ठजन मनचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश गुप्ता जी ने किया। बैठक को जिला अग्रवाल महासभा के जिला महामंत्री शिवकुमार गर्ग ने संबोधित कर बैठक की रूपरेखा प्रस्तुत की बैठक को जिला अग्रवाल महासभा के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गर्ग, जिलाध्यक्ष गोपाल गुप्ता, महिला जिलाध्यक्ष अंजना बंसल, युवा जिलाध्यक्ष पीयूष गर्ग, मीडिया प्रभारी राधाकृष्ण सिंघल ने संबोधित किया। आभार अग्रवाल महासभा मुरैना के अध्यक्ष मोहन बंसल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सबलगढ़ में हाल ही में हुई समाज के व्यापारी की 6 लाख की लूट को समाज और व्यापारियों के एक जुटता के कारण संरक्षक रमेश गर्ग एवं जिलाध्यक्ष गोपाल गुप्ता पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश गर्ग का सबलगढ़ के व्यापारियों ने सम्मान किया।

होटल संचालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या जहर खाने से महिला की रास्ते में मौत

सत्ता सुधार ■ मुरैना

स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के शमशान रोड पर रहने वाले एक युवक ने बीती रात घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि मृतक शिवपुरी में होटल संचालित करता था। आत्महत्या किन कारण के चलते की यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस द्वारा पीएम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी है। इधर बागचीनी थाना क्षेत्र के बर का पुरा गांव में रविवार को एक महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसे गंभीर हालत में मुरैना से ग्वालियर रेफर किया गया और रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा सोमवार को पीएम करवाकर लाश उसके परिजनों को सौंप दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवपुरी में होटल चलाने वाले युवक अनिल उर्फभोलू पुत्र केशव सिंह जाटव 25 निवासी समसान रोड थाना स्टेशन रोड की 1 वर्ष पहले ही शादी हुई थी और अभी पत्नी को टीका लगवाने के लिए मुरैना आया हुआ था। बताया जाता है कि रविवार सोमवार की रात अज्ञात कारण के चलते अनिल ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अनिल द्वारा अचानक फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने से परिजन स्तब्ध हैं और अभी तक कोई कारण सामने नहीं आया है। फिलहाल पुलिस द्वारा पीएम कराकर लाश परिजनों को सौंप दी है और मामले की जांच कर रही है।

इधर जिले के बागचीनी थाना क्षेत्र के बर का पुरा गांव में रविवार को उर्मिला पत्नी वीरबल कुशवाह उम्र 42 निवासी ने आजा कारण के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। महिला को गंभीर हालत में मुरैना लाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर कर दिया गया, जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। देर शाम को वापस लौट के कारण उसका पीएम सोमवार को पुलिस द्वारा कराया गया। फिलहाल पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

बीआरसी कार्यालय का गेट तोड़कर फिर से चोरी, इसी वर्ष में हो चुकी 4 चोरियां

सत्ता सुधार ■ मुरैना

सिटी कोतवाली के अंतर्गत गणेशपुरा स्थित बीआरसी कार्यालय को एक बार फिर चोर गैंग ने अपना निशाना बना लिया और इस बार कूलर की मोटर, अल्युमिनियम की फ्रेम एवं कंप्यूटर चोरी कर ले गए। इस वर्ष में यह चौथी घटना है, लेकिन पुलिस द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है ना ही पूर्व की चोरियों का खुलासा किया गया है।

बीआरसी कार्यालय में पदस्थ देवेंद्र सिंह तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि आज ऑफिस टाइम पर जब कार्यालय पहुंचे तो देखा कि चोर गैंग ने गेट को तोड़कर कार्यालय के अंदर प्रवेश किया और वहां रखे कूलर की मोटर निकाल ली। इसके बाद उन्होंने अल्युमिनियम का गेट तोड़कर उसकी फ्रेम भी चोरी कर ली एवं कंप्यूटर भी ले गए। लगातार उक्त कार्यालय से हर महीने 2 महीने बाद चोरी की घटना हो रही है, लेकिन पुलिस द्वारा पूर्व की चोरियों का भी कोई पता नहीं लगाया गया है। बीआरसी कार्यालय में लगातार चोरी की घटनाओं से कार्यालय के कर्मचारी परेशान है। घटना के बाद तत्काल पुलिस को बुलाया गया और उन्हीं की देखरेख में कार्यालय खोला गया। पुलिस द्वारा पंचनामा बनाकर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा मध्यप्रदेश की प्रदेश कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण संपन्न

सत्ता सुधार ■ मुरैना

अग्रवाल समाज को एकजुट करने के लिए भोपाल में शनिवार को कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न कराया गया, जिसमें महिला एवं पुरूषों ने शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ मोहन गुप्ता पूर्व संभागायुक्त एवं पूर्व कुलपति संस्कृति वि वि उज्जैन द्वारा की गई। मुख्य अतिथि उमाशंकर गुप्ता पूर्व ग्रहमंत्री मप्र शासन, सतीश अग्रवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा ने सदस्य एवं प्रदेश पदाधिकारियों को शपथ दिलाई स मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंकज मित्तल ने अपने सहयोगियों के साथ तन मन धन से सहयोग करने का आश्वासन दिया। मंच संचालन ओमप्रकाश अग्रवाल प्रदेश महामंत्री ने किया। राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष मृदुला अग्रवाल ने संगठन की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जबलपुर से अजय अग्रवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, व्यावरा से महेश अग्रवाल राष्ट्रीय सलाहकार, झांसी से नरेंद्र अग्रवाल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, प्रवीण अग्रवाल राष्ट्रीय संगठन मंत्री, भारती अग्रवाल महिला प्रदेश प्रभारी, सुधीर अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष वैश्य महासम्मेलन मप्र, कैलाश मित्तल प्रदेश अध्यक्ष मप्र अग्रवाल महासभा सहित सैकड़ों महिला पुरुष पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

संजीवनी हॉस्पिटल पर कैंप में 192 मरीजों का हुआ परीक्षण, चयनित सर्जरी मरीजों के रियायती दर पर होंगे ऑपरेशन

मुरैना। संजीवनी हॉस्पिटल फाटक बाहर बड़ोखर चौराहा अंबाह रोड मुरैना पर एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन रविवार को किया गया। कैंप में कुल 192 मरीजों को निःशुल्क परामर्श के साथ-साथ बीपी, शुगर, खून, पेशाब की जांच, बीएमडी (हड्डियों में मिनरल डेंसिटी की जांच) निःशुल्क की गई तथा दवाइयो का वितरण भी निःशुल्क किया गया। जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ दुष्यंत देव डीएम कार्डियोलॉजी के द्वारा बीपी एवं विभिन्न हृदय रोगों से संबंधित कुल 92 लोगों को परामर्श दिया गया। डॉ जितेंद्र यादव के द्वारा हर्निया हाइड्रोसील, पित्त की थैली में

पथरी, किडनी एवं पेशाब की नली में पथरी, शरीर के विभिन्न हिस्सों में गठान आदि रोगों के 40 मरीजों को परामर्श दिया गया तथा डॉ योगेंद्र सिंह यादव के द्वारा कल 65 (डायबिटीज, बुखार, उल्टी दस्त, पीलिया, टीवी एवं खांसी आदि) मरीजों को परामर्श दिया गया। डॉ योगेंद्र यादव ने बताया की कैंप में चयनित सर्जरी के मरीजों के ऑपरेशन संजीवनी हॉस्पिटल में विशेष रियायती दरों पर किए जाएंगे।

छात्रों को आपातकालीन स्थिति में जीवन रक्षक तकनीक का दिया प्रशिक्षण

सत्ता सुधार ■ मुरैना

आरोग्य भारती मुरैना द्वारा रविवार को स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर शिक्षा नगर मुरैना में सफलतापूर्वक एक सीपीआर कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक तकनीकें सिखाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ राजेश शर्मा (अध्यक्ष मध्य भारत प्रांत, आरोग्य भारती) ने दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ पद्मेश उपाध्याय सीएमएचओ द्वारा की गई, विशिष्ट अतिथि श्रीमती दीपाली चंदोरिया नगर पुलिस अधीक्षक एवं मुकेश दीक्षित (संगठन मंत्री मध्य भारत प्रांत, आरोग्य भारती उपस्थित रहे। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में डॉ. योगेन्द्र यादव (नगर अध्यक्ष आरोग्य भारती),डॉ. के.पी.एस. तोमर (जिला उपाध्यक्ष आरोग्य भारती), डॉ कृष्ण यादव (नगर उपाध्यक्ष), डॉ सुनील राठौर, डॉ रितु राजपूत इत्यादि ने छात्रों को सीपीआर तकनीक के महत्व और सही तरीके की जानकारी दी। एड. आकाश शर्मा (जिला सचिव) कार्यक्रम का मंच संचालन किया। डॉ राजेश शर्मा ने आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर प्रबोधन दिया एवं छात्रों को अध्यात्म का महत्व समझायाद्य एड. भुवनेश शर्मा जिला सहसचिव ने आरोग्य भारती की उपयोगिता के बारे सभी छात्रों को बताया एवं आदर्श अग्रवाल नगर सचिव ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को दिखा।

जिला कार्यकारिणी में कार्यकर्ताओं को नवीन दायित्व भी सौंपे

एड. राकेश गर्ग संरक्षक, केडी दंडोतिया संरक्षक, प्रद्युम्न दंडोतिया जिला उपाध्यक्ष, डॉ श्याम सुंदर पाठक सह कोषाध्यक्ष, डॉ शिवानी तोमर जिला प्रमुख मातृशक्ति, प्रभाकर शर्मा पर्यावरण प्रमुख, अनिल रजक नशा मुक्ति प्रमुख, सुधाकर पचौरी जिला कार्यकारिणी सदस्य, विदुर दंडोतिया जिला कार्यकारिणी सदस्य को दायित्व दिया गया है।

डंडा एवं हथियार से हमला, एक युवक गंभीर घायल

मुरैना। जिले के सिहोनिया थाना इलाके के लल्लू बसई गांव में पुरानी चुनावी रंजिश के चलते सोमवार की सुबह पुरुष एवं महिलाओं द्वारा दूसरे पक्ष पर लाठी डंडा एवं अवैध हथियारों से हमला बोल दिया गया, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस द्वारा फरियादी जबर सिंह की रिपोर्ट पर से कुछ लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें महिला व पुरुष एक परिवार पर लाठी डंडा लेकर टूट पड़े और हमला बोल दिया। इस मामले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

शक्कर कारखाना चालू होने तक जारी रहेगा आंदोलन, आज किया जाएगा सामूहिक उपवास: विधायक

सत्ता सुधार ■ मुरैना

शक्कर कारखाने की नीलामी शासन द्वारा पुनः 20 मई को तहसील प्रांगण कैलारस में की जा रही है। इसके विरोध में शक्कर कारखाना चलाओ संघर्ष समिति में शामिल विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा कि सरकार द्वारा लगातार किसानों और युवाओं को धोखा दिया जा रहा है। बार-बार मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, क्षेत्रीय सांसद, केंद्रीय कृषि मंत्री ने कई बार वादा किया कि शक्कर कारखाना जल्दी से जल्दी प्रारंभ हो जाएगा, परंतु हर बार नीलामी की प्रक्रिया प्रारंभ की जाती है, जिसका किसानों युवाओं एवं आमजन द्वारा बड़े स्तर पर विरोध किया जाता रहा है। इस बार भी शक्कर कारखाना चलाओ संघर्ष समिति ने निर्णय लिया है कि जब तक हमारी मांगों को नहीं माना जाएगा, तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। आज 20 मई को सुबह 10:00 बजे कैलारस शक्कर कारखाने पर सामूहिक उपवास का आयोजन किया जा रहा है।

शक्कर कारखाना चलाओ संघर्ष समिति ने मांग की है कि शक्कर कारखाने की संपत्ति को नीलम नहीं किया जाए, कारखाने को सहकारिता के क्षेत्र में नई तकनीक और मशीनों के साथ चालू किया जाए, माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में कर्मचारी, किसानों का बकाया भुगतान करने के लिए सरकार विशेष आर्थिक सहायता प्रदान करें। जिले का एकमात्र बड़ा उद्योग मुरैना मंडल सहकारी शक्कर कारखाना कैलारस गत 14 वर्षों से बंद कर दिया गया है। इस कारखाने की आधारशिला सन् 1965 में डकैत प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए, किसानों की प्रगति के लिए, बेरोजगार नौजवानों को रोजगार देने के उद्देश्य से सहकारिता के क्षेत्र में की गई थी। तत्समय भिंड से लेकर श्योपुर कलां के आखिरी गांव तक किसानों ने अपने पशु बेचकर, जमीनें, जेवर, बेचकर कारखाने के शेयर खरीदे और कारखाने की सहकारिता के क्षेत्र में स्थापना हुई। कारखाने का पहला पिराई सीजन 1971 - 72 में शुरू हुआ। उसके बाद इस क्षेत्र में विकास की गंगा बह गई। किसानों का विकास हुआ, नौजवानों को रोजगार मिला क्षेत्र की प्रगति हुई उन्नति हुई। लेकिन इस कारखाने पर तथाकथित राजनेताओं की कुदृष्टि पड़ गई।

मांग सोमवार को एक रैली निकालकर जिला प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के नाम ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की गई है

ग्वालियर न्यायालय में हुई घटना पर जाटव महापंचायत आक्रोश

रैली निकालकर सुप्रीम कोर्ट के नाम दिया ज्ञापन

सत्ता सुधार ■ मुरैना

गत दिवस ग्वालियर न्यायालय के प्रांगण में उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश के आदेश पर संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को एडवोकेट गण द्वारा प्रतिमा स्थापना का विरोध करने तथा दलित समाज के लोगों द्वारा शांतिपूर्वक आंदोलन करने पर उनके साथ की गई मारपीट एवं अपमान को लेकर मुरैना के जाटव समाज में आक्रोश व्याप्त है। इसी को लेकर जाटव महापंचायत मुरैना द्वारा सोमवार को एक रैली निकालकर जिला प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के नाम ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

जाटव महापंचायत में ज्ञापन में बताया कि माननीय उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश के मुख्य न्यायाधीश के आदेशानुशार उच्च न्यायालय ग्वालियर खंडपीठ परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना संबंधी पारित आदेश की अवहेलना कर, अधिवक्ता अनिल मिश्रा, पवन पाठक अपने सहयोगी वकीलों के साथ मिलकर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना का विरोध करने लगे और भारत के राष्ट्रीय झंडा (तिरंगा झंडा), राष्ट्र के गौरव का अपमान कर, अपराध किये जाने एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर, भारत के राष्ट्रीय झंडा (तिरंगा झंडा), राष्ट्र के गौरव के सम्मन में शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट कर रहे लोगों पर हुए हमले तथा बहुजन समाज के सम्मान को ठेस पहुँचाने के संबंध में विधिसम्मत कार्यवाही हेतु ज्ञापन पत्र प्रस्तुत है। उक्त घटना को लेकर अब मध्य प्रदेश में दलित राजनीति गरमा गई है और दलित समाज इसे अपना अपमान मान रहा है। इसको लेकर भीम आर्मी के प्रमुख एवं सांसद चंद्रशेखर द्वारा भी अपना पक्ष रखा गया है और आंदोलन की बात कही गई है।

ब्रीफ न्यूज

बिजली कटौती के विरोध में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

हरदा/टिमरनी। कांग्रेस मंडलम जितेंद्र सोनकिया ने कहा कि मध्यप्रदेश के टिमरनी क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से जनता त्रस्त है। बिना पूर्व सूचना के हो रही बिजली गुल से आम जनजीवन, किसान, व्यापारी और छात्र सभी प्रभावित हो रहे हैं। अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल रोक, नियमित और सुनिश्चित बिजली आपूर्ति, आवश्यक होने पर पूर्व सूचना के बाद कटौती की जाए , वही ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विनोद पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की बड़ी समस्या है ,पहले विभाग द्वारा पूर्व में सूचना दी जाती थी मगर एक माह से बिना जानकारी के कटौती की जा रही है,विधायक प्रतिनिधि गंगाराम गुर्जर ने बताया कि अभी हमारे द्वारा शांति पूर्ण तरीके से आवेदन दिया गया है अगर भविष्य में सुधार नहीं होता है तो उग्र आन्दोलन किया जाएगा, ज्ञापन देते समय मुख्य रूप से राहुल जायसवाल, जमना टांक, ओमप्रकाश मिश्रा ऋतु सोलंकी, श्रीकांत पटेल,प्रणय महुले, राजेन्द्र नागरे, जित्तू जसपाल, कपिल चौहान, प्रकाश देवड़ा, कुणाल लोट, शेलू कौशल, निखिल कौशल, शेंकि उपाध्याय,प्रकाश चक्र, अमित पाटिल,अतुल टांक, इजरायल खान,श्रीकर ,साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन मौजूद रहा।

कलेक्टर ने ह्दय अभियान की समीक्षा की

हरदा । कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में ह्दय अभियान की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होने निर्देश दिये कि गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत पंजीयन किया जाए तथा स्कूल जाने योग्य सभी बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिलाएं और प्रयास किया जाए कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से छूटे नहीं। उन्होने शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि विभागीय अमले के माध्यम से एक बार फिर से गांव-गांव में विस्तृत सर्वे करें तथा ऐसे ग्रामीणों को चिन्हित करें, जो अभी तक शिक्षा, स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं का लाभ अभी तक नहीं ले पा रहें हैं। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि ऐसे परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण व टीकाकरण जैसी सभी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएं।

हाई रिस्क वाली गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित संस्थागत प्रसव की व्यवस्था करें : कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में निर्देश दिये कि स्वास्थ विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं का गर्भावस्था के दौरान कम से कम तीन बार स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। हाई रिस्क वाली महिलाओं को पहले से ही चिन्हित कर उनके सुरक्षित प्रसव की व्यवस्था पहले से कर ली जाए। उन्होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिये कि गर्भवती महिलाओं में जिनकी समग्र आईडी नहीं है, उनकी आईडी बनवाएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान : सभी शासकीय कार्यालय भवनों पर रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाएं

सत्ता सुधार ■ हरदा

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में उपस्थित सभी विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देश दिये कि अपने-अपने विभाग से संबंधित शासकीय कार्यालय भवनों में वर्षा शुरू होने से पूर्व रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अवश्य लगवा लें ताकि वर्षा के पानी की एक भी बूंद व्यर्थ न बहे और भूजल स्तर में भी वृद्धि हो।

उन्होने हरदा, टिमरनी व खिरकिया की जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अपने-अपने क्षेत्र के ग्रामों में अमृत सरोवर, खेत तालाब, कूप रिचार्ज, हेण्डपम्प व नलकूप रिचार्ज के कार्य कराये जायें। उन्होने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत तालाब निर्मित कराने के लिये किसानों को तैयार करें और उनके खेतों के निचले हिस्सों में खेत तालाब निर्मित कराएं।

खेतों में नरवाई जलाने वालों पर लगाएं अर्थदण्ड

कलेक्टर श्री जैन ने हरदा, टिमरनी, सिराली व खिरकिया के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिये कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अपने-अपने नगरीय क्षेत्र में स्थित सभी बड़े भवनों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने के लिये भवन स्वामियों को प्रेरित करें। उन्होने शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में स्थित कुओं की साफ-सफाई एवं रखरखाव के लिये भी अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होने जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती झानिया को निर्देश दिये कि जल गंगा संवर्धन अभियान की प्रगति की समीक्षा गूगल मीट के माध्यम से प्रतिदिन करें। कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिये कि खेतों में नरवाई जलाने की सूचना मिलने पर तुरन्त कार्यवाही करें और इसके लिये जिम्मेदार व्यक्ति पर अर्थदण्ड लगाएं। उन्होने अवैध रूप से बोरवेल खनन करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश तीनों एसडीएम को दिये।

फसल कटने के तत्काल बाद अतिक्रमण हटाएं और आगे अतिक्रमण न होने दें

कलेक्टर श्री जैन ने सभी सीएमओ को नगरीय क्षेत्र में बाधक बन रहे अतिक्रमण हटाने के लिये भी निर्देश दिये। उन्होने सभी तहसीलदारों से कहा कि फसल कटने के तत्काल बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू करें और सुनिश्चित करें कि जहां अभी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर फसल लगाई गई है, वहां फिर से कोई फसल लगाकर अतिक्रमण न करे। उन्होने सिराली, टिमरनी, खिरकिया व हरदा के सीएमओ को निर्देश दिये कि जो हेण्डपम्प सुधरने योग्य है, उन्हें तत्काल सुधरवाएं। उन्होने सभी विभागीय अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की नियमित रूप से समीक्षा करें तथा सभी एल-1 स्तर के अधिकारी अपने स्तर पर ही शिकायत निराकरण का प्रयास करें। बैठक में जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया, संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा के साथ-साथ हरदा, टिमरनी व खिरकिया के एसडीएम तथा जनपद के सीईओ भी मौजूद थे।

खनिज के अवैध परिवहन में शामिल 4 डम्पर जप्त किये

सत्ता सुधार ■ हरदा

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन के निर्देशन मे जिले मे खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कार्यवाही लगातार जारी है। जिला खनिज अधिकारी आर.पी. कमलेश ने बताया कि रविवार को खनिज विभाग के दल ने खनिज के अवैध परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही कर 4 डम्पर जप्त किये। कार्यवाही के दौरान जो वाहन जप्त किये गये उनमें वाहन मालिक रितेश शर्मा, मौसम रेस्टोरेंट हरदा के अस्पष्ट नंबर का डंपर, वाहन मालिक मयंक जैन, निवासी हरदा के डम्पर क्रमांक एमपी 47 एच 0280 तथा वाहन मालिक श्री जी इन्फ्रा.कंस्ट्रक्शन कंपनी ग्राम - बरबई तहसील खातेगांव के डम्पर क्रमांक आरजे 14 जीएच 9141 व आरजे 14 जीएच 9153 शामिल है। जप्त किये गये डम्पर पुलिस थाना परिसर में खड़े किए गए।

विद्युत वितरण कम्पनी के ऑपरेटर के साथ मारपीट करने पर एफ आई आर दर्ज

हरदा । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा हरदा वृत्त के पोखरनी वितरण केन्द्र अंतर्गत शासकीय कार्य मैं बाधा डालने एवं ऑपरेटर से मारपीट करने वाले आरोपित के विरूद्ध एफ.आई.आर दर्ज कराई गई है। सहायक प्रबंधक टिमरनी मोनिका सिंह ठाकुर ने बताया कि उपकेन्द्र पोखरनी के ऑपरेटर प्रकाश ग्वहारिया पिता मोहन लाल ग्वाहरिया के साथ ग्रामीण कुलदीप रायखेरे ने गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। इसके खिलाफ थाना टिमरनी में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उल्लेखनीय है कि आरोपित कुलदीप रायखेरे ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोखरनी वितरण केन्द्र सब स्टेशन में आपरेटर के पद पर पदस्थ आउटसोर्स कर्मचारी प्रकाश गुहारिया से जबरदस्ती सब स्टेशन के गेट का ताला खुलवाकर मारपीट की तथा विद्युत उपकरणों को क्षति पहुंचाने की कोशिश की। रात में बिजली चले जाने की बात कहते हुए आरोपित द्वारा मारपीट की गई और कंट्रोल पैनल में लात मारकर रिले तोड़ दिया गया, जिससे पूरे क्षेत्र की लाइट चली गई। इसके बाद ऑपरेटर प्रकाश गुहारिया ने इस घटना के संबंध में थाना टिमरनी पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई।

खंडवा में अवैध शराब और यातायात उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई

9 गिरफ्तार, 61 वाहन चालकों पर चालान

सत्ता सुधार ■ खंडवा

जिले में पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार और यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया है और 61 वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

अवैध शराब का जखीरा और वाहन जब्त : 18 मई को पदमनगर थाना क्षेत्र में दीपेंद्रनाथ उर्फ विक्की रावल (38 वर्ष) निवासी गुलमोहर कॉलोनी से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई। आरोपी के पास से ब्लेंडर्स प्राइड, सिग्नेचर, मैजिक मोमेंट, रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज और किंगफिशर बीयर सहित कुल 200 लीटर शराब (करीब 20 पेटी) और एक सफेद रंग की टवेरा कार जब्त की गई। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 5.77 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

यातायात नियम उल्लंघन पर भी सख्ती : जिले भर में पुलिस ने 18 मई को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 61 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। इनमें बिना नंबर प्लेट, बिना हेलमेट, तीन सवारी, सीट बेल्ट नहीं लगाने जैसे मामलों पर चालान कर कुल 41,300 रुपये समन शुल्क वसूला गया।

असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई : जिले के विभिन्न थानों में 28 व्यक्तियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इनमें धारा 126/135 बीएनएसएस के तहत 15, धारा 129 के तहत 7, धारा 170 के तहत 6 लोगों पर कार्रवाई कर बाउंड ओवर की कार्यवाही की गई है। पुलिस का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अन्य थानों की कार्रवाइयां

मोघट रोड थाने में सुभाष (45 वर्ष) निवासी अजंटी से 8 लीटर हाथ भट्टी शराब

पंधाना से जितेन्द्र (36 वर्ष) से 5 लीटर और धर्मेन्द्र (30 वर्ष) से 20 क्वार्टर देशी शराब

छैगांवमाखन से रामसिंह (58 वर्ष) से 10 लीटर हाथ भट्टी शराब

मूँदी से पुनम (35 वर्ष) और राकेश (35 वर्ष) से 20-20 क्वार्टर देशी शराब

मांधाता से प्रेमलाल (38 वर्ष) से 10 लीटर कच्ची शराब

किल्लौद से प्रेमनारायण (38 वर्ष) से 18 क्वार्टर देशी शराब बरामद की गई।

इन सभी पर धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

हरदा विधायक डॉ. दोगने द्वारा किया गया प्रतिभागियों को पुरस्कृत

सत्ता सुधार ■ हरदा

विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने अपने क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान रविवार रात्रि में ग्राम रूनझुन पहुंचकर ग्रामिणजनों से मुलाकात कर उनके हाल-चाल जाने। ग्रामिणजनों द्वारा हरदा विधायक को ग्राम में व्याप्त विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। जिस पर हरदा विधायक द्वारा तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर ग्रामिणजनों की समस्याओं का निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया।

इसके पश्चात हरदा विधायक डॉ. दोगने ग्राम में सिकंदर इलेवन क्रिकेट क्लब रूनझुन द्वारा आयोजित विशाल टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में पहुंचकर क्रिकेट प्रतियोगिता की विजेता व उपविजेता टीम को ट्राफी एवं प्रतियोगिता की ईनामी राशि प्रदान की साथ ही प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ीयों को भी पुरस्कृत किया गया। इस दौरान हरदा विधायक डॉ. दोगने के साथ विधायक प्रतिनिधि दशरथ पटेल, अमर रोचलानी, संजय जैन, जगदीश राठौर, शबीर खां, इब्राहीम खां, निर्भय दास राजपूत, भगवानदास, राजकुमार सहित समस्त ग्रामवासी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

विद्युत वितरण कम्पनी के ऑपरेटर के साथ मारपीट करने पर एफ आई आर दर्ज

हरदा । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा हरदा वृत्त के पोखरनी वितरण केन्द्र अंतर्गत शासकीय कार्य में बाधा डालने एवं ऑपरेटर से मारपीट करने वाले आरोपित के विरूद्ध एफ.आई.आर दर्ज कराई गई है। सहायक प्रबंधक टिमरनी मोनिका सिंह ठाकुर ने बताया कि उपकेन्द्र पोखरनी के ऑपरेटर प्रकाश ग्वहारिया पिता मोहन लाल ग्वाहरिया के साथ ग्रामीण कुलदीप रायखेरे ने गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। इसके खिलाफ थाना टिमरनी में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उल्लेखनीय है कि आरोपित कुलदीप रायखेरे ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पोखरनी वितरण केन्द्र सब स्टेशन में आपरेटर के पद पर पदस्थ आउटसोर्स कर्मचारी प्रकाश गुहारिया से जबरदस्ती सब स्टेशन के गेट का ताला खुलवाकर मारपीट की तथा विद्युत उपकरणों को क्षति पहुंचाने की कोशिश की। रात में बिजली चले जाने की बात कहते हुए आरोपित द्वारा मारपीट की गई और कंट्रोल पैनल में लात मारकर रिले तोड़ दिया गया, जिससे पूरे क्षेत्र की लाइट चली गई। इसके बाद ऑपरेटर प्रकाश गुहारिया ने इस घटना के संबंध में थाना टिमरनी पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई।

बरसात में करंट से बचने के लिये विद्युत वितरण कंपनी ने एडवायजरी जारी की

सत्ता सुधार ■ हरदा

मानसूनी मौसम के दौरान हवा में नमी के कारण करंट लगने की आशंका ज्यादा रहती है। करंट से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता है। ज्यादातर मौतें घरों में अर्थिंग नहीं होने या कमजोर अर्थिंग की वजह से होती है। अर्थिंग या तो स्थानीय स्त्रोत से प्राप्त की जा सकती है या घर पर ही गहरा गड्ढा खोदकर खुद बनाई जा सकती है। बारिश में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गयी है। जारी एडवायजरी में घर में अर्थिंग की उचित व्यवस्था रखें। हरे रंग के तार को हमेशा याद रखें, इसके बिना कभी बिजली उपकरण का प्रयोग न करें, खास कर जब यह पानी के स्त्रोत को छू रहा हो। पानी करंट के प्रवाह की गति को बढ़ा देता है, इसलिए नमी वाले माहौल में अतिरिक्त सावधानी रखें। दो पिन वाले बिना अर्थिंग के उपकरणों का प्रयोग न करें।

तीन पिन वाले प्लग का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि तीनों तार जुड़े हों और पिनें खराब न हों। तारों को सॉकेट में लगाने के लिए माचिस की तीलियों का प्रयोग न करें। किसी भी तार को तब तक न छुएं, जब तक बिजली बंद न कर दी गई हो। अर्थिंग के तार को न्यूट्रल के विकल्प के तौर पर प्रयोग न करें। सभी जोड़ों पर बिजली वाली टेप लगाएं, न कि सेलोटेप या बेंडेड। गीजर के पानी का प्रयोग करने से पहले गीजर बंद कर दें। हीटर प्लेट का प्रयोग नंगी तार के साथ न करें। घर पर सूखी रबड़ की चप्पलें पहनें। घर पर मिनी सर्किट ब्रेकर और अर्थ लीक सर्किट ब्रेकर का प्रयोग करें। मेटलिक बिजली उपकरण पानी के नल के पास न रखें। रबड़ के मैट और रबड़ की टांगों वाले कूलर स्टैंड बिजली उपकरणें को सुरक्षित बना सकते हैं। केवल सुरक्षित तारें और फ्यूज का ही प्रयोग करें। अर्थिंग की जांच हर छह महीने में करते रहें। किसी भी आम टैस्टर से करंट के लीक होने का पता लगाया जा सकता है। फ्रिज के हैंडल पर कपड़ा बांध कर रखें। प्रत्येक बिजली उपकरण के साथ बताए गए निर्देश पढ़ें।

समीक्षा बैठक जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त एवं नदियों की सफाई करने के निर्देश

जनहितैषी योजनाओं और कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं : कलेक्टर

सत्ता सुधार ■ छतरपुर

कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में सोमवार को टी.एल. प्रकरणों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एडीएम मिलिंद नागदेवे, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, कौशल सिंह और एसडीएम, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के सीएमओ और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, सीएम हेल्पलाइन, उपार्जन भुगतान सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा में नौगांव, चंदला, घुवारा, गढ़ीमलहरा के सीएमओ को खराब प्रदर्शन पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही घुवारा सीएमओ की वेतन वृद्धि रोकने तथा गढ़ीमलहरा सीएमओ की सात दिवस का वेतन राजसात के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को निकायों के जल स्त्रोतों को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए। साथ ही डब्ल्यूआरडी ईई को नदियों की सफाई और जलप्रवाह सुनिश्चित करने के लिए कहा। कलेक्टर ने सीएम एवं सीएस मॉनिट प्रकरणों की समीक्षा करते हुए प्राथमिकता से समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान गेहूं उपार्जन में किसानों को भुगतान, मसूर व सरसों बिक्री, डब्ल्यूएचआर आधारित खरीदी, पंजीकृत किसानों और स्लॉट बुकिंग की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने भूमि आवंटन एवं जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुए नल कनेक्शन प्रगति, पीएचई द्वारा बोर ड्रिलिंग और हैंडपंप स्थापना की स्थिति के संबंध में कार्य को एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पीआईयू विभाग को लंबित कार्यों को त्वरित रूप से पूरा करने के लिए निर्देशित किया गया और एमपीयूडीसी के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति में कार्य

संतोषजनक नही पाए जाने पर एजेंसियों को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समस्त जनपद सीईओ को निर्देश दिए कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने में प्रगति बढ़ाएं। बैठक में ई-ऑफिस के संबंध में समीक्षा में जो कार्यालय ऑन बोर्ड नही हुए है। उनके कार्यालय प्रमुखों की एक माह की वेतन रोकने के निर्देश देते हुए कहा कि फाइलों और पत्र को ई-ऑफिस के माध्यम से ही प्रेषित करें।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें : कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर गौरिहार तहसीलदार की वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। साथ ही सभी बीएमओ को हेल्पलाइन के लंबित प्रकरण तुरंत निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा विशेषकर एक हजार दिवस से अधिक पुराने मामलों को तत्काल निराकृत करते हुए बंद करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लेबर इंस्पेक्टर की खराब कार्यप्रणाली पर वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश देते हुए कहा कि अपना टूर प्लान जारी करें। साथ ही खनिज अधिकारी की अनुपस्थिति पर उन्हें अवैतनिक करने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के डीईओ, डीपीसी और डाइट प्राचार्य के एल 1 अधिकारियों को कलेक्टर कार्यालय में बुलाकर सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के संतोषजनक समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लापरवाही पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। विभागीय अधिकारी समयसीमा में कार्य पूर्ण करें। समग्र ई-केवायसी की समीक्षा में नगर पालिका छतरपुर को खराब प्रदर्शन पर चेतावनी दी गई और सुधार के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवेदन सत्यापन और जियो टैगिंग की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री जैसवाल ने झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कार्यवाही निरंतर जारी रखें और झोलाछाप डॉक्टरों एवं अवैध क्लीनिक के विरूद्ध एफआईआर एवं जुर्माना लगाने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा लाइसेंस की वैधता की भी जांच की जाए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया।

बस और बाइक की टक्कर में युवक की मौत, दूसरा घायल, गुस्साई भीड़ ने बस ड्राइवर से की मारपीट

सत्ता सुधार ■ खंडवा

जिले के पीपलोद थाना क्षेत्र में सोमवार को बस और बाइक के बीच हुई टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने बस चालक के साथ मारपीट कर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और चालक को भीड़ से सुरक्षित निकाला।

घटना खंडवा से भीलखेड़ी की ओर जा रही सवारी बस की है। बस जैसे ही गांधवा और पाडल्या के बीच कालापाठ फाटे के पास पहुँची, सामने से आ रही बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। बाइक पर सवार चमन (32 वर्ष), पिता चंपालाल निवासी ग्राम पाडल्या की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका साथी सावन पिता सोहनलाल, जो उसी गांव का निवासी है, गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसका इलाज जारी है।

जांच जारी : फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना के वीडियो फुटेज तथा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर जांच की जा रही है।

घटना के बाद मचा हंगामा

हादसे के बाद बस चालक ने वाहन को तुरंत मोड़ा और गांधवा की ओर भागने की कोशिश की। लेकिन पीछे से आ रहे ग्रामीणों ने बस का पीछा कर गांधवा में उसे रोक लिया। आक्रोशित भीड़ ने बस चालक के साथ मारपीट की, जिससे उसे भी चोटें आईं। सूचना मिलते ही पीपलोद थाना पुलिस मौके पर पहुँची और स्थिति को शांत किया। घायल चालक को भीड़ से सुरक्षित निकालकर गांधवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिलाया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों में आक्रोश

घटना के बाद से पाडल्या और आसपास के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। उनका आरोप है कि बस चालक की लापरवाही के कारण हादसा हुआ। वहीं पुलिस प्रशासन का कहना है कि जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि टक्कर किसकी गलती से हुई।

ब्रीफ न्यूज

21 मई मकरोनिया में भव्य 'शौर्य तिरंगा यात्रा' का आयोजन

सागर। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और भारतीय सेना के शौर्य को सम्मानित करने के लिए 21 मई को मकरोनिया में ÷शौर्य तिरंगा यात्रा का आयोजन मकरोनिया सांस्कृतिक समिति, नरयावली विधानसभा द्वारा किया जा रहा है। तिरंगा यात्रा भारत माता, मकरोनिया चौराहे से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से बजरिया चौराहे होते हुए भारत माता, मकरोनिया चौराहे पर समाप्त होगी।नरयावली विधायक इंजी.प्रदीप लारिया ने मकरोनिया सांस्कृतिक समिति, नरयावली विधानसभा द्वारा देश की आन,बान और शान के प्रतीक तिरंगा एवं भारतीय वीर सैनिकों के सम्मानित करने आयोजित शौर्य तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में गणमान्यजन एवं नागरिकों से शामिल होने का विनम्र अनुरोध किया है।

विधायक इंजी प्रदीप लारिया के निर्देश पर बड़े नालों की सफाई जारी

सागर। नरयावली विधायक इंजी प्रदीप लारिया के निर्देश अनुसार नगर पालिका परिषद मकरोनिया अध्यक्ष मिहीलाल अहिरवार के नेतृत्व में सभी वार्डो में स्थित बड़े नालों की सफाई पोकलेन मशीन एवं छोटी नालियों की सफाई, सफाई मित्रो की सहायता से लगातार की जा रही है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री पवन शर्मा जी ने बताया सागर कलेक्टर महोदय श्री संदीप जी. आर. के दिशा निर्देशन में नालों का सीमांकन कराकर आगामी वर्षा को देखते हुए वार्डो में जल भराव की स्थिति ना हो इसलिए अभी से वार्डो में स्थित नालों की साफ सफाई कराई जा रही जिससे गंदगी ना फैले एवं ना ही जल भराव की स्थिति बने।

बीना की प्रतिभावान बिटिया को बधाई! राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में जीता सोना

बीना/सागर। कहते हैं कि यदि प्रतिभाओं को सलीके से तराशा जाए तो वह न केवल अपने परिवार का बल्कि समाज नगर और देश का नाम रोशन करने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। ऐसा ही कारनामा दिखाया है ग्राम आगासौद की होनहार बिटिया मेघा कुशवाहा ने जिन्होंने भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के 73 किलो ग्राम वजन की केटेगरी में स्वर्ण पदक जीतकर सभी को गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि मेघा कुशवाहा छात्र जीवन से ही विभिन्न खेल प्रतियोगिताओ में सहभागिता करती रही हैं और अनेक पुरस्कारों से सम्मानित हुई हैं।कुमारी मेघा कुशवाहा की इस गौरवशाली उपलब्धि पर उनके पिता गणेशराम कुशवाहा सहित कुशवाहा समाज बीना से एड. हरिनारायण कुशवाहा, महेश कुशवाहा, बैनीराम कुशवाहा, देवेंद्र कुशवाहा, सुनील कुशवाहा, धर्मेंद्र कुशवाहा, कैलाश कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, रवि कुशवाहा, मोहनीश कुशवाहा, राजीव कुशवाहा, अभिषेक कुशवाहा, विक्रम कुशवाहा, नंदकिशोर कुशवाहा, मोहित कुशवाहा, संदीप कुशवाहा सहित समस्त स्वजातीय बंधुओं ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

आरटीओ 11 यात्री बसों से 87500 रुपए जुर्माना राशि वसूली

यात्री बसों में आपातकालीन द्वार के सामने लगी सीटें हटवाकर जप्त की

सत्ता सुधार ■ सागर

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मनोज कुमार तेहनगुरिया ने बताया कि कलेक्टर संदीप जीआर द्वारा स्कूल बस एवं यात्री बसों की चैकिंग संबंधी कार्यवाही किये जाने हेतु दिये गये।निर्देश के अनुक्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सागर द्वारा प्रवर्तन अमले एवं प्रभारी निरीक्षक यातायात सागर के साथ को सिविल लाईन चैराहे के निकट प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक 42 यात्री वाहनों को चैक किया गया जिनमें से मात्र 1 यात्री बसों में आपातकालीन द्वार पर सीट लगी पाई जाने पर उन्हें मौके पर निकलवाकर जप्त कर कार्यालय परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया ताकि वाहनस्वामी पुनः इन सीटो को इमरजेंसी गेट के सामने न लगा सके।कुल 11 यात्री बसों में कमियां पाये जाने पर उन वाहनों से मोटरयान अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत् चालानी कार्यवाही करते हुए 87500 रुपए का जुर्माना वसूल किया गया।चैकिंग के परिणाम स्वरूप अधिकतर यात्री बसों के इमरजेंसी गेट भलीभांति कार्य कर रहे हैए तथा उनके सामने सीट लगी नहीं पाई जा रही है। चालक परिचालक के गणवेश एवं अन्य सुरक्षा संबंधी उपाय जैसे अग्निशमन यंत्रए फस्टएड बॉक्स आदि पर अब विशेष जोर दिया जावेगा। यदि कोई भी चालक परिचालक बिना वर्दी के पाया जावेगा उनके लायसेंस तत्काल निलंबित कर दिए जावेगे। साथ ही जुर्माना राशि वसूल की जावेगी।क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने समस्त वाहनस्वामियों को हिदायत दी है कि वे अपने वाहनों के संचालन के दौरान वाहन से संबंधित समस्त दस्तावेजों यथा बीमाए फिटनेस,परमिट, पंजीयन कार्ड,वाहन चालक का हैबी ड्रायविंग लायसेंस, टैक्स प्रमाण पत्रए प्रदूषण प्रमाण पत्र आदि अनिवार्य रूप से साथ में रखे तथा यात्री वाहनों में आपातकालीन द्वार पर लगी सीटों को शीघ्र हटवाकर वाहनों का संचालन करे यदि चैकिंग के दौरान आपातकालीन द्वार पर सीट लगी पाई जाती है, तो विधि अनुसार कठोर कार्यवाही की जावेगी।

उन्नत कृषि के गुण सीखने कलेक्टर ने कृषकों के दल को किया रवाना

गाद के उपयोग, जैविक खेती, उच्च मूल्य वाली फसलों सहित जल संरक्षण के लिए कलेक्टर ने किया प्रेरित

जिले के कृषकों को आधुनिक एवं नवीनतम कृषि तकनीकों के अवलोकन हेतु 5 दिवसीय भ्रमण पर भेजा गया

सत्ता सुधार ■ सागर

कलेक्टर संदीप जी आर और पुलिस अधीक्षक विकास शाहवाल ने जिले के किसानों को उन्नत कृषि के गुण सीखने के लिए शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।कलेक्टर संदीप जी आर ने किसानों के दल को रवाना करने से पहले उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्हें गाद के उपयोग की सलाह दी और बताया कि इसके उपयोग से खेत की उपजाऊ क्षमता में तीन गुना तक वृद्धि होती है। इसके साथ ही उन्होंने जैविक खेती की भी सलाह दी, साथ ही बाजार में अच्छी कीमत देने वाली उच्च मूल्य की फसलों और क्रॉप वेरिएशन लाने, नई फसलों की खेती करने जैसे ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी, एवोकाडो आदि उगाने और उन्हें मार्केट से लिंक करने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हम सभी जल संरक्षण के कार्यो से भी जुड़ें और अपने क्षेत्र में अन्य लोगों को भी जल संवर्धन और संरक्षण के लिए प्रेरित करें। उप संचालक उद्यान पीएस बडोले ने बताया कि यह दल राज्य पोषित योजना वर्ष 2024-25 के अंतर्गत राज्य के बाहर पांच दिवसीय भ्रमण पर भेजा गया है। उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग सागर से एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं राज्य योजना अंतर्गत राज्य के बाहर पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण के लिए 76 कृषकों का यह दल प्रयागराज, अयोध्या, प्रतापगढ़, लखनऊ के लिए रवाना किया गया है। सागर के समस्त विकासखंडों के कृषकों को प्रशिक्षण में आंवला, एवोकाडो, ड्रैगनफ्रूट, आम की उन्नत तकनीक से खेती, उद्यानिकी की नवीन तकनीक, हाइड्रोपोनिक्स एवं माइक्रोग्रीन्स सब्जियों की उन्नत खेती हेतु शासकीय यूनिवर्सिटी, प्रक्षेत्र, कृषि विज्ञान केंद्र एवं उन्नत कृषकों के खेतों का भ्रमण करवाया जाएगा। भ्रमण में कृषकों को योजना के उद्देश्यों की पूर्ति एवं किसानों को उद्यानिकी तकनीकी हस्तांतरण हेतु कृषकों को उद्यानिकी की आधुनिक एवं नवीनतम तकनीकों का अवलोकन एवं विशेषज्ञों से जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।भ्रमण के दौरान कृषकों को सागर सेवसर्वप्रथम प्रयागराज ले जाया जाएगा जहां स्थानीय कृषकों के बगीचों का अवलोकन, प्रयागराज कृषि संस्थान में प्रक्षेत्रों का भ्रमण एवं प्रशिक्षण, वैज्ञानिकों/विशेषज्ञों से चर्चा एवं परामर्श किया जाएगा। प्रतापगढ़ में पुष्पांजली आवंला उत्पाद व आंवला पौधों प्रक्षेत्रों का भ्रमण, अयोध्या में नरेन्द्र कृषि विश्व विद्यालय अयोध्या, कुमार गज प्रक्षेत्र का भ्रमण एवं फलों का अवलोकन/प्रशिक्षण, वैज्ञानिकों/विशेषज्ञों से चर्चा की जाएगी।इसी प्रकार लखनऊ में निर्देशक केन्द्रीय उष्णकटिबंधीय उद्यानिकी अनुसंधान केन्द्र रहमान खेड़ा लखनऊ में स्थित उद्यानिकी की आधुनिक एवं नवीनतम तकनीकों का अवलोकन एवं विशेषज्ञों से चर्चा की जाएगी।

एरण सभ्यता को विश्व के सामने लाने वाले डॉ. मोहनलाल को ऑल इंडिया 1 रैंकिंग मिली

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

पर्यटन के क्षेत्र में ऐरण जो स्थान मिलना चाहिए था वह राजनीतिक, प्रशासनिक सोच की कमी के चलते वह स्थान नहीं मिल पाया जो मिलना चाहिए था। किंतु ऐरण निवासी डॉ.मोहन लाल चढ़ार ने एरण पर शोध करते हुए मानव सभ्यता में विकास एरण के योगदान और यहां की संस्कृति को दुनिया के सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐरण के इतिहास को प्रस्तुत करने वाले डॉ मोहन लाल चढ़ार विश्व साइंटिफिक इंडेक्स ने विभिन्न - क्षेत्रों में शोध करने वाले वैज्ञानिकों की रैंकिंग जारी की है। पुरातत्व में को आल इंडिया नंबर वन रैंकिंग हासिल हुई है।डॉ.चढ़ार ने एरण पर शोध करते हुए का मानव सभ्यता में विकास एरण के योगदान और यहां की संस्कृति को दुनिया के सामने लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साइंटिफिक इंडेक्स ने 211 अकादमिक फील्ड्स में शोध करने वाले विश्व के कई वैज्ञानिकों, स्कॉलर्स को लेकर रैंकिंग जारी की है। पुरातत्व के लिए इन दिनों इंदिरा गांधी जनजातीय विवि अमरकंटक में प्रोफेसर एवं प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. मोहनलाल चढ़ार को देश में पहली रैंकिंग दी है। डॉ.चढ़ार 2003 से एरण पर शोधकार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2003 में उन्हें एरण की ताम्र पाषाणकालीन संस्कृति एक अध्ययन के लिए जूनियर रिसर्च फैलोशिप मिली थी। दो साल बाद इसी विषय पर सीनियर रिसर्च फैलोशिप मिली। वर्ष 2007 से 2010 तक वह सागर विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने के साथ ही एरण तथा मप्र की कला, संस्कृति एवं पुरातत्व पर शोध करते रहे। अब तक उनकी 14 किताबें, 105 शोध पत्र अलग-अलग पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके शोध पत्र ऐरणः द रिच कल्चरल हेरिटेज एंड लास्ट सिविलाइजेशन में एरण के प्रारंभ से लेकर इतिहास देखने को मिलता है। यह शोध पत्र 2024 में प्रकाशित हुआ था। मानव सभ्यता का विकास देखने मिलता है- उन्होंने बताया कि एरण में शोध कार्य के दौरान पाषाण उपकरणों, भारत के प्रारंभिक सिक्के एवं अभिलेखों के साथ-साथ उत्खनन से प्राप्त सामग्री से भारत की मानव सभ्यता, संस्कृति एवं परंपराओं का क्रमबद्ध विकास एरण पुरा स्थल पर शोधकार्य के माध्यम से देखने को मिलता है। अपने शोध के माध्यम से उन्होंने बताया कि एरण में हड़प्पा की समकालीन संस्कृति का विकास हुआ है।

सिविल डिफेंस वालंटियर, रिटायर्ड पुलिसकर्मी द्वारा आयोजित किया गया ड्रिल

आगजनी, बमबारी जैसी आकस्मिक स्थिति से बचाव के लिए किया गया अभ्यास

पुलिस बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, आपदा प्रबंधन टीम ने अभ्यास में की भागीदारी

सत्ता सुधार ■ छतरपुर

भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन द्वारा आपातकालीन एवं आपदा प्रबंधन जैसी स्थिति में सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए सिविल डिफेंस वालंटियर के नामांकन एवं प्रशिक्षण के लिए निर्देशित किया गया है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देशन में छतरपुर जिले में सिविल डिफेंस वालेंटियर्स का प्रशिक्षण निरंतर जारी है। सोमवार को पुलिस लाइन परिसर में डिस्ट्रिक्ट होमगार्ड टीम, एसडीईआरएफ एवं मास्टर ट्रेनरों के नेतृत्व में आकस्मिक स्थिति, आपदा प्रबंधन एवं आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। आकस्मिक सायरन बजे, मॉक ड्रिल कार्यक्रम में नाटकी रूप से मिसाइल एवं ब्लास्टिंग, फायर अटैक हुए, इस आकस्मिक स्थिति में पुलिस बम निरोधक दस्ता द्वारा स्थल पर आकर यंत्रों को निष्क्रिय किया गया। फायर ब्रिगेड टीम ने आगजनी पर नियंत्रण किया। आपदा प्रबंधन टीम ने बचाव कार्य करते हुए स्थिति को संभाला एवं एंबुलेंस टीम ने आकस्मिक स्थिति में घायल हुए पीड़ितों को शीघ्र अस्पताल ले जाने का अभ्यास किया गया।

बीना के आदित्य वीर ने क्रिकेट में लहराया अपना परचम

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

आईपीएल IPL की तर्ज पर खेले जाने वाली मध्य प्रदेश क्रिकेट लीग MPL में इस वर्ष भोपाल, इंदौर, जबलपुर, चंबल, ग्वालियर के बाद बुंदेलखंड बुल्स टीम की टीम शिरकत करने जा रही है जिसमें हाल ही सागर में हुए ट्रायल्स में आए लगभग 1500 प्रतिभागियों में से सागर जिले के बीना नगर के आदित्य वीर कॉलिंस ने शानदार तेज़ गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए सागर क्षेत्र से बुंदेलखंड बुल्स टीम में अपनी जगह बनाई है। आदित्य वीर कॉलिंस क्रिकेट में अपनी तेज़ गेंदबाजी के लिए सागर से भोपाल तक परचम लहरा चुके हैं और वर्तमान में 140 किमी की रफ्तार से गेंदबाज़ी कर रहे हैं। शीघ्र ही वो भारतीय तेज़ गेंदबाज आवेश खान के साथ इंदौर के होलकर स्टेडियम में लगे बुंदेलखंड बुल्स टीम के कैंप में गेंदबाजी करते दिखाई देंगे। आदित्य के चयन के बाद नगर के खेल प्रेमियों के बीच हर्ष की लहर है व उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित करने मित्र, मिली खेल प्रेमी उनके घर शुभकामनाएं देने पहुंचे।

विमोचन | इस तिथि पत्रक से तीज, त्योहार को लेकर भ्रम की स्थिति निर्मित नहीं होगी

महामंडलेश्वर ने पर्व, तिथि पत्रक का विमोचन किया

सत्ता सुधार ■ बीना/सागर

अलग-अलग पंचांग में त्योहारों और तिथियों को लेकर कई बार भ्रम की स्थिति निर्मित होती है। सभी त्योहार और तिथियां एक साथ मनाने शहर के ज्योतिष शास्त्री और कर्मकांड कराने वाले ब्राह्मण ने तिथि पत्रक तैयार किया है। इस पत्रक का एक निजी होटल में विमोचन किया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर राधा मोहनदास मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। ज्योतिषाचार्य देवशंकर दुबे, धर्माधिकारी दशरथ पुरोहित के विशेष प्रयास से यह पत्रक तैयार किया है। कार्यक्रम के दौरान महा मंडलेश्वर ने कहा कि तिथि पत्रक तैयार होने पूरे वर्ष तीज, त्योहार को लेकर भ्रम की स्थिति निर्मित नहीं होगी। पुजारी, पंडित तिथि पत्रक के अनुसार लोगों को बता सकेंगे कि किस तिथि को कौन सा त्योहार मनाया जाना है। इससे निश्चित तिथि पर सभी लोग विधि विधान के साथ तीज, त्योहार मना सकेंगे। इसके लिए शहर के सभी पुजारियों को तिथि पत्रक भेंट किए हैं। इस अवसर पर सुनील सिरोठिया, हरिराम दुबे, अजय ठाकुर, योगेश चतुर्वेदी, अशोक दुबे, दिनेश पाठक, राधे पाराशर, रामबाबू तिवारी, जगदीश पाराशर, रामेश्वर पाराशर सहित पुजारी शामिल हए।

जरा सी बारिश ने नगर में सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी

बीना/सागर। सोमवार को गर्मी से राहत देने के लिए बारिश हुई किंतु इस बारिश ने नगर पालिका की सफाई व्यवस्था की पुरी की पूरी पोल खोल कर रख दी जगह-जगह सड़कों पर गंदगी भरा पानी देखा गया विशेष रूप से खिरिया वार्ड स्थित नाले के पास स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि लोग अपने घरों से बाहर निकलने में संकोच कर रहे है करण नाले की पूरी गंदगी रोड़ों पर आकर जमा हो गई जिससे गंदगी और बदबू के कारण लोगों का बुरा हाल हो गया इस संबंध में खिरिया वार्ड के लोग शिकायत करने के लिए नगर पालिका पहुंचे जहां पर नगर पालिका अध्यक्ष लता सकवार ने तत्काल सफाई व्यवस्था की आदेश दिए वहीं उन्होंने नाली पुनः निर्माण के लिए टेंडर जारी करने के स्टाफ को निर्देश दिए।

ब्रीफ न्यूज

ऋषभ को रन बनाने ही होंगे : सुरेश रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और सुरेश रैना ने कहा है कि आईपीएल के इस सत्र में अबतक लखनऊ सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत असफल रहे हैं। ऐसे में अगर टीम को प्लेऑफ में जगह बनानी है तो ऋषभ को बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलानी होगी। सुपरजायंट्स ने 11 मैचों में से 5 जीते हैं और 10 अंक के साथ इस रेस में बनी हुई है। उसकी प्लेऑफ की उम्मीद तभी कायम रहेगी जब वह अपने सभी मैच जीते। इसके बाद भी उसे दूसरी टीमों के समीकरण पर निर्भर रहना पड़ सकता है। रैना ने ऋषभ के प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा कि उसे नीलामी में 27 करोड़ रुपए मिले हैं। इसलिए उसे रन बनाने ही होंगे। रैना ने कहा,'पंत को रन बनाना चाहिए। लखनऊ के सम्मान के लिए रन बनाना चाहिए।' इस पर वीरेंद्र सहवाग ने तंज कसते हुए कहा, 'काश! पैसे देकर परफॉर्मेंस खरीदी जा सकती।'सुपरजायंट्स ने आईपीएल नीलामी में ऋषभ पर 27 करोड़ की बोली लगाई थी। इसके साथ ही वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए पर वह अपनी टीम को भरोसा बरकारार नहीं रख पाये। वह इस सत्र के 11 मैचों में 128 रन ही बना सके हैं और उनका स्ट्राइक-रेट 100 से कम है।

चहल की अच्छाई और विनम्रता को पसंद करती हूं : महवश

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से स्पिनर युजवेंद्र चहल और आरजे महवश के बीच अफेयर की चर्चाएं है। इसका कारण है कि ये दोनो कई जगहों पर एकसाथ देखे गये हैं। वहीं महवश और चहल ने अब तक अपने रिलेशनशिप को लेकर कुछ नहीं कहा है पर वह आईपीएल मैचों में हमेशा नजर आयीं हैं। महवश ने चहल को बेहद केयरिंग बताया है। महवश ने कहा, 'उनकी अच्छाई और उनकी विनम्रता को वह पसंद करती हैं साथ ही कहा कि वह , वह सच में सबसे केयरिंग लोगों में से एक हैं जिन्हें आप कभी मिलेंगे। वह हमेशा अपने लोगों के लिए मौजूद रहते हैं. मैं निश्चित रूप से उनकी यह खासियत अपनना चाहूंगी। इससे पहले भी महवश ने एक मैच में चहल के अच्छे प्रदर्शन के बाद उनके लिए एक इमोशनल मेसेज पोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, 'अपने लोगों का हर हाल में समर्थन करने और उनके पीछे चट्टान की तरह खड़े रहने के लिए। हम सब आपके साथ हैं।' चहल ने गर्मजोशी से जवाब दिया, 'आप लोग मेरी ताकत हैं। हमेशा मेरे साथ खड़े रखने के लिए धन्यवाद।'

आरसीबी फाइनल में पहुंची तो स्टेडियम में रहूंगा : विलियर्स

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने कहा है कि अगर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम आईपीएल फाइनल में पहुंची तो वह मैच देखने भारत जाएंगे। लंबे समय तक आरसीबी से खेले विलियर्स ने कहा है कि इस बार टीम ने काफी अच्छा खेला है और वह खिताब जीत सकती है। इस क्रिकेटर के अनुसार इस बार आरसीबी बहुत अच्छा खेल रही है।

इटली में फार्मुला वन रेस में जीत के बाद रेड बुल के मैक्स वर्स्टेपन जश्न मनाते हुए।

अलकराज ने पहली बार जीता इटालियन ओपन , खिताबी मुकाबले में सिनर को हराया

एजेंसी ■ रोम

स्पेन के कार्लोस अलकराज इटालियन ओपन के नये चैम्पियन बने हैं। अलकराज ने खिताबी मुकाबले में मेजबान देश के स्टार खिलाड़ी जानिक सिनर को हराकर पहली बार इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीता है। फाइनल में अलकराज ने सिनर को सीधे सेटों में 7-6 (5), 6-1 से हराया। इसी के साथ ही अलकराज ने एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। वह एकमात्र अकेले ऐसे खिलाड़ी बन गये हैं जिन्होंने सिनर को एक से अधिक बार हराया है।

वह लगातार चार मुकाबलों में सिनर से जीते हैं। डोपिंग विवाद से उबरे सिनर के लिए 10,500 प्रशंसकों की भीड़ उनका मनोबल बढ़ा रही थी कर रही थी पर अलकराज ने पहले सेट में दो सेट अंक बचाये और मुकाबला अपने नाम कर सिनर के 26 मैचों से जारी जीत के सिलसिले को तोड़ दिया। इससे पहले चाइना ओपने के फाइनल में भी अलकराज ने सिनर को हराया था। सिनर जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में उतरे थे। इस हार से उन्हें झटका लगा है। इससे उनके साल 1976 के बाद इटेलियन ओपन जीतने वाले पहले घरेलू पुरुष खिलाड़ी बनने की उम्मीदें टूट गयीं। वहीं इस जीत से चार बार के ग्रैंड स्लैम विजेता अलकराज रैंकिंग में फिर से दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। यह उनका लगातार तीसरा क्ले-कोर्ट फाइनल था। इससे पहले वह मोंटे कार्लो मास्टर्स जीतने और बार्सिलोना ओपन में उपविजेता रहे थे।

आईपीएल में सीएसके और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला आज

दोनो ही टीमें पहले ही इस टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। ऐसे में ये मैच एक औपचारिकता भर है

एजेंसी ■ नई दिल्ली

आईपीएल में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीमें पहले ही इस टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। ऐसे में ये मैच एक औपचारिकता भर है। दोनो ही टीमें इस मैच में जीत के साथ ही अंतिम स्थान पर आने से बचने का प्रयास करेंगी। ये मैच रॉयल्स का इस सत्र का अंतिम मैच है। टीम इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। विशेष रुप से उसके गेंदबाज विफल रहे।

टीम को हालांकि 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के रूप में एक भविष्य का सितारा जरुर मिल गया। टीम के बल्लेबाजों के प्रयासों पर उसके कमजोर गेंदबाजों ने पारी फेर दिया। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता और मध्य क्रम का असफल होना भी टीम की हार का कारण रहा। विपक्षी टीम पर अंकुश लगाने वाले गेंदबाज की कमी भी टीम के लिए नुकसान देह रही। रॉयल्स की टीम के बल्लेबाजी ने कुछ मैचों में तेज शुरुआत की पर उनके गेंदबाजों ने सहयोग नहीं किया। पंजाब किंग्स के खिलाफ उसने शुरुआती पांच ओवर में 70 से अधिक रन बनाए लेकिन टीम फिर भी मैच हार गई। ऐसे में टीम इस मैच को जीतकर अपने अभियान का समापन करना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर सीएसके की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल करने के प्रयोग में असफल रही है। इसी कारण उसे हार का सामना करना पड़ा है। प्रभावित हुआ है। सुपरकिंग्स को राहुल त्रिपाठी और दीपक हुड्डा से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें थीं पर दबाव की स्थिति में लगातार मैच जीतने वाला प्रदर्शन नहीं कर पाए। आयुष म्हात्रे, शेख रशीद और उर्विल पटेल जैसे युवा खिलाड़ियों को वह निखारने का प्रयास करेग। आयुष रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शतक लगाने के करीब पहुंचे और सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियन्स के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया। उर्विल ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आक्रामक पारी खेली थी। इस सत्र में कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने से भी सीएसके को परेशानी हुई थी जिसके कारण महेन्द्र सिंह धोनी को कप्तानी संभालनी पड़ी। इस सत्र मडेवोन कॉनवे और रचिन रविंद्र जैसे विदेशी खिलाड़ियों का भी उसे लाभ नहीं मिला। टीम का लक्ष्य इस मैच में नई प्रतिभाओं को आजमाना रहेगा।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपरकिंग्स:- महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रविंद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रविंद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्दार्थ और वंश बेदी।

राजस्थान रॉयल्स:- संजू सैमसन (कप्तान), अशोक शर्मा, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, फजलहक फारूकी, वानिंदु हसरंगा, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, रियान पराग, लुआन-ड्रे प्रीटोरियस, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, महेश तीक्षणा, युद्धवीर सिंह।

प्लेऑफ के एक स्थान के लिए हैं कैपिटलस मुम्बई और सुपरजायंट्स में मुकाबला

एजेंसी ■ मुम्बई

आईपीएल 2025 प्लेऑफ में गुजरात टाइटंस के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स सहित तीन टीमें पहुंची हैं। अब केवल एक स्थान ही बचा है। जिसके लिए दिल्ली कैपिटल्स, मुम्बई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स दावेदार हैं। इनमें सुपरजायंट्स की दावेदारी सबसे कमजोर है क्योंकि वह अंक और रन रेट में सबसे नीचे है। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद लीग स्तर पर ही बाहर हो गयीं थीं।

मुंबई इंडियंस ¬ मुम्बई को प्लेऑफ में जगह बनाने 21 मई को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला जीतना होगा। वहीं उसे 26 मई को जयपुर में पंजाब किंग्स से खेलना है। अगर मुंबई अपने दोनों मैच जीत जाती हैं तो 18 अंकों के साथ अपने आप क्वालीफाई कर जाएगी और उसे उसे दूसरी टीमों के परिणामों पर पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। अगर सिर्फ एक मैच जीतती है तो भी 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर सकती है, लेकिन ये इस बात पर निर्भर करता है कि वे किसे हराते है।. अगर दिल्ली कैपिटल्स को हरा देते हैं तो वे प्लेऑफ में अपनी जगह लगभग पक्की कर लेंगे। अगर दिल्ली से हार जाते हैं लेकिन पंजाब किंग्स को हरा देते हैं तो उन्हें उम्मीद करनी चाहिए कि दिल्ली अपने आखिरी मैच में पंजाब से हार जाए। अगर दोनों मैच हार जाते हैं तो मुंबई इंडियंस बाहर हो जाएगी।

दिल्ली कैपिटल्स ¬ कैपिटल्स को 20 मई को मुंबई में मुम्बई इंडियंस जबकि 24 मई को जयपुर में पंजाब किंग्स से खेलना है। दिल्ली अगर अपने दोनों मैच जीत जाती है तो 17 अंकों के साथ क्वालीफाई करेगी और मुंबई इंडियंस बाहर हो जाएगी। वहीं अगर सिर्फ एक मैच जीतती हैं तो मुंबई इंडियंस से हारने पर दिल्ली बाहर हो जाएगी। अगर मुंबई को हरा देती है और पंजाब से हार जाती हैं तो उन्हें उम्मीद करनी होगी कि पंजाब भी मुंबई को भी हरा दे और लखनऊ सुपर जायंट्स को अपने बचे हुए तीन मैच में से कम से कम एक मैच हारना होगा। इस सीन में दिल्ली के 15 अंक होंगे, मुंबई के 14 और लखनऊ के 14 से ज्यादा नहीं होंगे।

मांजरेकर बोले आईपीएल के इस सत्र में सूर्या का प्रदर्शन रहा है सबसे अच्छा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि इस आईपीएल सत्र में मुम्बई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि सूर्या के अलावा मुम्बई के ही हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा ने भी जरुरत पड़ने पर अपनी-अपनी टीमों की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। इसी कारण शुरुआती झटकों के बाद टीम संभल गयी। सूर्या ने इस सत्र के 12 मैचों में तीन अर्धशतक के साथ ही कुल 500 से अधिक रन बनाए हैं। सूर्या ऑरेंज कैप है की दौड़ में भी शीर्ष पर हैं। इस सत्र में मुम्बई की शुरुआत खराब रही और वह अपने पहले मैचों में हारी थी। इसके बाद टीम ने लगातार छह मैच जीतकर वापसी की। 12 मैच में 14 अंकों के साथ ही मुम्बई प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। मांजरेकर ने कहा, मुझे लगता है कि मुम्बई अच्छा प्रदर्शन करती रहेगी। हालांकि कुछ विदेशी खिलाड़ियो के जाने से उसे थोड़ी परेशानी हो सकती है। साथ ही कहा कि टीम शुरुआत में अनिश्चित दिखी पर अब सही दिशा में जा रही है।

बुमराह को कप्तान बनाने के पक्ष में इशांत

नई दिल्ली। पूर्व तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का का मानना है कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए जसप्रीत बुमराह को भारतीय टीम की कप्तानी दी जानी चाहिये। इशांत के अनुसार अगर बुमराह पूरी सीरीज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं होते है तभी शुभमन गिल को कप्तानी दी जानी चाहिये। इंग्लैंड दौर के ठीक पहले अचानक ही रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण अगले कप्तान की तलाश जारी है। कप्तानी की दौड़ में शुभमन का नाम सबसे आगे हैं हालांकि पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और अनिल कुंबले बुमराह को कप्तान बनाये जाने के पक्ष में हैं पर कई खिलाड़ियों का मानना है कि बुमराह की खराब फिटनेस को देखते हुए वह कप्तानी के योग्य नहीं हैं।

गुजरात प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस आईपीएल के 18 वें सत्र के प्ले ऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। टाइटंस ने यहां हुए एक अहम मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 10 विकेट से हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई।

गुजरान ने इसके साथ ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया। वह 200 रनों के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाये हासिल करने वाली पहली टीम बनी है। गुजरात की ओर से इस मैच में सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने शतक जबकि उनके जोड़ीदार कप्तान शुभमन गिल ने अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस मैच में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के शतक से 3 विकेट पर 199 रन बनाए। इसके बाद मिले 200 रनों के लक्ष्य को दिल्ली ने आसानी से हासिल कर लिया। इसी के साथ ही गुजरात ने 12 मैचों में 9वीं जीत दर्ज की है। इससे अब उसके 18 अंक हो गए हैं और वह अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है जबकि रॉयल चैलेंजर्स दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। इस मैच में दिल्ली से मिले 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुदर्शन और शुभमन ने गुजरात टाइटंस की ओर से आक्रामक शुरुआत की।

दैनिक
सत्ता सुधार
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें
विनोद तिवारी
जिला ब्यूरो प्रमुख दमोह
मो. 6266038075

मीरजापुर पुलिस के प्रोजेक्ट मिलन के तहत परिवार परामर्श केंद्र ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के निर्देशन में 18 मई 2025 को कई थाना क्षेत्रों के 6 बिछड़े दंपत्तियों को काउंसिलिंग के माध्यम से पुनर्मिलन के लिए राजी किया गया। ये दंपत्ति अलग-अलग कारणों से एक-दूसरे से अलग रह रहे थे।

संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे को हाईकोर्ट ने ठहराया जायज

मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने कहा- हिंदू पक्ष का केस सुनने योग्य, हिंदू पक्ष का दावा-संभल मस्जिद नहीं, हरिहर मंदिर

सत्ता सुधार ■ प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी के संभल की जामा मस्जिद के सर्वे पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने मस्जिद कमेटी की उस सिविल रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सर्वे पर रोक की मांग की गई थी। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की बेंच ने सोमवार को यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि अब तक इस मामले में जो भी कार्रवाई हुई, वह सही है। हम कोर्ट कमिश्नर सर्वे में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल

केस सुनने योग्य हैं। कोर्ट कमीशन सर्वे और दाखिल वाद पहले की तरह जारी रहेगा। यानी, जामा मस्जिद है या मंदिर इसका मुकदमा भी संभल की लोअर कोर्ट में चलता रहेगा। दरअसल, हिंदू पक्ष की याचिका पर संभल कोर्ट ने 19 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद के एडवोकेट कमिश्नर सर्वे का आदेश दिया। उसी शाम टीम सर्वे के लिए पहुंच गई थी। रात होने के कारण सर्वे पूरा नहीं हो पाया था। 5 दिन बाद यानी 24 नवंबर को दोबारा सर्वे के लिए एडवोकेट कमिश्नर और एएसआई टीम पहुंची थी। इस दौरान हिंसा भड़क गई। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी।

सर्वे पर की थी रोक की मांग

हिंसा के बाद मस्जिद की इंतजामिया कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करते हुए सर्वे पर रोक लगाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को आदेश दिया कि इस मामले की सुनवाई की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने तब तक संभल कोर्ट को इस मामले में आगे कार्रवाई करने से रोक दिया था।

मुकदमा चलता रहेगा

8 जनवरी 2025 को हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश देते हुए मस्जिद के सर्वे पर रोक लगा दी थी। साथ ही इंतजामिया कमेटी समेत सभी पक्ष से जवाब मांगा था। इसके बाद सुनवाई शुरू हुई। 13 मई को बहस पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला रिजर्व रख लिया था। हाईकोर्ट ने अब सर्वे पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। साथ ही, कहा कि मुकदमा चलता रहेगा। एक्सपर्ट के मुताबिक, हाईकोर्ट ने संभल कोर्ट के सर्वे के फैसले को सही माना है। साथ ही, आगे वहीं पर कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ता गोपाल शर्मा ने बताया कि हमने 19 नवंबर 2024 को याचिका दायर की थी, जिसके बाद अदालत ने सर्वेक्षण का आदेश दिया। सर्वे दो चरणों में पूरा हुआ।

ब्रीफ न्यूज

अयोध्या में एक्टर गोविंदा ने रामलला के किए दर्शन

अयोध्या। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा सोमवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने भगवान रामलला के दर्शन किए। पूजा करने के बाद भगवान से आशीर्वाद लिया। इसके बाद मंदिर में घूमकर पूरे परिसर को देखा। करीब 20 मिनट तक परिसर में समय बिताने के बाद वापस लौट गए। दरअसल गोंडा में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव दिग्विजय सिंह के घर तिलकोत्सव कार्यक्रम था। गोविंदा उनके घर निजी कार्यक्रम में शामिल हुए। वहां से वापस लौटने के बाद वे अयोध्या पहुंचे। उनकी इस धार्मिक यात्रा को पूरी तरह निजी रखा गया था। मीडिया को भी उनके आने की पहले से कोई जानकारी नहीं दी गई थी। न ही उन्हें मिलने दिया गया। मंदिर प्रशासन से जुड़े लोगों ने बताया कि गोविंदा ने सामान्य भक्त की तरह मंदिर में प्रवेश किया। विधिवत दर्शन किए। उनके साथ कुछ स्थानीय लोग भी मौजूद थे। दर्शन के दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं ने अभिनेता को पहचान लिया। इस दौरान कुछ लोगों के साथ फोटो भी खिचंवाई।

रिपोर्ट के आधार पर पार्टी तय करेगी 2027 चुनावों का टिकट

अब उत्तर प्रदेश के भाजपा विधायकों का होगा ऑडिट

चुनाव से पहले पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के पास जाएगा यह सर्वे

सत्ता सुधार ■ लखनऊ

विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा के मौजूदा विधायकों की दावेदारी पर संकट आ सकता है। टिकट बांटने से पहले सभी विधायकों को जनता की कसौटी पर कसा जाएगा। विधायकों की लोगों के बीच छवि परखने का काम शुरू भी कर दिया गया है। दरअसल, सरकार और भाजपा चुनावी मोड में जाने से पहले अपने विधायकों के बारे में पूरा ब्योरा जुटाना चाहती है। इसलिए उनके कामकाज का ऑडिट कराया जा रहा है ताकि पता लगाया जा सके कि कौन विधायक जनता के बीच कितना सॉलिड है। भाजपा प्रदेश में लगातार दो बार सरकार बनाने के बाद अब हैट्रिक की रणनीति बना रही है। ऐसे में पार्टी टिकट बांटने में कोई गलती नहीं करना चाहती। विधायकों का ऑडिट कराने की जिम्मा सरकार को सौंपा गया है। सरकार ने कुछ एजेंसियों को काम पर लगा दिया है। एजेंसियों ने गोपनीय तरीके से काम शुरू भी कर दिया है।

डाटा तैयार किया जाएगा: विधायकों के कामकाज और जनता के बीच छवि का ऑडिट कराने के साथ ही सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों के सामाजिक व राजनीतिक समीकरणों के आधार पर सर्वे कराने का भी फैसला लिया गया है। विधानसभावार सर्वे करके एक डाटा तैयार किया जाएगा। साफ है कि विधानसभा चुनाव 2027 में विधायकों को टिकट पाने के लिए अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ेगा।

विपक्ष की स्थिति पर रहेगी नजर

सर्वे में भाजपा के साथ ही मुख्य विपक्षी दलों के बारे में भी जानकारी जुटाई जाएगी। जातिवार समीकरण के लिहाज से भी रिपोर्ट बनेगी। इसमें देखा जाएगा कि किस जाति व समाज में किस दल की पकड़ है। किस पार्टी को लेकर क्या अवधारणा है। पार्टी की स्थिति के साथ ही मौजूदा विधायकों के बारे में रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

तीन श्रेणियों में होगा आकलन

सर्वे में विधायकों की छवि का आकलन ए, बी और सी तीन श्रेणियों में किया जाएगा। ऑडिट के बाद विधायकों को श्रेणीबद्ध करते हुए अंक दिए जाएंगे। सर्वाधिक अंक पाने वाले विधायक को ए श्रेणी में रखा जएगा। इसी प्रकार अंक के आधार पर बी और सी श्रेणी में रखा जाएगा। सरकार के स्तर से पूरा डाटा तैयार करके पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

इन बिंदुओं पर होगा ऑडिट

- पहली और दूसरी बार के विधायकों का परफारमेंस कैसा रहा
- क्षेत्र में विकास निधि की धनराशि खर्च करने की स्थिति कैसी
- जनसमस्याओं के निस्तारण में कितनी सक्रियता दिखाई
- पिछले चुनाव में प्रतिद्वंदी से कम मार्जिन से जीतने की क्या वजह
- जनता की नजर में विधायकों की छवि कैसी
- 2027 में चुनाव जीतने की संबंधित विधायक की कितनी संभावना

मंत्री असीम अरुण ने पकड़ा 5 लाख का घोटाला

समाज कल्याण अधिकारी और अधीक्षक निलंबित

डिप्टी डायरेक्टर को जांच की जिम्मेदारी सौंपी

एजेंसी ■ बाराबंकी

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण बाराबंकी के रामनगर पीजी कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कॉलेज परिसर में स्थित समाज कल्याण विभाग के

छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 5 लाख रुपए की सरकारी धनराशि से किए गए रंग-रोगन और रखरखाव कार्य में घोटाला सामने आया। अनियमितता पाते ही मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए समाज कल्याण अधिकारी और छात्रावास अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही मामले की जांच डिप्टी डायरेक्टर, समाज कल्याण विभाग अयोध्या को सौंपी गई है। मंत्री असीम अरुण ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जब खर्च का विवरण मांगा गया तो जिम्मेदार अधिकारी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। 5 लाख रुपए की धनराशि कहां खर्च हुई, इसका ठोस प्रमाण भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अधिकारी केवल बिजली के तार और मामूली काम दिखाते रहे, जिससे घोटाले की पुष्टि होती है।

राशि की रिकवरी भी की जाएगी

पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी की सरकार छात्रावासों के कायाकल्प के लिए भरपूर धनराशि दे रही है ताकि छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। लेकिन यदि कोई अधिकारी इस सरकारी धन का दुरुपयोग करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया कि छात्रावासों के लिए आगामी दिनों में 10 लाख की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, लेकिन पूर्व में दी गई राशि की रिकवरी भी की जाएगी।

आईएसआई जासूसी शहजाद की गिरफ्तारी से मोहल्ले में सन्नाटा

पत्नी ने कबूला- दो बार पाकिस्तान गया शौहर

रामपुर। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी (आईएसआई) के लिए जासूसी करने के आरोप में रामपुर निवासी शहजाद की गिरफ्तारी के बाद इलाके में सन्नाटा पसरा हुआ है। मोहल्ले के लोग हैरान हैं कि जिस शहजाद को वह वर्षों से शांत स्वभाव का समझते थे वह जासूसी जैसे गंभीर आरोप में गिरफ्तार हो सकता है। लोगों ने बताया कि पहले शहजाद गाड़ी चलाता था और कंबल बेचने का भी काम करता था। वह पाकिस्तान से लेडीज सूट और कपड़ा मंगाकर स्थानीय स्तर पर बेचने लगा था। शहजाद की पत्नी राजिया ने बताया कि उनका पति दो बार पाकिस्तान गए थे लेकिन उनका मकसद सिर्फ कारोबार था। वह पाकिस्तान से कपड़े और सूट मंगाकर बेचा करता

था। उन्होंने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि अगर हम पाकिस्तान से पैसा कमा रहे होते, तो दस साल में घर बनाने में इतनी मुश्किलें क्यों आतीं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने शहजाद के घर पहुंचकर तलाशी ली और परिवार से पूछताछ की।

पुलिस कर रही जांच: पूरे मोहल्ले में इस घटना को लेकर लोग सन्न हैं और कोई भी खुलकर कुछ कहने से बच रहा है। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है कि शहजाद के पाकिस्तान से संबंध किस हद तक थे और क्या वह सच में आईएसआई के लिए जासूसी कर रहा था।

कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, दादी और पोती की मौत

शामली। शामली जिले के कैराना में कार के डिवाइडर से टकराने के बाद पलट जाने से एक बुजुर्ग महिला और उसकी तीन वर्षीय पोती की मौत हो गई, जबकि परिवार के चार अन्य सदस्य घायल हो गए। दुर्घटना रविवार रात मावी गांव के पास पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर हुई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित हरिद्वार से हरियाणा के पानीपत लौट रहे थे, तभी चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई।

आगरा से बरेली तक एक्सप्रेस-वे, 2.5 घंटे में होगा सफर

15 जिलों से होकर गुजरेगा आसमान छुएंगे जमीन के दाम

आगरा। दो साल में आगरा-बरेली कॉरिडोर की सौगात मिलने वाली है। इसकी लंबाई 228 किमी होगी। इससे आगरा-मथुरा समेत 15 जिलों के लोगों के लिए सुविधा हो जाएगी। आगरा-मथुरा के लोग ढाई घंटे में बरेली पहुंच जाएंगे। अभी इसमें करीब 5 घंटे लगते हैं। मथुरा के बाद से हाथरस तक कॉरिडोर जून में बनकर तैयार हो जाएगा और इस पर सफर किया जा सकेगा। एनएचएआई 7,700 करोड़ से मथुरा (बाद) से बरेली तक चार लेन कॉरिडोर बन रहा है। इसका निर्माण चार पैकेज में हो रहा है। पहले पैकेज में हाथरस तक पीएनसी, हाथरस से कासगंज तक और कासगंज से बदायूं तक जीआर इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड और बदायूं से बरेली तक धारीवाल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड बना रही है।

समय-ईधन की भी बचत

कॉरिडोर के बनने से आगरा, मथुरा, टूंडला, एटा, कासगंज, हाथरस, बरेली, बदायूं समेत कई जिलों के लोगों के लिए सुविधा हो जाएगी। राया के जाम से बचाव और समय-ईधन की भी बचत होगी। अभी आगरा के लोगों को टूंडला, एटा, कासगंज होकर बरेली जाना पड़ता है। इसमें करीब 5 घंटे का समय लगता है। अब यह दूरी ढाई घंटे में पूरी हो जाएगी।

20 फ्लाईओवर, 26 अंडरपास

आगरा-बरेली कॉरिडोर में क्षेत्रीय लोगों की सुविधा का भी ख्याल रखा गया है। इस कॉरिडोर प 20 फ्लाईओवर, 26 अंडरपास, 6 रेलवे ओवरब्रिज बनेंगे।

एक ही छत के नीचे मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी

सत्ता सुधार ■ ग्वालियर

वर्धानी क्लासेस ने अब NEET (मेडिकल) और IIT-JEE (इंजीनियरिंग) की संयुक्त कोचिंग शुरू की है। साथ ही, कक्षा 9-10 के छात्रों के लिए 'जूनियर डिवीजन' लॉन्च किया गया है, जो ओलंपियाड, NTSE, और फाउंडेशन कोर्स पर फोकस करेगा। यह कदम छात्रों को शुरुआती स्तर से ही प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने का लक्ष्य रखता है।

डॉ. करण वर्धानी
निर्देशक, वर्धानी बायोलॉजी क्लासेस

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक गोपाल श्रीवास्तव, द्वारा मेसर्स डीबी कॉर्प लिमिटेड प्लॉट नं.36 इंडस्ट्रियल एरिया चनाटोरिया सागर (म.प्र.) से मुद्रित एवं तिरुपतिपुरम, अशोक विहार कॉलोनी के पीछे तीली वार्ड सागर, से प्रकाशित। स्थानीय संपादक-संजय कुमार गुप्ता*, मोबाईल न. 9424880832
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा। मोबाईल न. 9893126900, 7869966100, ई मेल- sattasudharbpl@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। 0755-4002626, 4939910